खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 01 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-150

पाकिस्तान में घुसी अफगान सेना, लगातार हो रहे हमले से जंग जैसे बने हालात

काबुल ,31 मई । भारत के साथ ऑपरेशन सिंदूर में तगड़ी मार खाने के बाद पाकिस्तान पर एक और बड़ी मुसीबत आ गई है। बलूचिस्तान आर्मी ने दावा किया है कि पाकिस्तान पर अफगानिस्तान की सेना ने हमला शुरू कर दिया।

बीएलए का दावा है कि अफगानिस्तान की सेना पाकिस्तान के अंदर घुस गई है। बीएलए ने एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बॉर्डर पर बमबारी और टैंकों की तैनाती दिखाई गई है।

बताया जा रहा है कि पहले पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कुछ इलाकों पर गोलीबारी की थी। इसके बाद अफगानिस्तान की ओर से तालिबान आर्मी ने जवाबी कार्रवाई शुरू की है। रिपोर्टों के अनुसार, अफगानिस्तान की ओर से पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हमला किया गया है। इस हमले का दावा बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने किया है।

घटना के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य गतिरोध बढ़ गया है और सीमावर्ती इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। पाकिस्तान सीमा से लगे चाघी में जंग

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यह जंग पाक बॉर्डर से लगे चाघी जिले में शुरू हुई है। जहां पर पाकिस्तान और तालिबान फोर्सेज में तेज झड़प जारी है।

दोनों पक्षों में जमकर गोलीबारी शुरू हो गई है।

बीएलए ने ये भी दावा किया है कि तालिबान आर्मी ने पाक अधिकृत कश्मीर के रावलकोट पर भी हमला कर दिया है। वहीं लाहौर में ब्लैकआउट होने का भी दावा किया गया है। घटना के बाद पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर तनाव काफी बढ़ गया है।

सीमावर्ती जिलों में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है और सेना को हाई अलर्ट पर रखा गया है। कई ग्रामीण इलाकों से नागरिकों के पलायन की खबरें भी सामने आ रही हैं, क्योंकि लोगों में किसी बड़े सैन्य संघर्ष की आशंका बनी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में जज के सुरक्षा काफिले पर हमला, सिपाही की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के टांडो मस्ती थाना क्षेत्र में जज के सुरक्षा काफिले पर हुए हमले में सिपाही की जान चली गई। इस हमले में दो अन्य पुलिस कर्मचारी गोली लगने से घायल हो गए। गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने हमले की निंदा करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई है। दुनिया न्यूज की खबर के अनुसार, हमलावारों ने लरकाना-खैरपुर रोड पर सत्र न्यायाधीश के सुरक्षा काफिले को कल शाम निशाना बनाया। अज्ञात हमलावरों की भीषण गोलीबारी में सुक्कुर से लरकाना जा रहे सत्र न्यायाधीश सिमकन अहमद के सुरक्षा काफिले में तैनात कांस्टेबल मकबूल शेख की मौके पर मौत हो गई। गोलीबारी में दो पुलिसकर्मी इकबाल मिलानो और सगीर अहमद घायल हो गए। गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने हमले में आतंकवादियों के शामिल होने की संभावना जताई है। पिछले साल दो अगस्त को ऐसा हमला उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के स्थानीय जजों के काफिले पर हुआ था। इसें कम से कम दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई थी। नवंबर 2022 में आतंकवादियों के साथ संघर्ष विराम टूटने के बाद से पाकिस्तान को प्रतिबंधित आतंकवादी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के घातक हमलों का सामना करना पड़ा है।

सियोल में चलती मेट्रो ट्रेन में लगी आग, जान बचाकर भागे यात्री, सुरंग से बाहर निकले

सियोल। दक्षिण कोरिया में चलती सियोल मेट्रो ट्रेन में अचानक आग की लपटें उठने से अफरातफरी मच गई। यह घटना लाइन 5 की है। मेट्रो की सब-वे ट्रेन में सवार लगभग 400 यात्रियों को जान बचाने के लिए सुरंग का विकल्प चुनना पड़ा। पुलिस का कहना है कि आग लगाने वाले संदिग्ध बुजुर्ग को गिरफ्तार कर लिया गया है। दक्षिण कोरिया की पुलिस ने शनिवार सुबह बताया कि लाइन 5 पर सियोल सब-वे ट्रेन में आग लगाने के संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। 60 वर्षीय इस व्यक्ति को गैसोलीन से भरे एक जेरीकैन और एक टॉर्च लाइटर के साथ सुबह करीब 9:45 बजे येओइनारू स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया। यह आग पश्चिमी सियोल में येओइनारू और अगले पड़ाव मापो स्टेशन के पास लगी थी। येओंगडेउंगपो पुलिस स्टेशन के अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि संदिग्ध ने ट्रेन में आग किस बात की वजह से लगाई। अधिकारियों ने बताया कि 400 से अधिक यात्रियों को ट्रेन से बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान कुछ यात्रियों को खरोंचें आईं। कई यात्रियों को धुएं की वजह से दिक्कत महसूस हुई। 21 यात्रियों को जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। सुबह 10:24 बजे आग पूरी तरह से बुझा दी गई। सियोल मेट्रो के अनुसार, लाइन 5 पर सभी ट्रेनों का आवागमन अब सामान्य है। मेट्रो ऑपरेटर ने सुबह आग लगने के कारण कुछ समय के लिए अपनी सेवाएं निलंबित कर दी थीं।

अमेरिका ने चीन पर समझौते के उल्लंघन का आरोप मढ़ा, व्यापार युद्ध की आशंका बढ़ी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हाल ही में हुए व्यापार समझौते

का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। ट्रंप की इस तीखी आलोचना से समझौते की स्थिरता पर ग्रहण लगता नजर आ रहा है। साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध फिर से शुरू होने की आशंका बढ़ गई है। खबर के अनुसार, ट्रंप ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया ट्रुथ पर एक पोस्ट में कहा, चीन ने हमारे साथ समझौते का पूरी तरह उल्लंघन किया है। ट्रंप की यह टिप्पणी यूएस ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के गुरुवार रात फॉक्स न्यूज के साथ साक्षात्कार के बाद आई है। उन्होंने साक्षात्कार में अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता के बारे में निराशा व्यक्त की थी। बेसेंट ने कहा था कि अगले हफ्ते राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात हो सकती है। ट्रंप और बेसेंट की टिप्पणी के बाद शुक्रवार सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी शेयरों में थोड़ी गिरावट आई। उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में अमेरिका और चीन के बीच हुए व्यापार समझौते में दोनों देशों ने टैरिफ में कटौती की गई थी। इससे शेयर बाजार में उछाल आया और वॉल स्ट्रीट पर मंदी के पूर्वानुमानों में नरमी आई।

यजीद जो पहाड़ी इलाकों में रहते हैं, पूरी दुनिया में इनकी आबादी 20-30 लाख

पढ़ते हैं बाईबल और कुरआन, मयूर और सूर्य की करते हैं उपासना

तेहरान, 31 मई (एजेंसियां) ।

कट्टरपंथी ताकतों ने दुनिया का जीना मुहाल कर रखा है। इनमें से एक समूह यजीदियों का भी है। आईएसआईएस के डर से यजीदी समुदाय इराक के उत्तरी-पश्चिमी हिस्से के पहाड़ी इलाकों में रहता है। बीते साल भी यजीदी समुदाय के नेता ने भारत से मदद की गुहार लगाई थी। इराक के अलावा यजीदी जर्मनी, रूस, आर्मेनिया, जॉर्जिया, यूक्रेन, अमेरिका, कनाडा, सीरिया और तुर्की जैसे देशों में रहते हैं।

यजीदियों की संख्या इतनी कम है कि इनके मुद्दे अनदेखे ही रह जाते हैं दुनियाभर में यजीदियों की आबादी 20 से 30 लाख के करीब है। उनका धर्म इस्लाम, हिंदू और ईसाई सबसे अलग है। यह धर्म एक तरह से गुमनाम और रहस्यमय कहा जा सकता है। यजीदियों की मान्यताओं और उनकी उपासना की पद्धति की वजह से इस्लामिक देशों में उन्हें शैतान के उपासक भी कहा जाता है। इनकी ज्यादा संख्या इराक, सीरिया और दक्षिण-पूर्वी तुर्की में है। ये छोटे समुदायों के रूप में रहते हैं। अकसर ये दुनिया से कटे ही रहते हैं। आईएसआईएस जैसी कट्टरपंथी ताकतों से सताए जाने की वजह से उनकी संख्या में गिरावट आई है।

यजीदियों की खास बात है कि कोई भी धर्म परिवर्तन करके यजीदी नहीं बन सकता है। यजीदी वही हो सकता है जो यजीदी के ही घर पैदा हुआ हो। यह भी एक वजह है कि यजीदियों की संख्या सीमित है। एक तरफ जहां इस्लाम विस्तारवाद के लिए मशहूर हो गया है। वहीं यजीदी इसके ठीक विपरीत हैं। फारसी भाषा में इजीद का मतलब देवता या फरिश्ता होता है। माना जाता है कि इसी वजह से इस धर्म का नाम यजीदी रखा गया है। हालांकि कट्टरपंथी समूहों का मानना है कि इनका ताल्लुक उमैयद राजवंश के दूसरे खलीफा यज़ीद इब्न मुआविया से है। कट्टरपंथी यजीद को बुरा शासक मानते थे। इसी वजह से वे यजीदियों से नफरत करने लगे। जानकारों का कहना है कि इस धर्म का यजीद से कोई भी लेना-देना नहीं है। यजीदियों की बहुत सारी मान्यताएं मुस्लिमों, ईसाइयों से मिलती जुलती हैं। वैसे तो ये बाइबल और कुरआन दोनों को मानते हैं लेकिन इनकी ज्यादातर पद्धतियां पारंपरिक रूप से चली आ रही हैं जो कि इस्लाम और ईसाइयों से अलग हैं। उनकी कई मान्यताएं ऐसी हैं जो कि हिंदू धर्म से मेल खाती हैं। यजीदी महिलाएं भी लाल जोड़ा पहनकर शादी करती हैं। हालांकि इस दौरान वे चर्च में जाती हैं। मुसलमानों की तरह वे जानवरों की कुर्बानी देते हैं और खतना भी करते हैं। वहीं इस्लाम से विपरीत वे सूर्य और मोर की उपासना करते हैं। यजीदी ईश्वर को इस श्रृष्टि का रचयिता मानते हैं।

पाकिस्तान में जानजाति : वे हिंदू नहीं हैं पर परंपराएं और देवी देवताओं का पूजन हिंदुओं जैसा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ही हिंदुकुश की पहाड़ियों में एक ऐसी जनजाति फल फूल रही है जो कि मूर्तिपूजा करती है। हिंदुकुश के पहाड़ों से घिरी घाटियों में कलाश नाम की जनजाति रहती है। इस जनजाति की स्त्रियों के बेहद खूबसूरत माना जाता है। इनकी कुछ परंपराएं अनोखी हैं। वहीं इनकी कई परंपराएं हिंदुओं से मिलती-जुलती हैं। हिंदूकुश पर्वत में एकांत में रहने की वजह से उन्होंने अपनी संस्कृति बचाकर रखी है। कलाश जनजाति के लोग मुर्तिपूजा में विश्वास करते हैं। वे लोग शिव, इंद्र और यम से मिलते जुलते देवी देवताओं की पूजा करते हैं। हालांकि ये खुद को हिंदू नहीं मानते कलाशी महिलाएं भेड़-बकरियां चराने का काम करती हैं। इसके अलावा वे माला और रंगीन पर्स वगैरह तैयार करती हैं जिन्हें बेचने के लिए पुरुष बाहर जाते हैं। महिलाओं के पहनावे में एक खास तरह की पहाड़ी टोपी शामिल होती है। इसके अलावा वे चिड़िया के पंखों का भी इस्तेमाल करती हैं।अफगानिस्तान की सीमा के पास हिंदूकुश पहाड़ों में रहने वाली यह जनजाति बाहरी दुनिया से ज्यादा संपर्क नहीं रखती है। हिंदूकुश पहाड़ को लेकर ऐतिहासिक और पौराणिक मान्यताएं हैं। कहा जाता है कि इस इलाके में जब सिकंदर की जीत हुई तो इसे कौकासोश इंदिकौश के नाम से जाना जाने लगा। यह यूनानी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ हिंदुस्तानी पर्वत है। वहीं यह भी कहा जाता है कि कलाश जनजाति का संबंध सिकंदर से है। हालांकि इतिहासकारों का कहना है कि इस जनजाति का अस्तित्व पहले से था।

जेनिफर लोपेज प्राइड मंथ में वर्ल्डप्राइड शो के लिए उत्साहित

लॉस एंजेलिस,31 मई (एजेंसियां) ।

गायिका और अभिनेत्री जेनिफर लोपेज इस समय वाशिंगटन डीसी में जून के प्राइड मंथ के दौरान आयोजित वर्ल्डप्राइड के कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दे रही हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने गानों पर लोगों को गाते और नाचते देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं। जेनिफर ने एक बातचीत में बताया कि वह टूर की तैयारियों में जुटी हैं और प्राइड इवेंट में पहली बार प्रदर्शन करने को लेकर बेहद खुश हैं। वह चाहती हैं कि इस गर्मी में उनके प्रशंसक खूब मज़ा करें और अपने साथियों के साथ खुशी मनाएं।

लोपेज ने आगे बताया कि यह समय आज़ादी और खुशियों का जश्न मनाने के लिए सबसे सही है। उनका मानना है कि इस गर्मी में सब कुछ अच्छा चल रहा है और वे अपने फैंस के साथ नाचने-गाने का आनंद लेने को तैयार हैं। लोपेज ने यह भी कहा कि यह हमेशा से उनका लक्ष्य रहा है कि वह अपने संगीत से लोगों को खुश करें। जेनिफर अपने 17 वर्षीय जुड़वा बच्चों, एम्मे और मैक्स के साथ भी अच्छा समय बिताने की योजना बना रही हैं। उन्होंने कहा कि उनके बच्चे प्राइड इवेंट में आ सकते हैं क्योंकि वे इस दौरान कई कॉन्सर्ट कर रही हैं। लोपेज ने उन्हें बेहद प्यारा और खास बताया।

इसके अलावा, उन्होंने हाल ही में अपने करियर पर गर्व महसूस करने का इजहार किया है। उन्होंने कहा कि जब वे पीछे मुड़कर अपने पुराने शोज को देखती हैं तो यह सोचकर भावुक हो जाती हैं कि उन्होंने कितना कुछ हासिल किया है। वे अपने सफर और संगीत की उस यात्रा पर गर्व करती हैं जो उन्होंने अब तक तय की है। जेनिफर ने बताया कि कलाकार के रूप में उन्होंने खुद में बहुत बदलाव देखा है और यह उनके लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा है। इस प्राइड मंथ में जेनिफर लोपेज का उत्साह और संगीत प्रेम उनके फैंस के लिए एक खास तोहफा साबित हो रहा है, जो इस गर्मी को और भी यादगार बना देगा।

बीमार वयस्कों को मौत का विकल्प चुनने की अनुमति

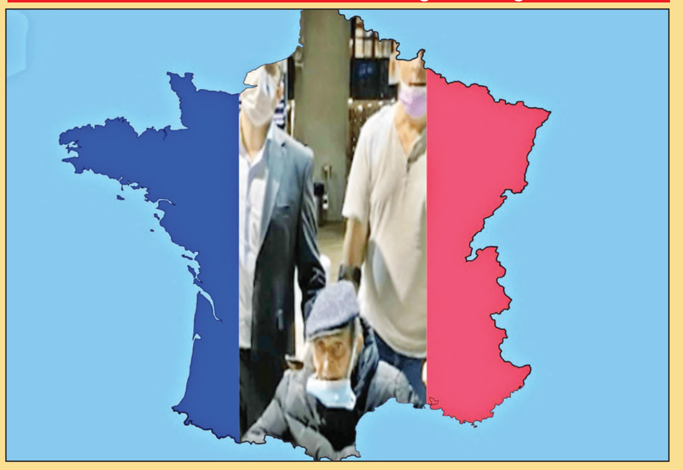

फ्रांस में लाइलाज बीमारी से पीड़ित वयस्कों को मौत का विकल्प चुनने की अनुमति दी गई है। फ्रांस की संसद के निचले सदन ने एक विधेयक पारित कर दिया है। दरअसल, पूरे यूरोप में लोग लंबे समय से कानूनी तरीके से जीवन समाप्त करने के विकल्पों की मांग कर रहे हैं। विधेयक और प्रस्तावित कानून का समर्थन कर रहे लोगों का मानना है कि इस बिल से लाइलाज बीमारी से पीड़ित लोगों की पीड़ा कम होगी। फ्रांस की नेशनल असेंबली ने इससे संबंधित विधेयक को पारित किया है। इस मुद्दे पर लंबे वक्त से चर्चा की जा रही है। विधेयक के पक्ष में 305 मत पड़े जबकि विपक्ष में 199 वोट पड़े। इसे आगे की चर्चा के लिए सीनेट में भेजा जाएगा। फ्रांस की लंबी और जटिल विधायी प्रक्रिया के बीच इस विधेयक पर अंतिम मुहर लगने में महीनों लग सकते हैं। इसके साथ ही दर्द से राहत दिलाने और मरीजों की गरिमा को बनाए रखने के उपायों को सुदृढ़ करने के मकसद से पीड़ा रहित देखभाल से संबंधित एक अन्य विधेयक भी पारित किया गया है।

कांग्रेस नेता खुर्शीद बोले - सच यही है सीजफायर के लिए गिड़गिड़या था पाक

जकार्ता, 31 मई (एजेंसियां) ।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने अभी विदेश दौरे पर हैं और भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होकर पाकिस्तान को बेनकाब कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत नहीं बल्कि पाकिस्तान ने सबसे पहले संपर्क कर सीजफायर की पेशकश की थी। उन्होंने इसे लेकर चल रही दूसरी बातों को पूरी तरह बकवास करार दिया। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में पत्रकारों से बात करते हुए खुर्शीद ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ को फोन कर संघर्षविराम की मांग की और भारत ने तब जवाबी कार्रवाई रोकने का निर्णय लिया।

खुर्शीद ने कहा, किसी का यह कहना कि हमने पहले फोन किया, बिल्कुल बकवास है। जब कॉल आया, तब तक पाकिस्तान को भारी नुकसान हो चुका था। हमने तब हमला रोकने का फैसला लिया, लेकिन सीमा पर गोलाबारी अगले तीन-चार घंटे तक चलती रही। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान में न तो असैन्य सरकार के पास नियंत्रण है, न ही सेना एकजुट है। वहां फौज के भीतर ही कई गुट हैं जो एक-दूसरे से ताकत के लिए लड़ रहे हैं। खुर्शीद ने कहा कि भारत अब महाशक्ति बनने की राह पर है और कोई भी उसे इस रास्ते से नहीं हटा सकता। उन्होंने कहा, भारत महान बनने की प्रतीक्षा कर रहा है। कोई हमें भटका नहीं सकता। यह जरूरी है कि हम अपनी ताकत दुनिया को दिखाएं। उन्होंने पाकिस्तान से स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत की एकमात्र और स्थायी मांग यही है कि वह आतंकवाद को त्याग दे। उन्होंने कहा कि भारत की आवाज आज सत्तापक्ष और विपक्ष से मिलकर एकजुट होकर उठ रही है। उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान में कुछ भी समझदारी बची है तो वह समझे कि भारत की मांग क्या है। आतंकवाद छोड़ो। बता दें कि 7 मई को शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने जम्मू-कश्मीर के पाहलगाम में हुए आतंकी हमले (22 अप्रैल) के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया था। इसमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिद्दीन जैसे संगठनों के 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया। भारत सरकार ने इसके बाद एक अभूतपूर्व कूटनीतिक मुहिम शुरू की है, जिसके तहत 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विश्व के 30 से अधिक देशों का दौरा कर रहे हैं। यूके, फ्रांस, जर्मनी, ईयू, इटली, डेनमार्क, इंडोनेशिया, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, सऊदी अरब, कुवैत, यूएई, रूस, अमेरिका, कांगो, स्पेन, ब्राज़ील, ग्रीस, दक्षिण अफ्रीका आदि देशों में ये डेलिगेशन जाएंगे। हम भारत का समर्थन कर रहे हैं, किसी पार्टी का नहीं खुर्शीद ने कहा कि हालांकि वे कांग्रेस पार्टी से हैं और उनके साथी भाजपा और अन्य दलों से हैं, लेकिन वे सभी यहां किसी पार्टी का नहीं भारत का संदेश लेकर आए हैं। उन्होंने कहा, हममें से कुछ सत्ता पक्ष से नहीं हैं। फिर भी हम एक साथ हैं। क्योंकि हम किसी पार्टी का समर्थन नहीं कर रहे, हम 'भारत' नाम के एक विचार का समर्थन कर रहे हैं।

रूस ने अमेरिका के सबसे बड़े दुश्मन उत्तर कोरिया को दिया एडवांस्ड एयर डिफेंस सिस्टम

मॉस्को, 31 मई (एजेंसियां) ।

रूस और उत्तर कोरिया के बीच गहराते सैन्य रिश्तों की चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में जारी एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी रिपोर्ट में दावा है कि रूस ने उत्तर कोरिया को अपना एडवांस्ड एयर डिफेंस सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक जैमर और सैन्य सहायता दी है। ये सब संयुक्त राष्ट्र के सख्त प्रतिबंधों के बाद भी हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2024 से रूस ने उ.कोरिया को 'पैंटिर' मोबाइल वायु रक्षा सिस्टम और लड़ाकू वाहन सौंपे हैं। यह वहीं प्रणाली है जो सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और

तोपों से लैस होती है, यानी दुश्मन के विमान या मिसाइलों को आसमान में ही ढेर कर दिया जाएगा। पैंटिर डिफेंस सिस्टम के मिसाइल की स्पीड ब्रह्मोस से भी तेज है। हालांकि ब्रह्मोस और इसकी कोई तुलना नहीं की जा सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि पैंटिर जहां शॉर्ट-रेंज एयर डिफेंस सिस्टम है। वहीं ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। रेंज के मामले में ब्रह्मोस आगे है। यह 650 किमी तक हमला कर सकती है। वहीं पैंटिर 1.2 से 20 किमी की रेंज तक आने वाली मिसाइलों को ढ़ेर कर सकती है। रिपोर्ट में दावा है कि उ.कोरिया ने सितंबर 2023 से रूस को भारी मात्रा में हथियार सप्लाई किए लगभग 20,000 कंटेनरों के द्वारा। इसमें 9 मिलियन से ज्यादा आर्टिलरी राउंड्स, सैकड़ों मिसाइलें, भारी तोपें और एंटी-टैंक गाइडेड हथियार शामिल हैं। यह मात्रा इतनी है कि तीन पूरी ब्रिगेड को हथियारबंद कर सके। रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर-दिसंबर 2023 के बीच रूसी वायुसेना के आईएल-76 और एएन-124 जैसे सैन्य विमानों ने हथियारों की डिलीवरी की। रूस ने बीते साल उ.कोरिया को 1 मिलियन बैरल से ज्यादा तेल भेजा, जबकि प्रतिबंधों के अनुसार यह सीमा 5 लाख बैरल सालाना है। यही नहीं, करीब 8,000 उत्तर कोरियाई मजदूरों को रूस भेजा गया, जो भी प्रतिबंधों का उल्लंघन है। दोनों देशों के बीच वित्तीय लेन-देन जॉर्जिया के विवादित क्षेत्र दक्षिण ओसेशिया के जरिए हो रहे हैं।

अमेरिका की मशहूर टीवी अभिनेत्री लोरेटा स्विट का 87 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क। अमेरिका के लोकप्रिय टीवी धारावाहिक एमएएसएच की अभिनेत्री लोरेटा स्विट का निधन हो गया। उन्होंने 87 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। लोरेटा को इस धारावाहिक में आर्मी मेजर हौलिहान की भूमिका के लिए याद किया जाता है। उन्होंने आर्मी मेजर की सहानुभूतिपूर्ण भूमिका के लिए दो एमी पुरस्कार जीते। टीवी और थियेटर में उनका लंबा करियर रहा। खबर के अनुसार, अभिनेत्री लोरेटा स्विट का शुक्रवार को मैनहट्टन में उनके घर पर निधन हो गया। यह घोषणा उनके जनसंपर्क अधिकारी हरलान बोल ने की। उन्होंने कहा कि एमएएसएच हास्य धारावाहिक है। उन्हें कॉमेडी सीरीज में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के लिए एमी पुरस्कार के लिए लगातार 10 वर्षों तक नामांकित किया गया।उन्होंने 1980 और 1982 में दो बार यह पुरस्कार जीता। एमएएसएच का प्रसारण सबसे लंबे समय तक 1972 से 1983 तक किया गया। एक उपन्यास पर आधारित इस शो में सीबीएस सीरीज ने कोरियाई युद्ध के समय की एक घटना को दिखाया था। लोरेटा कामुक, कठोर लेकिन देशभक्त नर्स के किरदार में नजर आई थीं। उनके किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। यही वजह है कि वह हमेशा के लिए यादगार बन गईं।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 01 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-150

पाकिस्तान का नासमझ और धर्मांध समर्थन करने का खामियाजा

अब भारत से नहीं उड़ेगा तुर्की का विमान

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान जैसे दुष्ट देश का नासमझ और धर्मांध समर्थन करने वाले तुर्की को इसका खामियाजा लगातार भुगतना पड़ रहा है। भारत सरकार के उपक्रम डायरेक्टर जनरल सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने तुर्की एयरलाइंस से समझौता खत्म करने का निर्णय लिया है। दो महीने में औपचारिकताएं पूरी कर अगस्त महीने से तुर्की के लिए भारत की जमीन से उड़ान भरने का सिलसिला खत्म हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद ही तुर्की जाने वाले पर्यटकों ने फौरन अपनी बुकिंग कैंसिल करानी शुरू कर दी और भारत के व्यापारियों ने तुर्की के साथ अपने व्यापारिक रिश्ते खत्म कर लिए। भारी तादाद में तुर्की से आने वाले फलों, मेवों और अन्य पदार्थों

तुर्की एयरलाइंस से समझौता खत्म : डीजीसीए

की बुकिंग्स रद्द हो गईं, जिससे तुर्की को लाखों का झटका लगा। भारत के हवाई अड्डों पर प्रबंधन सेवा देने वाली तुर्की की कंपनी सेलिबि एविएशन सुरक्षा लाइसेंस भारत सरकार ने रद्द कर दिया। सेलिबि एविएशन कंपनी में तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की बेटी सुमैया एर्दोगन की मालिकाना हिस्सेदारी है। तुर्की के विमान इंडिगो एयरलाइंस के माध्यम से उड़ान भरते हैं। डीजीसीए ने इंडिगो को अल्टीमेटम जारी कर दिया है। 31 अगस्त के बाद भारत से तुर्की का विमान नहीं उड़ेगा। डीजीसीए ने इंडिगो एयरलाइंस को टर्किश एयरलाइंस से समझौता खत्म करने के लिए दो महीने का समय दिया है। इसके तहत इंडिगो, टर्किश एयरलाइंस से डैम्प लीज पर लिए गए 500 सीटों वाले दो बोइंग ▶9पर

तुर्की की वेबसाइट के जरिए भारत में बनता था फर्जी आधार कार्ड

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। भारत में साइबर फ्रॉड करने और फर्जी आधार कार्ड, पासपोर्ट, पैन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड बनाने में तुर्की की साइट्स का इस्तेमाल करने की इजाजत थी। सैकड़ों की तादाद में फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड बनाने वाले साइबर फ्रॉड मोहम्मद फहीम और जियाउल मुस्तफा के गिरफ्तार होने के बाद इसका खुलासा हुआ है। भारत में बैठे कट्टर इस्लामिक तत्वों को तुर्की की साइट्स और वेब माध्यम का इस्तेमाल करने की आजादी मिली हुई थी। ▶9पर

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दिलाई भारत को कूटनीतिक जीत

कोलंबिया का पाकिस्तान के समर्थन वाला बयान वापस

कोलंबिया, 31 मई (एजेंसियां)। भारत के ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान का समर्थन जताने वाला बयान कोलंबिया ने वापस ले लिया है। इसे भारत की कूटनीति और विदेश दौरा कर रहे भारतीय प्रतिनिधिमंडल के नेता शशि थरूर के अकाट्य तर्कों की जीत के तौर पर देखा जा रहा है। यही वजह है कि जो कोलंबिया कल तक पाकिस्तान के प्रति सांत्वना जता रहा था, वह आज भारत के समर्थन में खड़ा हो गया है। दूसरी तरफ, इस्लामिक देश इंडोनेशिया ने भी भारत के प्रति समर्थन जताते हुए कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इंडोनेशिया भारत के साथ खड़ा है। इंडोनेशिया के सबसे बड़े इस्लामिक संगठन नाहदतुल उलमा ने भी भारत के प्रति अपना समर्थन जताया है।

सर्वदलीय शिष्टमंडल का नेतृत्व करने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कोलंबिया के पाकिस्तान के प्रति संवेदना वाले बयान पर निराशा जाहिर की थी और कोलंबिया को घटना के बारे में विस्तार से बताया था। थरूर ने अपने अकाट्य तर्कों के साथ कोलंबिया को

दल के नेता शशि थरूर के तर्कों से कोलंबिया सहमत

आतंकवाद के खिलाफ हम भारत के साथ: इंडोनेशिया

आतंकवाद के साथ खड़े होने और शांति-दूतों का साथ देने की विभाजक रेखा पर अपना स्टैंड स्पष्ट करने और पारदर्शी रहने की अपील की थी। थरूर ने कोलंबिया को बताया कि सात मई को पहलगाम में किस तरह पाकिस्तानी आतंकियों ने भारत के निर्दोष पर्यटकों को उनका धर्म पूछ-पूछ कर मारा। इस नृशंस घटना के बाद ही भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों, उनके मुख्यालय और लॉन्च पैड्स को निशाना बनाया। भारत की इस जवाबी कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए जिसके बाद कोलंबिया ने पाकिस्तान के प्रति संवेदना जताई थी। शशि थरूर ने कहा, हम अपने कोलंबियाई मित्रों से कहना चाहेंगे कि जो आतंकवाद फैलाते हैं और जो उसका प्रतिरोध करते हैं, उनके बीच कोई समानता नहीं हो सकती। जो हमला करते हैं और जो रक्षा करते हैं, उनके बीच कोई तुलना नहीं हो सकती। हम केवल आत्मरक्षा के अधिकार का प्रयोग कर रहे हैं, और यदि इस पर कोई गलतफहमी है, तो हम उसे दूर करने के लिए तैयार हैं। कोलंबिया की उप विदेश मंत्री रोजा योलांडा ने शशि थरूर के अकाट्य तर्कों को सुनने के बाद पाकिस्तान के प्रति संवेदना जताने वाले कोलंबिया के बयान को बहुत ही गरिमामय तरीके से वापस ले लिया और आतंकवाद के खिलाफ अपने पारदर्शी स्टैंड की पुष्टि की। ▶9पर

देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर बोले पीएम मोदी

नारी शक्ति को चुनौती आतंकियों का काल बन गया

भोपाल, 31 मई (एजेंसियां)। भोपाल में आज देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य और विशाल महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आतंकियों ने नारी शक्ति को चुनौती दी, यही उनका काल बन गया। भारत संस्कृति और संस्कारों का देश है और ये सिंदूर हमारी परंपराओं में नारी शक्ति का प्रतीक है। रामभक्ति में रंगे हुनमानजी भी सिंदूर ही धारण किए हैं। शक्ति पूजा में सिंदूर अर्पण करते हैं। यही सिंदूर अब भारत के शौर्य का प्रतीक बना है। पहलगाम में आतंकियों ने सिर्फ भारतीयों का ही खून नहीं बहाया, उन्होंने हमारी संस्कृति पर भी प्रहार किया। उन्होंने हमारे समाज को बांटने की कोशिश की है। सबसे बड़ी बात आतंकियों ने भारत की नारी शक्ति को चुनौती दी है। ये चुनौती आतंकियों और उनके आकाओं के लिए काल बना गई है। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवादियों के खिलाफ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और सफल ऑपरेशन है। जहां पर पाकिस्तान की सेना ने सोचा तक नहीं था, वहां आतंकी ठिकानों को हमारी सेना ने मिट्टी में मिला दिया। सैकड़ों किमी घुसकर मिट्टी में मिला दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने डंके की चोट पर कह दिया है, आतंकवाद के जरिए छद्म युद्ध नहीं चलेगा। अब घर में घुसकर मारेंगे, जो उनकी मदद करेगा, उनको भी भारी कीमत चुकाना पड़ेगी। अब भारत का एक-एक नागरिक कह रहा है कि अगर तुम गोली चलाओगे तो यह मान कर चलो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। ▶9पर

भारत को शक्ति-सम्पन्न करने की कवायद तेज

सरकार ने घटाई रक्षा खरीद की समय-सीमा

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)।

69 हफ्तों का समय बचेगा : रक्षा सचिव

देश के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रक्षा मंत्रालय ने रक्षा खरीद की समय सीमा को काफी कम किया है, जिससे सैन्य उपकरणों की खरीद में अच्छा खासा समय बचेगा। रक्षा सचिव ने बताया कि रक्षा खरीद में व्यापक सुधारों और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य से ये सुधार किए गए हैं। राजधानी दिल्ली में एक रक्षा सम्मेलन में बोलते हुए रक्षा सचिव ने कहा कि इस पूरे सुधार से रक्षा खरीद की प्रक्रिया में 69 सप्ताह का समय बचेगा। रक्षा सचिव ने कहा कि रक्षा खरीद प्रक्रिया 2020 में बदलाव किए जा रहे हैं। जिनके मुताबिक पारंपरिक नामांकन-आधारित लागत-प्लस खरीद से प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण मॉडल में स्थानांतरित किया जा रहा है, जहां सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र ऑर्डर के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। पोत निर्माण और एएमसीए प्रोजेक्ट में पहले ही ये बदलाव कर दिए गए हैं। राजेश कुमार सिंह का यह बयान ऐसे समय आया है, ▶9पर

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने स्वीकार किया

हमारे कुछ विमान गिरे, पर छह नहीं गिरे

सिंगापुर सिटी, 31 मई (एजेंसियां)।

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भारत के छह फाइटर जेट गिराने के पाकिस्तानी दावे को झूठा बताया, लेकिन माना कि भारत के कुछ विमान जरूर गिरे, लेकिन हमारे पायलट सुरक्षित है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के नुकसान को लेकर पाकिस्तान के दावों पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में शंगरी-ला डायलॉग के दौरान एक साक्षात्कार में यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान ने भारत के राफेल समेत छह फाइटर जेट मार गिराए थे? सीडीएस चौहान ने इसे सिरे से खारिज कर दिया लेकिन कहा, यह ज्यादा जरूरी है कि हम यह समझें कि हमारे विमान क्यों गिरे, ताकि आगे की रणनीति बेहतर बनाई जा सके। अहम सवाल है यह नहीं है कि हमारे लड़ाकू विमान गिरे, बल्कि अहम सवाल यह है कि हमने उड़ान भरी ही क्यों? अच्छी बात यह है कि हमने अपनी रणनीतिक गलती को समझा, उस गड़बड़ी को सुधारा और ठीक कर लिया। इसके बाद हमने दो दिन बाद उस रणनीति को फिर लागू किया और अपने सभी जेट्स को उड़ाया और लंबी ▶9पर

घुसपैठियों को वापस भेजे जाने पर असम के सीएम ने कहा

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भेजे जा रहे घुसपैठिए

गुवाहाटी, 31 मई (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने यह पुष्टि की है कि उन लोगों को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार बांग्लादेश में धकेला जा रहा है, जिन्हें राज्य के विदेशी न्यायाधिकरणों (एफटी) द्वारा विदेशी घोषित किया गया है। असम के मुख्यमंत्री ने 4 फरवरी के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने मटिया निरोध शिविर में बंद घोषित विदेशियों को निर्वासित करने की प्रक्रिया में विलंब पर राज्य सरकार को फटकार लगाई थी।

सीएम सरमा ने कहा, सब जानते हैं कि सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है और सुप्रीम कोर्ट ने हमें निर्देश दिया है कि जिन लोगों को विदेशी घोषित किया गया है, उन्हें किसी भी तरह से (उनके मूल देश में) वापस भेजा जाना चाहिए। जिन लोगों को विदेशी घोषित किया गया है, लेकिन उन्होंने कोर्ट में अपील भी नहीं की है, हम उन्हें वापस भेज रहे हैं। अगर उनमें से कुछ लोग हमें बताते हैं कि उनके पास हाईकोर्ट या सुप्रीम अपील में अपील है, तो हम उन्हें परेशान नहीं कर रहे हैं। सीएम सरमा ने 4 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच द्वारा दिए गए आदेश का हवाला दिया। असम में अवैध घुसपैठियों को रखने के लिए बने मटिया ट्रांजिट कैंप के कैदियों की स्थिति प्रस्तुत करते हुए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि उसने 63 कैदियों को निर्वासित करने की ▶9पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33⁰
न्यूनतम : 25⁰

बंगाल की चुनावी हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट की कठोर टिप्पणी

हिंसा की घटनाओं ने अंतरआत्मा को झकझोर दिया

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद एक भाजपा कार्यकर्ता पर हमला करने और उसकी पत्नी के जबरन कपड़े उतारने और छेड़छाड़ करने के चार आरोपियों की जमानत रद्द कर दी है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि यह नृशंस अपराध लोकतंत्र की जड़ों पर गंभीर हमले से कम नहीं है। इस हिंसा ने हाईकोर्ट की आत्मा को झकझोर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कलकत्ता हाईकोर्ट के 24 जनवरी 2023 और 13 अप्रैल 2023 के आदेशों को पलट दिया, जिसमें उन्हें जमानत दी गई थी। आरोपियों को दो दिन के अंदर सरेंडर करने को कहा गया है। यह फैसला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील पर आया, जिसमें आरोपी शेख जमीर हुसैन, शेख नूराई, शेख अशरफ उर्फ एसके राहुल उर्फ अशरफ, जयंत डोम और शेख कबीरुल को जमानत देने के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तथ्यों को ध्यान में रखते हुए। हमें

चुनावी हिंसा के चार आरोपियों की जमानत रद्द कर दी

लगता है कि वर्तमान मामला ऐसा है जिसमें आरोपी प्रतिवादियों के खिलाफ आरोप इतने गंभीर हैं कि वे अदालत की अंतरात्मा को झकझोर देते हैं। इसके अलावा, आरोपी व्यक्तियों द्वारा मुकदमे की कार्यवाही को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने की आसन्न प्रवृत्ति है। बता दें, घटना 2 मई 2021 की है, जब पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह निर्विवाद है कि शिकायतकर्ता ने 2 मई 2021 की घटना के संबंध में शिकायत दर्ज कराने के लिए 3 मई, 2021 को सदाईपुर पुलिस स्टेशन पहुंचा था, लेकिन प्रभारी अधिकारी ने यह कहते हुए एफआईआर दर्ज करने से इन्कार कर दिया कि उसे और उसके परिवार के सदस्यों को अपनी सुरक्षा के लिए गांव से दूर चले जाना चाहिए। जाहिर है, स्थानीय पुलिस का यह दृष्टिकोण शिकायतकर्ता की उस आशंका को बल देता है कि आरोपी प्रतिवादियों का इलाके और यहां तक कि पुलिस पर भी दबदबा है। पीठ ने बताया कि मामले में प्राथमिकी केवल रिट याचिकाओं के एक बैच में 19 अगस्त 2021 के फैसले के तहत हाई कोर्ट द्वारा हस्तक्षेप करने पर दर्ज की गई थी, ▶9पर

भारी बारिश के बीच असम पहुंचीं उर्मिला मातोंडकर, कामाख्या देवी के किए दर्शन

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर शनिवार को असम स्थित कामाख्या मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके फैंस को झलक दिखाई, जिसमें वह भक्ति में डूबी नजर आईं।

इंस्टाग्राम पर मंदिर के प्रांगण से तस्वीरें शेयर करते हुए उर्मिला ने बताया कि वह नो मेकअप लुक और ग्लैमर से दूर और भक्ति में लीन हैं।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, कामाख्या मंदिर झमाझम बारिश, रास्ते बंद... शहर ठप पर दर्शन तो करने थे तो जिंदगी की अन्य चीजों की तरह यह भी मां पर छोड़ दिया और मां का बुलावा आ गया और दर्शन भी हुए। नो मेकअप, नो ग्लैमर... बस भक्ति।

उर्मिला ने तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह दीपक जलाती और हाथ जोड़े भक्ति में लीन नजर आईं। तस्वीरों में वह माथे पर रोली लगाए और हाथ में प्रसाद स्वरूप चुनरी को पकड़े नजर आईं।असम में देवी कामाख्या का मंदिर है। गुवाहाटी में नीलांचल पहाड़ियों में स्थित, मंदिर में अंबुबाची मेला आयोजित किया जाता है, जो देवी कामाख्या के मासिक धर्म का जश्न मनाने वाला एक वार्षिक उत्सव है। उर्मिला के अभिनय करियर पर नजर डालें तो वह हिंदी के साथ ही तमिल, तेलुगू, मलयालम और मराठी समेत कई भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उर्मिला 'चमत्कार', 'आ गले लग जा', 'एक हसीना थी', 'भूत', 'रंगीला', 'जुदाई', 'मेरे सपनों की रानी', 'सत्या', 'जानम समझा करो', 'कुंवारा', 'प्यार तूने क्या किया', 'ओम जय जगदीश', 'पिंजर', 'खूबसूरत' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह बड़े पर्दे पर आखिरी बार साल 2018 में 'ब्लैकमेल' में नजर आई थीं। वह साल 2022 में वेब सीरीज 'तिवारी' में दिखी थीं। सौरभ वर्मा के निर्देशन में बनी सीरीज कल्कि तिवारी नाम की एक महिला पर आधारित है, जो एक ऐसे अपराध के लिए जेल से रिहा हुई है, जो उसने किया ही नहीं था। जेल से बाहर आने के बाद वह उस आदमी को खोजने का फैसला करती है, जिसने उसे फंसाया था।

सावी के एक साल पूरे होने पर बोलीं दिव्या खोसला

ऐसा लग रहा जैसे कल की रिलीज हुई हो

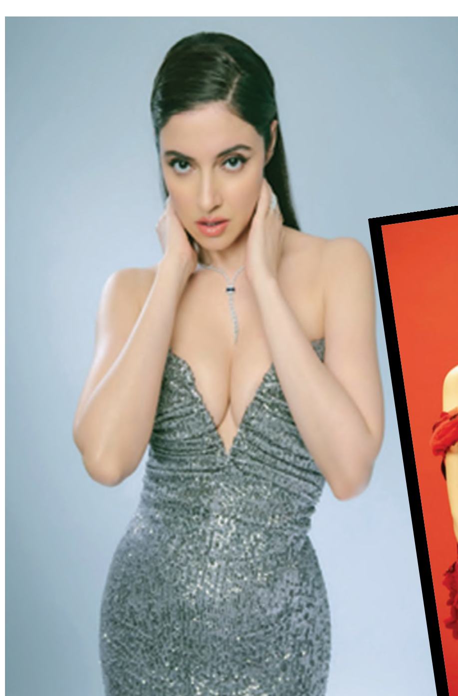

अभिनेत्री दिव्या खोसला की फिल्म सावी को एक साल पूरा हो गया है। इस अवसर पर एक्ट्रेस ने शनिवार को सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके करियर के लिए एक अहम मोड़ साबित हुई, जिसने उन्हें एक कलाकार के रूप में निखारा और पहचान दिलाई। फिल्म के बारे में बात करते हुए दिव्या खोसला ने कहा, 'सावी' मेरे दिल के बहुत करीब है और हमेशा मेरे लिए खास रहेगी। ऐसा लग रहा है, जैसे कल ही हमने हर्षवर्धन राणे, अनिल कपूर और हमारे डायरेक्टर अभिनय देव के साथ इस फिल्म की शूटिंग की थी।

उन्होंने आगे कहा, 'सावी' का किरदार निभाना मुश्किल था, लेकिन मुझे पता था कि मुझे यह किरदार करना है। मैं एक ऐसी पत्नी का रोल निभाना चाहती थी, जो अपने पति के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

इस फिल्म का निर्देशन अभिनय देव ने किया था। इसमें दिव्या ने हाउसवाइफ महिला का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके पति पर गलत तरीके से उनके बॉस की हत्या का आरोप लगाया जाता है। वह अपने पति पर लगे आरोपों को हटाने के लिए लड़ाई लड़ती है।

दिव्या ने आगे कहा, मेरे लिए इससे बड़ी खुशी कोई और नहीं हो सकती कि मैंने ऐसा किरदार चुना, जिससे दर्शक जुड़ सकें। इस किरदार ने फिल्म की कमाई में भी मदद की और मुझे खुशी है कि मैंने इस प्रोजेक्ट को चुना।

दिव्या ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की और एक प्यारा सा कैप्शन भी दिया था।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, उसने प्यार के लिए पहाड़ तक हिला दिए। 'सावी' को एक साल पूरा हो गया है। मैंने इस फिल्म में सबसे बेहतरीन टीम के साथ काम किया। मुकेश भट्ट सर और अभिनय देव जी का दिल से धन्यवाद। आप सभी का भी बहुत-बहुत शुक्रिया, जिन्होंने 'सावी' को इतना प्यार दिया। अब मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि 'सावी' के बाद अपनी अगली फिल्म आप सबके साथ शेयर करूं।

फिल्म 'सावी' में दिव्या खोसला की दमदार एक्टिंग ने दर्शकों को स्क्रीन से बांधकर रखा। फिल्म में इमोशनल सीन, जबरदस्त डायलॉग और बेहतरीन क्लाइमेक्स ने सबका ध्यान खींचा।

'सावी' अपनी कहानी को लेकर विवादों में भी आई थी। कुछ लोगों का कहना था कि यह फिल्म आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म 'जिगरा' से मिलती-जुलती है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो दिव्या डायरेक्टर प्रेरणा अरोड़ा के साथ अपनी आने वाली फिल्म पर काम कर रही हैं। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इस प्रोजेक्ट को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता है।

लारा दत्ता के पिता एल.के. दत्ता का निधन

बॉलीवुड एक्ट्रेस लारा दत्ता के पिता विंग कमांडर एल.के. दत्ता का निधन हो गया है, जिससे फिल्म जगत और उनके प्रशंसकों में शोक की लहर है। लारा शुक्रवार सुबह अपने पति टेनिस स्टार महेश भूपति के साथ मुंबई में पिता के अंतिम संस्कार में शामिल हुईं। इस दौरान वह बेहद भावुक नजर आईं। उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस न सिर्फ उनके पिता को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, बल्कि इस कठिन समय में लारा को हिम्मत भी बंधा रहे हैं। लोग सोशल मीडिया पर संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। लारा के पिता वायुसेना में विंग कमांडर के पद से सेवानिवृत्त थे। उनके सम्मान और समर्पण को याद करते हुए लोग उन्हें नमन कर रहे हैं।

गत 12 मई को एक्ट्रेस ने अपने पिता का जन्मदिन सेलिब्रेट किया था। यह तारीख लारा के लिए बेहद खास है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर उन्होंने बताया कि 12 मई का दिन उनकी जिंदगी के दो बेहद खास पलों से संबंधित है। इस दिन उन्हें मिस यूनिवर्स का खिताब मिला था और इसी दिन उनके पापा का जन्मदिन भी आता है।

इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए लारा ने कैप्शन में लिखा, कल भावनाओं के उतार-चढ़ाव से भरा दिन था... 12 मई... मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण दिन! सिर्फ मेरे पिताजी का जन्मदिन ही नहीं, बल्कि 25 साल पहले इसी दिन मैंने मिस यूनिवर्स का खिताब भी जीता था! समय बहुत तेजी से आगे निकल जाता है। कल मैंने अपने पिता के जन्मदिन के अवसर पर पूजा की। मैं जानती हूं कि यह जीवन बहुत नाजुक है, तो यूनिवर्स ने हमें जो भी उपहार दिया है, उसे खुशी-खुशी स्वीकार कर उसके लिए आभारी होना जरूरी है। पिछले 25 वर्षों से आपके प्यार और साथ के लिए धन्यवाद।

वर्कफ्रंट की बात करें तो लारा जल्द ही फिल्म 'वेलकम' के तीसरे पार्ट 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, दिशा पटानी, रवीना टंडन, फरदीन खान समेत अन्य स्टार्स प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

मशहूर लेखिका वर्जीनिया वुल्फ की किताब में डूबी सृति झा, गहरी भावनाओं को साझा किया

टीवी एक्ट्रेस सृति झा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इन दिनों वह मशहूर लेखिका वर्जीनिया वुल्फ की प्रसिद्ध नारीवादी किताब ए रूम ऑफ वन्स ओन पढ़ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर इस किताब को पढ़ते हुए एक पोस्ट शेयर की, जिसमें देखा जा सकता है कि वह इस किताब में कितनी डूबी हुई हैं।बता दें कि ए रूम ऑफ वन्स ओन में वर्जीनिया वुल्फ ने औरतों के लिए रचनात्मक आजादी और आर्थिक स्वतंत्रता की जरूरत को रेखांकित किया है। यह किताब इस विचार पर आधारित है कि एक औरत को अगर लेखन या किसी भी रचनात्मक काम में सफल होना है, तो उसके पास अपने आर्थिक संसाधन होने चाहिए।एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। पहली तस्वीर में किताब का क्लोज-अप है, जिसमें किताब पर लिखा नाम ए रूम ऑफ वन्स ओन साफ नजर आ रहा है। दूसरी तस्वीर में चाय के कप के साथ पढ़ते हुए कुछ बेपरवाह लम्हे मौजूद हैं। इस तस्वीर में वह एक कप चाय के साथ आराम से बैठकर किताब पढ़ रही हैं। तीसरी तस्वीर किताब के एक पैराग्राफ की है, जिसमें गहराई और भावनात्मकता का अंश है।तस्वीर में आए किताब के अंश में लिखा है, हाय! अगर कोई औरत कलम चलाने की कोशिश करती है, तो उसे बहुत घमंडी माना जाता है। उसका यह दोष सुधारे जाने लायक नहीं था। लोग कहते हैं कि अच्छा व्यवहार, फैशन, डांस, सजना-संवरना यही सब गुण हैं जो एक महिला में होने चाहिए। अगर हम लिखें, पढ़ें, सोचें या कुछ जानना चाहें, तो कहा जाता है कि इससे हमारी सुंदरता फीकी पड़ जाएगी, हमारा समय बर्बाद होगा। घर संभालना, वो भी एक दास की तरह.. यही कुछ लोगों की नजर में महिला का असली हुनर और मकसद है।इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में उन्होंने किताब का अंश जोड़ा, जिसमें कहा गया कि इतिहास में जिन औरतों को पागल, चुड़ैल, या भूत-प्रेत से ग्रसित बताया गया, वो शायद असल में बेहद प्रतिभाशाली लेखिकाएं, कवयित्रियां, उपन्यासकार थीं, जिन्हें समाज ने समझा नहीं, स्वीकार नहीं किया और उनके हुनर को दबा दिया गया।सृति झा ने टीवी इंडस्ट्री में असली पहचान प्रज्ञा अरोरा मेहरा के किरदार से पाई, जिसे उन्होंने पॉपुलर टीवी शो कुमकुम भाग्य में निभाया था। इस किरदार से वह घर-घर में मशहूर हो गईं। उन्होंने अपना एक्टिंग करियर 2007 में शुरू किया था। वह पहली बार एक ड्रामा शो धूम मचाओ धूम में नजर आईं। इस शो में उन्होंने मालिनी शर्मा की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह ज्योति, रक्त संबंध, दिल से दी दुआ...सौभाग्यवती भव? जैसे सीरियल्स में नजर आईं।

बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन में अब खुलेंगे बड़े राज!, रसीली बनकर आ रही दीक्षा धामी

टीवी शो बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन में चैना का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस दीक्षा धामी अब बिल्कुल अलग भूमिका में नजर आने वाली हैं। दरअसल, वह रसीली नाम की लड़की का किरदार निभाएंगी, जो काफी बेबाक अंदाज की लड़की है।दीक्षा धामी ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, रसीली, चैना से बिल्कुल अलग है। वह मजबूत, निडर और बेबाक लड़की है। जहां चैना शांत और सौम्य है, वहीं रसीली अपने मन की बात खुलकर कहती है और हर हालात को संभाल लेती है। उसका लुक भी बहुत दिलचस्प है। मेरे लिए एक कलाकार के तौर पर यह नया बदलाव है।रसीली का किरदार निभाने के लिए एक्ट्रेस को यूपी का एक्सेंट सीखना पड़ा।एक्ट्रेस ने कहा, यूपी का एक्सेंट सीखने के लिए मैंने कई वीडियोज देखे, स्थानीय लोगों को ध्यान से सुना, और सही बोली सीखने के लिए खूब प्रैक्टिस भी की। रसीली का किरदार निभाना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि यह मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर था।

लेकिन इस मुश्किल काम को करते हुए मुझे हर पल बहुत मजा आया और मैंने इस चुनौती का पूरी तरह आनंद लिया।शो में रसीली एक खास मकसद से आई है, वह अपने प्यार जयवीर को वापस पाना चाहती है और साथ ही चमकीली और तापस्या की धोखाधड़ी का पर्दाफाश करना चाहती है।चैना जहां अपने दर्द को चुपचाप सहती रही, वहीं रसीली लडऩे के लिए तैयार रहती है। रसीली को जो सही लगता है, उसके लिए वह संघर्ष करने में हिचकिचाती नहीं है। शो में रसीली की मौजूदगी से छुपे हुए राज सामने आएंगे और रिश्तों में दरारें भी पैदा होंगी।बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन शो शेमारू उमंग पर सोमवार से शनिवार रात 9 बजे प्रसारित होता है।इससे पहले दीक्षा 2024 में दंगल टीवी पर प्रसारित हुए टीवी शो मिल के भी हम ना मिले में नजर आई थीं।

आज बुधादित्य योग का शुभ संयोग

सूर्यदेव की कृपा से मिथुन सहित अन्य राशियों को मिलेंगे कमाई के बेहतरीन मौके

आज यानी 1 जून रविवार है और चंद्रमा कर्क राशि से होते हुए सिंह राशि में संचार करेंगे। इसके साथ ही आज रविवार के दिन सूर्य ग्रह का प्रभाव रहेगा और सूर्य नारायण वृषभ राशि में बुध के साथ युति करते हुए अत्यंत शुभ बुधादित्य योग का निर्माण करेंगे। इस पर आज सूर्य देव का प्रिय रवि योग भी बनने जा रहा है और तो और आज आश्लेष नक्षत्र का संयोग ध्रुव योग का निर्माण करेगा। ऐसे आज ग्रहों की विशेष परिस्थिति आज के दिन के महत्व को और भी बढ़ा रही है। वैदिक पंचांग के अनुसार आज ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि है, जो अरण्य षष्ठी के नाम से भी जानी जाती है। आज दिन के देवता सूर्यदेव होंगे। ऐसे में आज आज रविवार का दिन बुधादित्य योग और सूर्य नारायण की कृपा से मिथुन सहित 5 राशि के जातकों के लिए सौभाग्यशाली रहने वाला है। आज इन राशियों को नौकरी और कारोबार में धन प्राप्ति के शानदार मौके प्राप्त होंगे और परिवार में मौज मस्ती का माहौल रहेगा। ऐसे में आइये जानते हैं आज 1 जून का दिन इन 5 राशि के जातकों के लिए किन किन मामलों में भाग्यशाली रहने वाला है।

मेष राशि – मेष राशि वालों के लिए आज रविवार का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको अपने कार्यों में रचनात्मकता का फायदा मिलेगा। आपकी क्रिएटिव सोच आपको कार्यों को अलग तरीके से निपटाने में मदद करेगी। इससे आपके कार्य उम्मीद से बेहतर परिणाम देकर जाएंगे। प्रतिद्वंद्वी भी आपकी योजनाओं को भांप नहीं पाएंगे। आज रियल एस्टेट, वाहन, टीचिंग, शोध, लेखन आदि से जुड़े काम करने वाले विशेष सफलता हासिल करेंगे। इसके साथ ही आज आपको पूर्व में किया गया निवेश भी बेहतरीन मुनाफा देगा। आज काम अच्छे से पूरे होने की वजह से आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा। इसके साथ ही आज शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े जातकों को अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। परिवार में आपको आज माता से लेकर बच्चों तक सभी का सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी भी आपकी बातों को समझेगा।

उपाय : आज सूर्यदेव को रोली मिलाकर अर्घ्य दें और 108 बार ऊं घृणिः सूर्याय नमः मंत्र का जप करें। इससे आपको भगवान सूर्य का आशीर्वाद मिलेगा। साथ ही आज नमक खरीदने से बचें।

मिथुन राशि – आज रविवार को मिथुन राशि के जातकों को लाभ कमाने के आर्ज मौके मिलेंगे। जिससे आपकी आर्थिक परेशानियां दूर होंगी। आज सामाजिक और राजनीति क्षेत्रों से जुड़े जातक अपनी प्रभावी क्षमता का परिचय दे सकते हैं। आज आपकी वाणी की मधुरता आपको किसी का चहेता बना देगी। कार्यक्षेत्र में आपको साहसिक फैसलों का फायदा मिलेगा। इसके साथ ही आपकी कम्युनिकेशन स्किआज आपको फायदा पहुंचाएगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति को आप अपनी वाक्पटुता से प्रभावित करने में सफल होंगे। और किसी पुराने क्लाइंट से आपको लाभ का सौदा हासिल हो सकता है। इसके साथ ही आज का दिन आपके संचित धन में बढ़ोतरी करने वाला होगा। निवेश करने की योजना बना रहे हैं तो दीर्घकालिक निवेश आपके लिए लाभदायक हो सकता है। परिवार में भी माहौल अच्छा रहेगा। छोटे भाई बहनों का

सहयोग मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। जीवनसाथी के सहयोग से नए संसाधन जोड़ सकते हैं।

उपाय : आज पीपल के पेड़ के नीच चौमुखी दीया जलाएं और सूर्य देव को याद करते हुए सात बार पेड़ की परिक्रमा करें। इससे आपके कार्यों में आ रहीं अड़चनें दूर होंगी।

सिंह राशि – सिंह राशि वालों के लिए आज रविवार का दिन उम्मीद से बेहतर लाभ दिलाने वाला रहेगा। आज आपके सोचे हुए काम समय से पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलने से आप तेजी से अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ेंगे। अगर आज आपके किसी काम की डेडलाइन है तो आज आप उसे दिन के अंत तक अच्छे से पूरा करने में सफल होंगे। नौकरीपेशा जातकों का अगर अपने बॉस से मनमुटाव चल रहा था तो आज आपके बीच की गलतफहमियां दूर होंगी। आज आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। आप अपने खर्चों को कंट्रोल करने में सफल होंगे। इसके साथ ही अगर कोर्ट कचहरी से जुड़े किसी मामले में आपकी भागदौड़ हो रही थी तो आज का दिन कुछ राहत लेकर आ सकता है। आज आपको विदेश से लाभ होगा। विदेश में शिक्षा के लिए प्रयास कर रहे जातकों को आज इच्छित परिणाम मिल सकते हैं। इसके साथ ही आज के दिन आपको परिवार का भी साथ मिलेगा।

उपाय : आज घर में नमक का पोछा लगाएं। और स्नान आदि के बाद लाल फूल, रोली और अक्षत मिलाकर सूर्य देव को अर्घ्य दें। इस दौरान एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पते, अनुकम्पय मां भक्तया गृहाणार्घ्यं दिवाकर मंत्र का जप करें। इससे आप पर सूर्यदेव की कृपा बनी रहेगी।

मकर राशि – मकर राशि वालों को आज का दिन सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से ट्रांसफर आदि की आस लगा रहे जातकों को आज मनचाहा स्थानांतरण मिल सकता है। इसके साथ ही आज के दिन आपको कारोबार में मनमुताबिक डील मिलने में सफलता मिल सकती है। आज के दिन कारोबार में आपको अपेक्षित सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही आज आपको उच्च अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलेगा जिससे आपका आत्मविश्वास अलग स्तर पर होगा। खासकर आज किसी प्रोजेक्ट में साथ में काम करने में आप तालमेल बैठाने में सफल रहेंगे। अगर अपना कोई नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो जीवनसाथी की सलाह आपके लिए सही साबित हो सकती है। वहीं नया निवेश भी आप जीवनसाथी के नाम पर कर सकते हैं। आपको अपने पार्टनर के लक का भी फायदा मिलेगा। परिवार में आज माहौल अच्छा रहेगा। दांपत्य जीवन में खुशहाली रहेगी।

उपाय : आज वट वृक्ष के पत्ते पर रोली से अपनी मनोकामना लिख दें। इसके बाद सूर्यदेव का ध्यान करते हुए सच्चे मन से इस पत्ते को साफ जल में प्रवाहित कर दें। आपकी इच्छा पूरी होगी।

कुंभ राशि – कुंभ राशि वालों के प्रयास आज रविवार को सफलता दिलाएंगे। आज आपके कारोबार में तेजी आएगी। अगर कारोबार के विस्तार के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आज आपको कहीं से आर्थिक मदद मिल सकती है। इसके साथ ही आज शत्रु आपकी योजनाओं को नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे। आप अपनी स्पीड से काम करेंगे जिसमें आपको अपने बिजनेस पार्टनर का भी सहयोग मिलेगा। आज का दिन पार्टनरशिप में काम करने वालों के लिए बेहतरीन परिणाम लेकर आने वाला है। इसके साथ ही आज आपके संपत्ति से विवाद भी बिना थाना पुलिस के चक्कर लगाए आपसी समझ से सुलझ सकते हैं। आज के दिन की अच्छी बात यह है कि आज आपको व्यापार से लेकर परिवार तक में साझेदारी का लाभ मिलेगा। जीवनसाथी आपको हर कदम पर सहयोग करेगा।

उपाय : आज रात को सोते समय अपने सिर की एक तरफ किसी साफ बर्तन में दूध रख लें। इसे अगले दिन बबूल के पेड़ की जड़ में अर्पित कर दें। इससे आपकी परेशानियां दूर होंगी।

दक्षिण दिशा में भूलकर भी मुंह करके नहीं खाना चाहिए

हम सभी लोग चाहें कुछ भी काम करते हों, वो काम खाने के लिए ही करते हैं। भोजन ही हमारे जिंदगी का आधार है और बुनियादी जरूरत भी है। मगर, वास्तु शास्त्र के अनुसार, खाना खाने के भी नियम होते हैं। यदि आप इसका पालन करते हैं, तो स्वस्थ और संपन्न रहते हैं।

यदि आप गलत दिशा में मुंह करके खाना खाते हैं, तो धीरे-धीरे बीमारियों, परेशानियों, दुखों और दरिद्रता के शिकंजे में फंसते चले जाते हैं। वास्तु शास्त्र इसके बारे में क्या कहता है। किस दिशा में भूलकर भी मुंह करके नहीं खाना चाहिए।

खाना खाने के लिए शुभ दिशाएं

खाना खाने के लिए उत्तर दिशा और पूर्व दिशा को सबसे उपयुक्त माना जाता है। दरअसल, वास्तु के अनुसार, उत्तर को धन की दिशा माना जाता है। इस तरफ मुंह करके खाने से घर में कभी धन की कमी नहीं होती है। विशेषरूप से घर के मुखिया को उत्तर दिशा की तरफ मुंह करके ही खाना चाहिए।

इसके अलावा पूर्व दिशा को सूर्य की दिशा माना जाता है। यदि आप इस दिशा में मुंह करके खाना खाते हैं, तो कभी बीमार नहीं पड़ेंगे। जो लोग बीमार हैं, यदि वे पूर्व की दिशा में मुंह करके खाना शुरू कर दें, तो उनकी बीमारी जल्द ठीक हो सकती है क्योंकि यह आरोग्य की दिशा है।

दक्षिण दिशा में कभी न करें मुंह

खाना खाने के लिए कभी भी दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके नहीं बैठना चाहिए। दरअसल, यह यम की दिशा होती है। माना जाता है कि इस दिशा में बैठकर खाना खाने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा इसे पितरों की दिशा भी माना जाता है।

लिहाजा, दक्षिण की दिशा में मुंह करके भोजन करने से पितृ नाराज हो जाते हैं। इससे व्यक्ति के जीवन में बने हुए काम भी बिगड़ने लगते हैं। धन की आवाक रुक जाती है और आर्थिक तंगी होने की वजह से घर में दरिद्रता का वास होने लगता है।

डायनिंग रूम में करें ये कलर

वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि आपके पास खाना खाने के लिए अलग कमरा यानी डायनिंग रूम है, तो उसे नारंगी, हरा, क्रीम या हल्के गुलाबी रंग से पेंट करा सकते हैं। इन रंगों को डायनिंग रूम के लिए अच्छा माना जाता है। यदि अगल से डायनिंग रूम नहीं है, तो डायनिंग एरिया की दीवार को इस तरह के रंगों से सजा सकते हैं।

शिववास योग में मनाई जाएगी दुर्गा अष्टमी इस विधि से करें देवी मां की पूजा

सनातन धर्म में कृष्ण और शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि का खास महत्व है। कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर मासिक कृष्ण जन्माष्टमी और कालाष्टमी मनाई जाती है। वहीं, शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को दुर्गा अष्टमी मनाई जाती है। इस दिन जगत की देवी मां दुर्गा की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। साथ ही मनचाहा वरदान पाने के लिए साधक अष्टमी का व्रत रखते हैं।

धार्मिक मत है कि देवी मां दुर्गा की पूजा करने से घर-परिवार में व्याप्त हर परेशानी दूर हो जाती है। साथ ही देवी मां दुर्गा की कृपा से जीवन में मंगल ही मंगल होता है। इसके लिए साधक श्रद्धा भाव से देवी मां दुर्गा की पूजा करते हैं।

मासिक दुर्गाष्टमी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 02 जून को रात 08 बजकर 34 मिनट पर ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत होगी। वहीं, 03 जून को रात 09 बजकर 56 मिनट पर ज्येष्ठ माह की अष्टमी तिथि समाप्त होगी। उदया तिथि गणना से 03 जून को ज्येष्ठ माह की दुर्गा अष्टमी मनाई जाएगी। साधक 03 जून को सुविधा अनुसार समय पर देवी मां दुर्गा की पूजा कर सकते हैं।

दुर्गा अष्टमी शुभ योग

ज्योतिषियों की मानें तो ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर शिववास योग का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही अभिजीत मुहूर्त का भी निर्माण हो रहा है। इन योग में मां दुर्गा की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही जीवन में सुखों का आगमन होगा।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05 बजकर 39 मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 06 बजकर 58 मिनट पर

चंद्रोदय– सुबह 10 बजकर 34 मिनट पर

चंद्रास्त– देर रात 12 बजकर 58 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 13 मिनट से 04 बजकर 56 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 31 मिनट से 03 बजकर 25 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 06 बजकर 56 मिनट से 07 बजकर 18 मिनट तक

निशिता मुहूर्त– रात 11 बजकर 56 मिनट से 12 बजकर 39 मिनट तक

पूजा विधि

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर ब्रह्म बेला में उठें। इस समय देवी मां दुर्गा का ध्यान कर दिन की शुरुआत करें। अब घर की साफ-सफाई करें। इसके बाद गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। इसके बाद आचमन कर लाल रंग के कपड़े पहनें। अब सूर्य देव को जल का अर्घ्य दें। इसके बाद पूजा गृह में एक चौकी पर लाल रंग की चुनरी बिछाकर देवी मां दुर्गा की प्रतिमा या छवि स्थापित करें। इसके बाद पंचोपचार कर भक्ति बद्ध से देवी मां दुर्गा की पूजा करें। इस समय दुर्गा चालीसा का पाठ और मंत्रों का जप करें। वहीं, पूजा का समापन आरती से करें।

घटोत्कच के प्राण कैसे बने अर्जुन के लिए वरदान, यहां जानें कथा

महाभारत ग्रंथ में कई महान योद्धाओं का वर्णन मिलता है। कौरवों और पांडवों के बीच लड़ा गया यह युद्ध 18 दिनों तक चला था। अंत में इस युद्ध में पांडवों की जीत हुई, जिसमें कई योद्धाओं का योगदान रहा। आज हम आपको एक ऐसे ही योद्धा घटोत्कच के बारे में बताने जा रहे हैं।

भगवान श्रीकृष्ण को थी ये चिंता

कर्ण के पास इंद्रदेव द्वारा दिया हुआ अमोघ अस्त्र वासावी था, जिसका प्रयोग वह अर्जुन पर करना चाहता था। तब भगवान कृष्ण इस बात को लेकर चिंतित थे कि कर्ण कहीं अपने अमोघ वाण से अर्जुन पर प्रहार न कर दे। ऐसा करने पर अर्जुन का बच पाना असंभव होता।

इस तरह हुई घटोत्कच की मृत्यु

इस दौरान भीम के पुत्र घटोत्कच युद्ध भूमि में आ गए, जिससे कौरवों की सेना में हाहाकार मच गया। तब यह देखकर दुर्योधन ने कर्ण को अपना अमोघ अस्त्र वासावी घटोत्कच पर इस्तेमाल करने को कहा। तब कर्ण को विवश होकर अपने दिव्य अस्त्र का इस्तेमाल करना पड़ा, जिससे घटोत्कच की मृत्यु हो गई। इस प्रकार घटोत्कच के प्राण अर्जुन के लिए एक वरदान साबित हुए।

कैसे पड़ा घटोत्कच नाम

लाक्षागृह से बच निकलने के बाद जब पांडव वन में चले गए थे, तब हिडिंबा नामक एक राक्षसी ने भीम को देखा और उन्हें पंसद करने लगी। तभी वहां हिडिंबा का भाई हिडिंबासुर आ गया और उसने भीमसेन पर हमला कर दिया। दोनों में युद्ध हुआ और भीम ने हिडिंबासुर का वध कर दिया। इसके बाद हिडिम्बा ने भीम के सामने विवाह का प्रस्ताव रखा, लेकिन भीम ने विवाह से इंकार कर दिया।

तब माता कुंती के कहने पर भीम विवाह के लिए तैयार हो गए। इस प्रकार राक्षसी हिडिंबा और भीमसेन के पुत्र घटोत्कच ने जन्म लिया, जिनका शरीर बहुत ही विशालकाय था। एक राक्षसी के पुत्र होने की कारण घटोत्कच के पास मायावी शक्तियां थी। वह बहुत ही बलशाली थे और उसके सिर पर कोई बाल नहीं था, जिस वजह से उनका नाम घटोत्कच पड़ा।

रविवार को नमक के उपाय, एक भी कर लीजिए तो सूर्य देव चमका देंगे किस्मत और खूब होगी तरक्की

हिंदू धर्म में रविवार का दिन सूर्य देव को समर्पित माना जाता है। इस दिन उनकी विशेष पूजा करने और उगते हुए सूर्य को जल देने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं, ज्योतिषशास्त्र में रविवार के कुछ उपाय भी बताए गए हैं जिन्हें करने से व्यक्ति को जीवन की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है और सूर्य देव की कृपा प्राप्त हो सकती है। इन्हीं में से एक है नमक से जुड़े उपाय, जिन्हें रविवार के दिन करना विशेष रूप से फलदायी साबित हो सकता है। इनसे आपकी सोई किस्मत जाग सकती है और जीवन में तरक्की के रास्ते खुलने लगते हैं।

रविवार को नमक के पानी से लगाएं पोछा

माना जाता है कि रविवार के दिन नमक के पानी से पोछा लगाना बहुत अच्छा होता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में थोड़ा सा समुद्री नमक मिलाकर इससे पूरे घर में पोछा लगाएं। ऐसा करने से आसपास की नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और घर में पॉजिटिविटी आने लगती है। इसके साथ ही, रविवार को एक कटोरी में समुद्री नमक भरकर इसे अपने बाथरूम में भी रखना चाहिए। इस नमक की कटोरी को हर रविवार के दिन बदलते रहें। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और घर का माहौल खुशनुमा बना रहता है। साथ ही, रविवार के इस उपाय से परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य पर भी अनुकूल प्रभाव देखने को मिलता है।

नमक का दान करने से सूर्य देव की बरसेगी कृपा

रविवार के दिन नमक का दान करना बहुत फलदायी माना जाता है। ऐसा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। इसके लिए रविवार को मंदिर में जाकर किसी पुजारीजी को गुड़, नमक व मसूर की दाल का दान करें। अगर इन सभी चीजों का दान करना संभव न हो, तो केवल नमक का दान भी कर सकते हैं। ऐसा करने से सूर्य देव प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा व्यक्ति पर बनी रहती है। साथ ही, इससे घर में सुख-समृद्धि आती है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि रविवार के दिन सूर्यास्त के बाद किसी भी व्यक्ति को नमक का दान नहीं करना चाहिए। साथ ही, शाम के समय किसी से नमक मांगने की भी मनाही होती है। ऐसा करने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। रविवार को यह उपाय करने से सूर्य देवता की कृपा से आपकी किस्मत चमक सकती है और जीवन में खूब तरक्की हासिल होती है।

रविवार के दिन नमक खरीदने की न करें गलती

शास्त्रों में बताया गया है कि भूलकर भी रविवार के दिन किसी भी व्यक्ति को नमक नहीं खरीदना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, सोमवार और शुक्रवार के दिन नमक खरीदने के लिए अच्छा होता है। इसके पीछे का कारण है कि नमक जल से तैयार किया जाता है और सोमवार का दिन जल के चलते चंद्रमा से संबंध रखता है। ऐसे में इस दिन नमक खरीदना विशेष रूप से फलदायी होता है। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन से नकारात्मकता दूर होती है।

रविवार को खाने में बिल्कुल भी न मिलाएं नमक

माना जाता है कि रविवार के दिन भोजन में नमक का प्रयोग करने से बचना चाहिए। इसकी बजाए आप मीठे भोजन और गुड़ का सेवन कर सकते हैं।

ऐसा करने से अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। अगर रविवार के दिन नमक को त्यागना संभव न हो, तो आप इसकी जगह सेंधा नमक का प्रयोग कर सकते हैं। लेकिन भोजन में समुद्री नमक को शामिल न करें। रविवार के दिन इन बातों का ध्यान रखने से व्यक्ति को जीवन के संकटों से निजात मिल सकती है। साथ ही, इससे व्यक्ति को सूर्य देव की कृपा प्राप्त हो सकती है और कार्यों में आ रही रुकावटें भी दूर होने लगती हैं।

क्या आप जानते हो

सॉफ्टवेयर बताएगा, कब लिखी गई बाइबिल

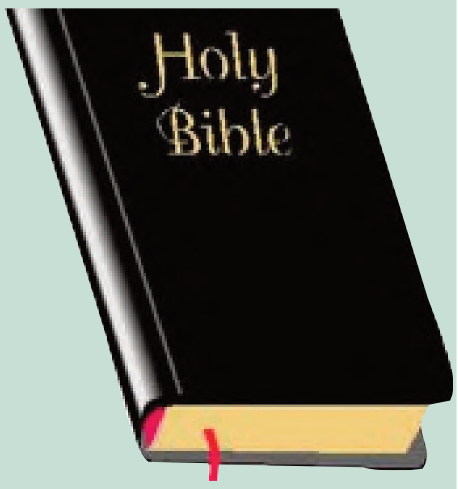

सदियों से बाइबिल के लेखक और उसके लिखे जाने के समय को लेकर लगाई जा रही अटकलों को अब विराम मिलेगा। वैज्ञानिकों ने ऐसा सॉफ्टवेयर बनाया है जो बाइबिल के लेखक की पहचान अल्गोरिथम की मदद से कर सकेगा।

इजरायल के वैज्ञानिकों के अनुसार यह सॉफ्टवेयर लिखने की शैली की पहचान कर सकता है। हालांकि यह किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं ले सकता कि किसने बाइबिल लिखी। लेकिन कौनसा पैराग्राफकब और कितने लोगों ने लिखा है, इसकी जानकारी दे सकता है। किस पैराग्राफ पर नए लेखक ने लिखना शुरू किया यह भी पता लगा सकता है। उदाहरण के लिए, माना जाता है कि तोराह (बाइबिल की पहली पांच किताबें) एक ही इंसान- मोसेस ने लिखी हैं। लेकिन कई विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें कई लेखक शामिल थे। तेल अवीव यूनिवर्सिटी के ब्लावात्निक स्कूल ऑफकंप्यूटर साइंस के प्रमुख शोधकर्ता प्रो. नैशम दैशरेवित्ज ने इस सॉफ्टवेयर का परीक्षण किया। उन्होंने इसमें जेरेमियाह और एजकील की हेब्रू भाषा की दो किताबें लेखकों की पहचान करने के लिए फीड कीं। सॉफ्टवेयर ने शब्दों के आधार पर 99 प्रतिशत सही और सटीक जवाब दिए।

ग्लोबल वार्मिंग को समझें!!!!

तापमान बढ़ने लगा है। ऐसे में लोग एसी और फ्रिज की मदद से अपने आपको चिल रखने की जुगत में लग गए हैं। लेकिन एसी और फ्रिज से हमारे वातावरण को काफी नुकसान हो रहा है। इन कूलिंग उपकरणों से क्लोरोफ्लोरा कॉर्बन गैसें उत्सर्जित होती हैं,जिससे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या हो रही है। जानें कैसे?

गर्मियां बढ़ने लगी हैं। गर्मी से बचने के लिए लोग एसी, फ्रिज कूलर आदि कूलिंग मशीनों का प्रयोग करते हैं। इससे उन्हें गर्मी से तो राहत मिल जाती है लेकिन इन कूलिंग मशीनों से निकलने वाली गैसों से वातावरण पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इन गैसों को क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसें कहते हैं। इन गैसों के दुष्प्रभाव से हमें ग्लोबल वार्मिंग का सामना करना पड़ रहा है।

ग्लोबल वार्मिंग का मतलब है कि पृथ्वी लगातार गर्म होती जा रही है। तो वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर इस पर रोक न लगाई गई, पृथ्वी पर जीवन संकट में पड़ सकता है। तापमान के बढ़ने से आने वाले दिनों में सूखा बढ़ेगा, बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी और मौसम प्रभावित होगा। ठंड के दिनों में ठंड नहीं पड़ेगी और गर्मी के दिन लम्बे हो जाएंगे।

क्या होगा असर

ग्लोबल वार्मिंग का असर दिखने भी लगा है। तापमान के बढ़ने से ग्लेशियर पिघल रहे हैं और रेगिस्तान बढ़ते जा रहे हैं। कहीं असामान्य बारिश हो रही है, तो कहीं असमय ओले पड़ रहे हैं। जाहिर सी बात है गर्मियां ज्यादा होंगी, तो मच्छर ज्यादा होंगे और बीमारियों के बढ़ने के आसार होंगे। ग्लेशियरों के लगातार पिघलने के कारण पीने के पानी के स्रोत में कमी होगी। वैज्ञानिकों की मानें तो इस परिवर्तन के पीछे ग्रीन हाउस गैसों की मुख्य भूमिका है, जिन्हें सीएफसी या क्लोरो फ्लोरो कार्बन गैसें भी कहते हैं। इनमें कार्बन डाई ऑक्साइड है, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड गैसें आती हैं।

कैसे काम करती हैं ग्रीन हाउस गैसें

उद्योगों के विस्तार से ग्रीन हाउस गैसें वातावरण में बढ़ती जा रही हैं, और इससे ओजोन परत में छेद का दायरा भी बढ़ रहा है। ओजोन की परत सूरज और पृथ्वी के बीच एक कवच की तरह है। ओजोन परत ऐसा कवच है, जिससे सूरज की अल्ट्रावायलेट किरणें हम तक नहीं पहुंच पातीं। जिस वजह से हम तमाम तरह के त्वचा रोगों से बचे रहते हैं।

क्या कारण है ग्लोबल वार्मिंग का

तापमान में आए दिन जो बढ़ोत्तरी सुनने को मिल रही है। इसके पीछे तेजी से उद्योगों का बढ़ना भी एक कारण है। हमने अपने आवास के लिए जिस तरह से जंगलों को तेजी से काटा है, वह भी नुकसान पहुंचा रहा है। पेट्रोलियम पदार्थों के धुंए से होने वाला प्रदूषण इन्हीं कारणों में शामिल है। हम एसी और फ्रिज से अपने को ठंडा तो रख लेते हैं। लेकिन क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसें सबसे ज्यादा इन्हीं उपकरणों से उत्सर्जित होती हैं। इसलिए इनका प्रयोग जरूरत के हिसाब से करना होगा, ताकि गैसों का उत्सर्जन कम से कम हो।

क्या होगा असर

वैज्ञानिकों के अनुसार इस समय दुनिया का औसत तापमान 15 डिग्री सेंटीग्रेड है और आने वाले दिनों में इसमें और भी वृद्धि हो सकती है। जब तापमान के बढ़ने से ग्लेशियर पिघलेंगे तो समुद्र का जल स्तर बढ़ेगा। और समुद्री इलाकों के आस-पास रहने वालों को परेशानी होगी। सूनामी जैसी आपदाओं के आने पर ज्यादा जानमाल का नुकसान होगा।

ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय

ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए फ्रिज, एसी का प्रयोग कम से कम करना होगा। क्योंकि मुख्य रूप से सीएफसी यानी क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसों का उत्सर्जन इन्हीं से होता है। औद्योगिक चिमनियों से निकले वाले धुंए में कार्बन-डाई-ऑक्साइड होती है, जो गर्मी बढ़ाती है। इनमें प्रदूषण रोकने के उपाय करने होंगे। सीएनजी चालित वाहनों के प्रयोग को बढ़ावा देना होगा। इंडस्ट्री से निकलने वाले कचरे को फिर से रिसाइकल करने की कोशिश करनी होगी। जंगलों की कटाई पर रोक लगानी होगी। ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने होंगे। तब जाकर थमेगी ग्लोबल वार्मिंग।

भूख क्यों महसूस होती है?

कुछ लोग सोचते हैं कि खाली पेट होने पर भूख महसूस होती है, पर यह सही नहीं है। भूख का खाली पेट से कोई लेना-देना नहीं है। जैसे यदि किसी व्यक्ति को बुखार हो, तो हो सकता है कि उसका पेट खाली हो, पर उसे भूख महसूस नहीं होती है।

प्रकृति ने संतुलन बनाए रखने के लिए शरीर के लिए नियमित आहार तय किया हुआ है। दरअसल, रोजमर्रा के काम करने के कारण खून में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है, जिससे भूख महसूस होती है। यही कारण है कि एक बीमार व्यक्ति, जो अधिकतर समय आराम करता है, कम एनर्जी का इस्तेमाल करता है, उसे कई दिन तक भूख महसूस नहीं होती है।

कभी-कभी जब हम समय पर खाना नहीं खाते हैं, तब मस्तिष्क में उपस्थित भूख-केंद्र सक्रिय हो जाता है, जिससे पेट व आंत एक साथ क्रियाशील हो जाती हैं और हमें भूख का अनुभव होने लगता है। यही कारण है कि जब आप भूखे होते हैं, तो आपके पेट से गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई देती है।

जब हमें भूख लगी होती है, तो हमें किसी खास तरह के खाने की इच्छा नहीं होती। भूखा व्यक्ति किसी भी तरह का खाना खा सकता है। जब कुछ खास खाने की इच्छा हो, उसे भूख लगना नहीं कहा जाता। भोजन के मुख्य तत्व हैं: प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, फैट्स, मिनरल्स, विटामिंस और पानी। शरीर के विकास और इसे स्वस्थ रखने में सभी तत्वों की अपनी विशेष भूमिका है।

शरीर के विकास और मांसपेशियों व टिश्यूज की मुरम्मत के लिए प्रोटीन, एनर्जी के लिए कार्बोहाइड्रेट्स व फैट्स, हड्डियों और टिश्यूज के निर्माण के लिए मिनरल्स, शरीर को बीमारियों से बचाने के लिए विटामिंस की जरूरत होती है। पानी सैल्स का मुख्य हिस्सा है। यह पोषक तत्वों और ऑक्सीजन को शरीर के विभिन्न हिस्सों तक ले जाता है।

धैर्य के बीज

महात्मा के गांव में आने से सबको बड़ा लाभ मिल रहा था। वह किसान भी यही चाहता था। लेकिन उसकी राह में एक बाधा थी...

स्वभाव से बड़ा ही क्रोधी एक गरीब किसान रामपुर नाम के गांव में रहता था। कभी-कभी तो वह क्रोध में इतना पागल हो जाता कि अपने पूरे घर में तोड़-फोड़ मचा देता। उसके इस बर्ताव के चलते गांव के सभी लोग उससे दूर ही रहते थे।

एक दिन उस गांव में एक जाने-माने महात्मा पधारे। सारा गांव उनके दर्शन के लिए उमड़ पड़ा। यह खबर आग की तरह फैल गई कि महात्मा के आशीर्वाद से बिगड़े काम बन जाते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। किसान को भी महात्मा के बारे में पता चला। उसके मन में भी धनी बनने की इच्छा जागी। क्यों न एक बार महात्मा के दर्शन कर लिए जाएं, यह सोचकर वह भी सुबह-सुबह महात्मा के दर्शन के लिए निकल पड़ा। महात्मा की छोटी-सी कुटिया में गांव के सारे लोग अपनी बारी का इंतज़ार कर रहे थे। बहुत देर बैठे रहने के बाद उसे उनके दर्शन का सौभाग्य मिला। उसे काफी देर बैठकर इंतजार करना पड़ा था, इसलिए अंदर जाते ही किसान ने महात्मा को बहुत अपशब्द कहे। लेकिन महात्मा ने कुछ न कहते हुए सिर्फ उससे उसकी इच्छा पूछी।

'मैं बहुत धनी होना चाहता हूं,' जवाब में किसान ने यह कहा। बात पूरी होने पर बाबा ने कहा- 'यह लो, तुम्हारी मनोकामना पूरी होगी।' यह एक ऐसा बीज है जिसे बोकर तुम धनी बन सकते हो, लेकिन याद रखना अधिक क्रोध करने से यह फल नहीं देगा।'

घर जाकर किसान ने वह बीज बो दिया। किन्तु उसका क्रोध करना जारी रहा। जब बीज से अंकुर न फूटा तो किसान क्रोध से भरा महात्मा जी के पास गया और अपशब्द बोलने लगा। महात्मा जी धैर्यपूर्वक उसकी बात सुनते रहे। कुछ देर उसकी बात सुनने के बाद वे बोले- 'यह लो कुछ और बीज। इन्हें बोकर देखो तो तुम्हारा काम बने। लेकिन याद रखना, अधिक क्रोध करने से यह बीज भी नहीं फलेगा।'

इस प्रकार तीन-चार बार किसान महात्मा के पास गया और शिकायतें करता रहा। लेकिन महात्मा भी अपनी बात पर अडिग रहे और हर बार बीज देते रहे। समय बीतने लगा और धीर-धीरे किसान धन के बीज से अंकुर पाने की लालसा में अपने क्रोध पर काबू रखने लगा। उसे अपनी गलतियों का अहसास भी होने लगा था।

एक दिन वह फिर महात्मा के पास गया और बड़े प्यार और श्रद्धा के साथ बोला- 'बाबा, मैं अंधा था जो आपकी बात नहीं समझा। लेकिन अब मैंने क्रोध का त्याग कर दिया है, किन्तु फिर भी मुझे लाभ नहीं हो रहा। जबकि अन्य लोग आपके आशीर्वाद से फल-फूल रहे हैं। मुझे अब धन की कामना नहीं है, आप सिर्फ मेरी शंका का समाधान कर दीजिए।'

यह सुनकर महात्मा बोले- 'वत्स, तुमने क्रोध पर विजय पाई, यह बहुत अच्छी बात है। इससे यही सीख मिलती है कि आदमी को हमेशा सहनशील होना चाहिए। जो आदमी सहन करने में असमर्थ होता है, वही सबसे ज्यादा लड़ाई-झगड़े करता है, जिसके चलते घर में अशान्ति आती है। अगर क्रोध और झगड़े न हों तो आधे काम बिन कुछ किए बन जाएंगे। अब रही दूसरों की बात कि वह मेरे आशीर्वाद से फल-फूल रहे हैं, तो यह भी गलत है। सभी को अपनी मेहनत का फल मिल रहा है। मैं तो केवल उन्हें श्रम की सलाह देता हूं। मैं भी तुम्हारी तरह एक सीधा-सादा इंसान हूं। मैंने तुम्हें आज तक जितने बीज दिए वह असल में पत्थर थे, इसलिए उनमें अंकुर नहीं फूटता था। लेकिन उन्हीं के चलते अब तुममें धैर्य आ गया है। इसलिए अब तुम ये आमों की गुठलियां ले जाओ और इन्हें बो दो। पर याद रखना क्रोध का त्याग और श्रम की पूजा ही तुम्हें फल देगी।' किसान महात्मा जी के उपदेशों को अपने हृदय में उतार घर आ गया। उसने गुठलियां बो दीं और धीरे-धीरे उसके पास आमों का बगीचा तैयार हो गया।

बिंदू मिलाएं

बच्चो, यह नंबर केवल पढ़ने के लिए ही नहीं हैं। अगर आप क्रमानुसार इन्हें मिलाएंगे, तो आपको यहां एक खूबसूरत चित्र मिलेगा। तो उठाइए कलम और हो जाइए शुरू...

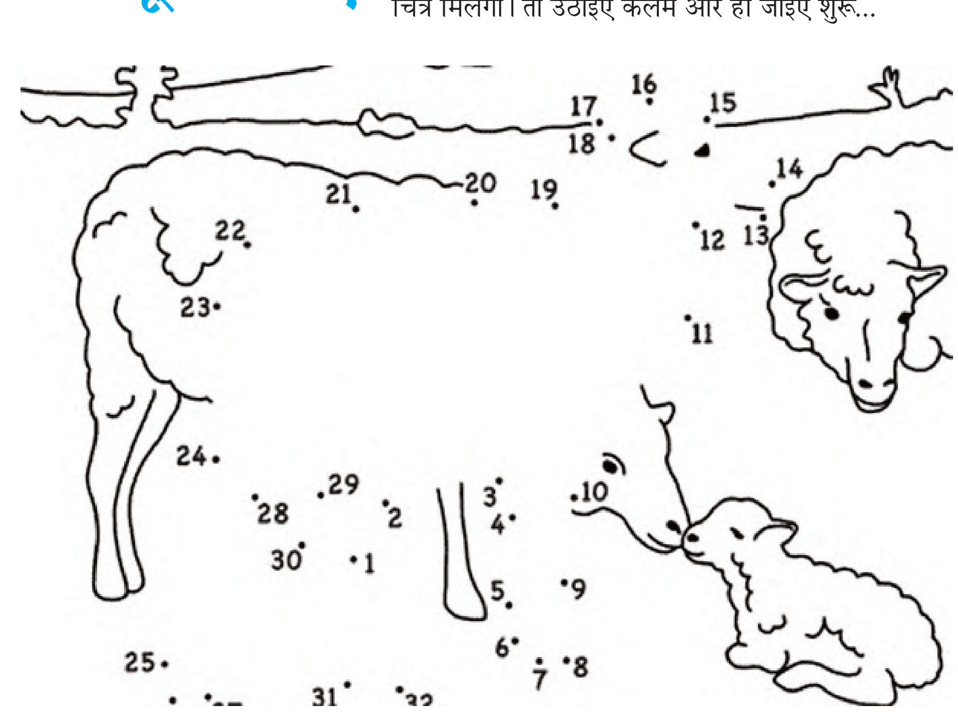

रंग भरो

कविता बिटिया

मेरी नन्ही बिटिया है, जिसकी गजभर चुटिया है।
पढ़ने हरदम जाती है, अच्छे नम्बर लाती है।

पर थोड़ी शैतान है, गाती अपना गान है।
ऊधम बहुत मचाती है, मां को बहुत सताती है।

हद कर देती बिटिया जब, खींची जाती चुटिया तब।
तब थोड़ा शर्माती है, फिर अच्छी बन जाती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी–कुछ करना चाहेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे, आज खाली वक्त्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख–दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते–फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक–सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर–सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 जून 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 08:02 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 09:37 तक
योग : ध्रुव प्रातः 09:11 तक
करण : कौलव प्रातः 08:03 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 09:37 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33 , सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अरण्य षष्ठी , संत टेऊं राम पुण्य ,गण्डमूल चालू है।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में नारी शक्ति को मिली सौगातें

जयपुर, 31 मई (एजेंसियां)। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को समाज सुधारक के रूप में याद किया जाता है, उन्होंने संस्कृति एवं विरासत को पुनर्स्थापित करने का कार्य किया। उन्होंने जीवन में महिला उत्थान को ही अपना लक्ष्य माना। नड्डा ने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण के साथ महिला–नेतृत्व विकास की ओर बढ़ रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। नड्डा शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होलकर के आदर्शों से प्रेरणा लेकर उनकी 300वीं जयंती पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने महिला शिक्षा एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों को महिला शक्ति को समर्पित किया है। उन्होंने राज्य सरकार की लाडो प्रोत्साहन योजना को लिंगानुपात सुधार एवं गर्भ की पाठशाला योजना को महिला स्वास्थ्य की दिशा में अच्छी पहल बताया। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश की तस्वीर बदली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने राजनीति की संस्कृति को बदलने का काम किया है। अब दोषारोपण के बजाए समाज के हर वर्ग का सशक्तीकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जबावदेहिता और उत्तरदायित्व को राजनीति की परिभाषा बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार दिन–रात जनसेवा में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हॉलिस्टिक एप्रोच के साथ नई स्वास्थ्य नीति लागू की गई है। इसमें निवारण से लेकर पुनर्वास को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि 30 वर्ष की उम्र से ही कैंसर, डायबिटीज जैसे गंभीर बीमारियों की स्क्रीनिंग की जा रही है। देश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ उपलब्ध करवाते हुए 1 लाख 77 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के अन्तर्गत 64 हजार करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। इसके तहत राजस्थान में 3 हजार करोड़ रूपये खर्च किए जाएंगे। देश में 23 एम्स संस्थान संचालित किए जा रहे है। राजस्थान में 23 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए है। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत देश के 63 करोड़ लोगों को 5 लाख रूपये तक का स्वास्थ्य बीमा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि 18वीं सदी में देवी अहिल्याबाई जी अपने साहस एवं बुद्धिमत्ता से नारी शक्ति की प्रतीक बनीं। उन्होंने महिला शिक्षा, धर्म, और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा दिया। काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, सोमनाथ मंदिर और देशभर में अनेक तीर्थस्थलों का जीर्णोद्धार उनके धार्मिक और सांस्कृतिक योगदान का प्रतीक है।

भाजपा राज में बेलगाम बजरी माफिया चरमराई कानून व्यवस्था : डोटासरा

टोंक।, 31 मई (एजेंसियां)। राज्य की राजनीति में विपक्ष ने एक बार फिर सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने टोंक में अपने दौरे के दौरान मीडिया और जनता को संबोधित करते हुए राज्य में कानून व्यवस्था की बदहाली और अवैध बजरी खनन को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया।

जयपुर से बूंदी की ओर जाते हुए डोटासरा और जूली का टोंक में जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। हरिप्रसाद बेरवा के नेतृत्व में पक्का बंधा पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की मौजूदगी ने माहौल को राजनीतिक रूप से जीवंत कर दिया। हालांकि, कार्यक्रम का मुख्य केंद्रबिंदु कांग्रेस नेताओं द्वारा भाजपा सरकार पर लगाए गए गंभीर आरोप रहे। राज्य में भाजपा के शासन में अवैध बजरी खनन खुलेआम चल रहा है। करोड़ों की बजरी माफिया के हाथों में है और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

उन्होंने दावा किया कि केवल डेढ़ वर्ष में ही कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार आम जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही और किसान वर्ग सरकार से पूरी तरह नाराज़ है। डोटासरा के अनुसार, राज्य में जनहित के मुद्दों की उपेक्षा हो रही है और प्रशासनिक प्रणाली बजरी माफियाओं के आगे लाचार नज़र आ रही है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बजरी खनन के मुद्दे को और अधिक विस्तार देते हुए कहा: सरकार की मिलीभगत से करोड़ों की अवैध बजरी निकाली जा रही है।

शांति और युद्ध दोनों समय में बीएसएफ की भूमिका रहती है : डीआईजी वाईएस राठौड़

जैसलमेर, 31 मई (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डीआईजी वाईएस राठौड़ ने शनिवार को कहा कि सीमा पर जवानों की हमेशा तैनाती बनी रहती है और बल की भूमिका शांति और युद्ध दोनों समय में रहती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि 6–7 मई की रात और उसके बाद की झड़पों के दौरान कोई संदेह नहीं था कि किसी भी समय किसी भी स्तर पर सेना को कार्रवाई करने की जरूरत पड़ सकती है।

बीएसएफ के डीआईजी वाईएस राठौड़ ने कहा कि हमारी तैयारी युद्ध के दृष्टिकोण से पूरी थी और सीमा पर जहां भी आवश्यकता थी, हमारी जनशक्ति बढ़ाई गई थी और सहायक हथियार तैनात किए गए थे। हमारे सपोर्टिंग एलिमेंट को लगाया गया था। आर्मी और एयरफोर्स की अपनी तैयारी थी। उन्होंने कहा कि हालांकि सीजफायर है, इसके बावजूद अगर पाकिस्तान कोई भी हरकत करता है तो मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हमारी फौज तैयार है। ऑपरेशन सिंदूर अभी भी चल रहा है। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा कि पाकिस्तान की तरफ टैंक की गतिविधियों की खबर थी। इस पर हमें कैसे इसका जवाब देना है, इसके लिए हम तैयार थे। उन्होंने कहा कि बीएसएफ की हर चौकी पर जवान मुस्तैद थे। हमारी तैयारी पूरी है, हम पाकिस्तान को कोई भी मौका नहीं देना चाहते हैं।

नारी हर जिम्मेदारी निभाने में निपुण, अहिल्याबाई होलकर ने दिया था नेतृत्व का प्रमाण : वसुंधराराजे

जयपुर, 31 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने नारी शक्ति के सामर्थ्य को रेखांकित करते हुए कहा है कि नारी हर जिम्मेदारी निभाने में निपुण होती है, चाहे वह घर–परिवार की 'राशन' संभालने की जिम्मेदारी हो या देश–प्रदेश के शासन की। उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का उदाहरण देते हुए कहा कि अहिल्याबाई ने ही यह सिद्ध कर दिया था कि नारी शक्ति में नेतृत्व के संपूर्ण गुण विद्यमान हैं। राजे ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के ऐतिहासिक कार्यकाल में मोदी सरकार द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को मंजूरी देना पूज्या अहिल्याबाई होलकर जैसी वीरांगनाओं को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने महिलाओं के दैनिक जीवन में किए जाने वाले अथक कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाएं उसी सड़क पर चलकर घर आती हैं, जिस पर चलकर पुरुष आते हैं, लेकिन वे पुरुषों की तरह यह नहीं कहतीं कि ओहो मैं थक गई। राजे ने आगे कहा कि महिलाएं घर और बाहर का पूरा काम करती हैं। वे खाना बनाती हैं, खिलाती हैं, बर्तन साफ करती हैं, लेकिन फिर भी पुरुषों की तरह जूते फेंक कर यह नहीं कहतीं कि 'मैं थक गई।' यह टिप्पणी महिलाओं के अदम्य साहस और समर्पण को उजागर करती है, जो बिना किसी शिकायत के अपनी जिम्मेदारियों को निभाती हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने अहिल्याबाई होलकर को धर्म की रक्षक ऐसी शासक बताया, जिन्होंने पूरे भारतवर्ष में, बद्रीनाथ से लेकर रामेश्वरम तक और द्वारिका से लेकर पुरी तक, आक्रमणकारियों द्वारा क्षतिग्रस्त किए गए मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया। इनमें काशी का प्रसिद्ध विश्वनाथ मंदिर भी शामिल है। राजे ने अहिल्याबाई के

विदेश में रह रहे भारतीयों को निशाना बनाने वाले दो ठगों को 2.5 साल की सजा

पंचकूला, 31 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में सीबीआई मामलों के विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट ने विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने वाले एक साइबर अपराध मामले में दो निजी व्यक्तियों – आदित्य भारद्वाज उर्फ भानु और दीपक जैन उर्फ डीसी उर्फ डीजे को 2.5 साल के कारावास की सजा सुनाई है। सीबीआई ने यह मामला 27.09.2016 को उक्त आरोपियों के खिलाफ इस आरोप पर दर्ज किया था कि वे सिंगापुर में रह रहे भारतीय नागरिकों को धोखा देने में शामिल थे। यह भी आरोप लगाया गया था कि पीड़ितों को प्रतिरूपण और कानूनी कार्रवाई की झूठी धमकियों के माध्यम से धोखा दिया गया था और मनगढ़ंत कानूनी मामलों और कथित पासपोर्ट अनियमितताओं के बहाने पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया गया था।

सीबीआई ने अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल किए गए डिजिटल साक्ष्य, वित्तीय लेनदेन और संचार के विस्तृत विश्लेषण के आधार पर मामले की जांच की। अदालत ने टिप्पणी की कि किए गए कार्य विश्वास का एक गंभीर उल्लंघन थे, खासकर जब कानूनी और पेशेवर जिम्मेदारियों वाले व्यक्तियों द्वारा इन्हें अंजाम दिया गया हो।

यह फैसला डिजिटल प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग और निर्दोष नागरिकों, विशेष रूप से विदेश में रहने वालों का शोषण करने के लिए पेशेवर विशेषज्ञता के खिलाफ एक मजबूत निवारक के रूप में कार्य करता है। जांच के बाद, सीबीआई ने 22.12.2020 को आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। अदालत ने, सुनवाई के बाद, आरोपियों को दोषी पाया और तदनुसार उन्हें सजा सुनाई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: कुरुक्षेत्र में होगा राज्य स्तरीय समारोह, एक करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

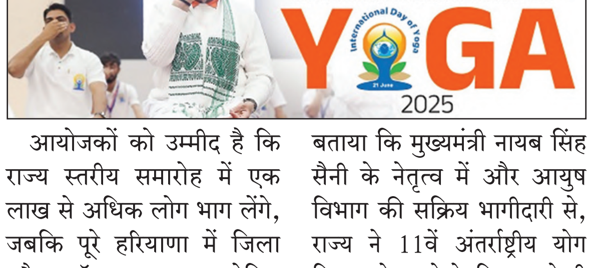

चंडीगढ़, 31 मई (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार 21 जून, 2025 को मनाए जाने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (खअ्ध) के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है। इस वर्ष की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच संबंध को उजागर करना है। राज्य स्तरीय समारोह कुरुक्षेत्र के पवित्र ब्रह्म सरोवर में आयोजित किया जाएगा। इस भव्य कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और योग गुरु बाबा रामदेव जी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन भी होगा, जिससे कार्यक्रम का महत्व और बढ़ जाएगा।

आयोजकों को उम्मीद है कि राज्य स्तरीय समारोह में एक लाख से अधिक लोग भाग लेंगे, जबकि पूरे हरियाणा में जिला और ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में 10 लाख से अधिक व्यक्ति अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। इसी दिन, मुख्यमंत्री द्वारा श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में एक मेडिटेशन सेंटर की आधारशिला भी रखी जाएगी, जो योग और ध्यान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में और आयुष विभाग की सक्रिय भागीदारी से, राज्य ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए पहले ही महत्वपूर्ण कदम उठा लिए हैं। आगामी समारोहों के लिए माहौल बनाने हेतु कई गतिविधियाँ पहले ही आयोजित की जा चुकी हैं। शिक्षा विभाग के डीपीई/ पीटीआई के लिए (26–28 मई 2025) और स्कूली बच्चों के लिए (28–30 मई 2025) तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुए हैं।

10 दिन की काउंटडाउन : फाइलों की होगी छंटनी, सीएम ऑफिस का चला चाबुक

चंडीगढ़, 31 मई (एजेंसियां)। क्या आपने कभी सोचा है कि सरकारी फाइल की ज़िंदगी कैसी होती है? कुछ दिन टेबल पर, कुछ हफ़्ते दराज में, फिर महीनों और सालों तक कैबिनेट में बंद! अभी सोचिए कि अगर इन दस्तावेजों में बोलने की क्षमता होती, तो वे चिल्लाते और कहते – हमें भी समझौता चाहिए! हाल ही में जब मुख्यमंत्री हरियाणा कार्यालय ने समीक्षा की तो एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई। कई सरकारी विभागों, बोर्डों और फर्मों में सालों से तैयार हजारों दस्तावेज अब चर्चा में हैं। कई इतने पुराने हैं कि रिकॉर्ड खोलने वाला अधिकारी शायद अब तक रिटायर हो चुका होगा। फाइलों का बखान नहीं, अब चाहिए समाधान!

सरकार ने अब तय किया है कि फाइल क्लीनिंग जरूरी है। सभी विभागाध्यक्षों, डिप्टी कमिश्नरों और डिवीजनल कमिश्नरों को मुख्य सचिव से स्पष्ट निर्देश मिले हैं: 10 दिन के भीतर लंबित फाइलों को हटाकर उन्हें सीएफएमएस पोर्टल पर अपडेट करें। अगर आपने कभी सीएफएमएस (सेंट्रलाइज्ड फाइल मूवमेंट एंड ट्रैकिंग सिस्टम) का नाम सुना है, तो जान लें कि यह वही गेटवे है जो हर सरकारी फाइल की डिजिटल मूवमेंट पर नज़र रखता है। फिर भी, समस्या यह है कि कुछ अधिकारी फ़ाइल को भौतिक रूप से नष्ट कर देते हैं, लेकिन पोर्टल पर उसे अपडेट रखने में विफल रहते हैं।

गेटवे चिल्लाता है, यह फ़ाइल अभी भी लंबित है! फ़ाइलें अभी भी मौजूद हैं, हालाँकि वे अब उपयोगी नहीं हैं। मुख्य सचिव के कार्यालय के अनुसार, कई दस्तावेज़ या तो अप्रचलित हो गए हैं या पहले ही तय हो चुके हैं। हालाँकि, जब तक उन्हें सिस्टम में अपडेट नहीं किया जाता, तब तक उन्हें लंबित के रूप में गिना जाएगा। और यह गिनती सरकार की निगरानी को रेखांकित करती है। इस नीति का उद्देश्य सिर्फ़ डेटा को साफ़ करना नहीं है, बल्कि सिस्टम में खुलेपन और ज़िम्मेदारी को बढ़ावा देना भी है। क्योंकि जब कोई नागरिक किसी फ़ाइल की प्रगति के लिए सालों तक इंतज़ार करता है और उसे जवाब मिलता है– फ़ाइल लंबित है, तो वह पूछता है– कितने समय तक? क्यों? और किसके साथ?

मुख्य सचिव ने यह भी स्पष्ट किया है कि 10 दिनों के बाद पोर्टल की स्थिति को अंतिम और वास्तविक माना जाएगा। यानी, अगर आपने फ़ाइल का निपटान नहीं किया है और इसे अपडेट नहीं किया है, तो अगली समीक्षा में पूछताछ की बाढ़ के लिए तैयार रहें।

सीएम सैनी ने विकसित भारत का संकल्प दिलाया

कुरुक्षेत्र, 31 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज कुरुक्षेत्र के पिपली स्थित अनाज मंडी में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए अहिल्याबाई के पदचिह्नों पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने समाज सेवा, बेटियों को शिक्षा और समान अधिकार देने का संकल्प लेने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री सैनी ने घोषणा की कि प्रदेश सरकार द्वारा मातेश्वरी अहिल्याबाई होलकर के नाम पर दो एकड़ भूमि पर एक म्यूज़ियम का निर्माण कराया जाएगा, ताकि युवा पीढ़ी उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा ले सके। उन्होंने पाल गडरिया समाज की सहमति से किसी एक गांव या शहर में अहिल्याबाई होलकर के नाम से प्रवेश द्वार बनाने और पाल गडरिया समाज धर्मशाला कुरुक्षेत्र को अपने स्वैच्छिक कोष से 31 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। इसके अतिरिक्त, कैबिनेट मंत्रियों और सांसदों ने भी 11–11 लाख रुपये देने की घोषणा की।

जिस दरगाह मेला पर रोक

वहीं भाजपा नेता ने चढ़ाई चादर

बहराइच, 31 मई (एजेंसियां)। सीएम योगी ने जिस सालार मसूद गाजी को सीएम योगी ने आक्रांता बताया था उसी की मजार पर जाकर शुक्रवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने चादर चढ़ाई। जिस सालार मसूद गाजी को सीएम योगी ने आक्रांता बताया था उसी की मजार पर जाकर शुक्रवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने चादर चढ़ाई। हालांकि इस मौके पर उन्होंने खुद को श्रीराम का वंशज भी बताया।

जमाल सिद्दीकी शुक्रवार को शहर स्थित सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह पहुंचे और चादर चढाई। मदरसों पर हो रही कार्रवाई पर जमाल सिद्दीकी ने कहा कि एक्शन सिर्फ उन अवैध मदरसों के खिलाफ हो रहा है जो चंदा लेकर बच्चों का भविष्य खराब कर रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि पहले सनातन था, इस्लाम बाद में आया, इसलिए हम सभी श्रीराम के वंशज हुए। जम्मू-कश्मीर के नेता रणवीर सिंह पठानिया द्वारा दिए गए ऑपरेशन सिंदूर के एक विवादित बयान के खिलाफ जमाल सिद्दीकी ने कहा कि उन्होंने भांग पीकर बयान दिया होगा जिसकी मैं निंदा करता हूं।

कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मुर्तिहा रेंज के जंगल में बिछिया-मिहीपुरवा मुख्य मार्ग से 500 मीटर दूर जंगल में लक्कड़ शाह बाबा की दरगाह पर जेठ के महीने में मेला लगने की परंपरा 16 वीं शताब्दी से चली आ रही है। इस बार सालाना उर्स पर वन विभाग द्वारा इस मेले पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। बाबा लक्कड़शाह की दरगाह पहुंचने वाले दोनों मार्गों के नाकों पर बिछिया, निशानगाड़ा और मोतीपुर वन बैरियर पर ही जायरीनों को रोक दिया जा रहा है। मेले पर रोक के कारण लखीमपुर खीरी के गजियापुर गांव निवासी संजय पासवान अपने बेटे गोलू का मुंडन करवाने दरगाह पूरे परिवार के साथ जा रहे थे। इन्हें निशानगाड़ा वन बैरियर पर ही रोक दिया गया जिससे लोगों में मायूसी देखने को मिल रही है। वहीं लक्कड़शाह मजार की मुख्य रास्ते पर ही वन विभाग, पुलिस व पीएसी की टीम तैनात है जो हिन्दू मुस्लिम समुदाय के जायरीनों को रोक रहे हैं। जियारत के लिए पहुंचे श्रावस्ती जनपद के भिन्गा निवासी बशीर अहमद, बहराइच निवासी मो. रिज़वान बहराइच, कुशीनगर निवासी नूर मोहम्मद, नेपाल निवासी मुन्नी शाबरी, राम शंकरपुर लखीमपुर खीरी निवासी रामलखन दरगाह के मुख्य मार्ग पर बैठे मिले जिन्होंने बताया कि उन्हें जियारत के व मान मनौती के लिए जाने दिया गया।

बाबा लक्कड़शाह का वास्तविक नाम सैयद शाह हुसैन है। इन्हें लक्कड़ फकीर के नाम से भी जाना जाता है। सिखीवीकी नामक ग्रंथ में कहा गया है कि यहां बाबा की कब्र है। कब्र के सिर की तरफ संत के मृत्यु की तारीख 1010 हिजरी अर्थात 1610 ईस्वी लिखी है। इससे पता चलता है कि यह संत सिख के दसवें गुरु गोविंद सिंह के समय में जीवित रहे। इस मजार के पास ही गुरुद्वारा है। इसे गुरुमल टेकरी कहा जाता है। यहां के पुजारी की एक किवदंति है कि एक मुस्लिम संत फूस की झोपड़ी में गहन ध्यान में थे। वह कभी कभी प्रार्थना करते थे। हे वली पीर नानका मैने सुना है कि आप भगवान के सच्चे प्रतिनिधि हैं और भटके हुए लोगों को मुक्ति दिलाते हैं।

मैं चल नहीं सकता हूं मुझे आंखों से भी धुंधला दिखता है। इस गुरु नानक ने संत से अपनी बंद आंख खोलने को कहा तो उन्हें साफ दिखाई देने लगा। बाद में गुरु नानक ने कहा कि तुम तप करते हुए लकड़ी के जैसे हो गए हो आने वाले समय में तुम्हें लक्कड़शाह के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने और भी सारी बातें बताई। उसके बाद सन् 1610 में इनकी मौत हो जाने के बाद से यहां मेला लगता है।

अब राम मंदिर दर्शन से जुड़ेगा धार्मिक पर्यटन का पैकेज

अयोध्या, 31 मई (एजेंसियां)। अयोध्या में धार्मिक पर्यटन का पैकेज अब राम मंदिर दर्शन से जुड़ेगा। यहां गुप्तारघाट, दशरथ समाधि, भरतकुंड और मखौड़ा धाम में तकनीक से जुड़े आध्यात्मिक और पौराणिक इवेंट शुरू करने की तैयारी है। यूपी के अयोध्या स्थित राम मंदिर दर्शन से अब धार्मिक पर्यटन का पैकेज जोड़ने पर विचार किया जा रहा है। इसके तहत गुप्तारघाट, दशरथ समाधि, भरतकुंड और मखौड़ा धाम में तकनीक से जुड़े आध्यात्मिक और पौराणिक इवेंट शुरू करने की तैयारी है। इसका मकसद रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आने वाले देश-दुनिया के श्रद्धालुओं का यहां पर ठहराव सुनिश्चित करना है।

महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने धार्मिक पर्यटन के इस पैकेज का प्रस्ताव तैयार कर होमवर्क शुरू कर दिया है। पिछले दिनों 23 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हनुमानगढ़ी के हनुमत कथा मंडपम के लोकार्पण के लिए आगमन के दौरान राम मंदिर परिसर में हुई बैठक में महापौर ने सीएम योगी से इस

प्रस्ताव पर चर्चा भी की। सीएम ने इसे स्वीकृति प्रदान करते हुए इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए हरी झंडी दे दी है।

इतना ही नहीं इस पैकेज और अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं का यहां पर ठहराव सुनिश्चित करने की इस पहल के प्रति सीएम योगी ने भी विशेष दिलचस्पी दिखाई है। सूत्रों के अनुसार इसके लिए खुद मुख्यमंत्री योगी पर्यटन और संस्कृति समेत अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अफसरों के साथ एक दिन अयोध्या में प्रवास करेंगे। इस दौरान रात में अफसरों की टीम के साथ इन स्थानों का भ्रमण कर तकनीक से जुड़े आध्यात्मिक और पौराणिक इवेंट शुरू करने की संभावनाओं का खाका विशेषज्ञों की ओर से खींचा जाएगा।

इस समय राम की पैड़ी और सूर्यकुंड में लाइट एंड साउंड शो संचालित किए जा रहे हैं। रामलला के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में यहां पहुंचते हैं। इसी तर्ज पर गुप्तार घाट, दशरथ समाधि, भरतकुंड और मखौड़ा धाम में भी इवेंट शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रयास रहेगा कि राम मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या में रुकें और प्रभु श्रीराम से जुड़े इन रामायणकालीन पौराणिक स्थानों पर भी जाएं।

ताजमहल की सुरक्षा के लिए तैनात हुआ एंटी-ड्रोन सिस्टम

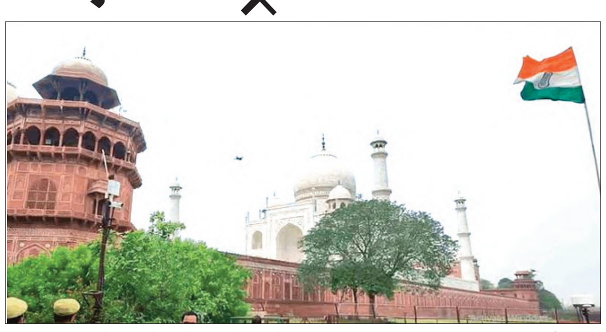

आगरा, 31 मई (एजेंसियां)। ताजमहल की सुरक्षा के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किया गया है। इससे 500 मीटर दायरे में निगरानी होगी। रेडियो फ्रीक्वेंसी और जीपीएस जैमिंग से ड्रोन निष्क्रिय कर त्वरित प्रतिक्रिया टीम संचालक का पता लगाएगी। ताजमहल की सुरक्षा जमीन के साथ अब आसमान में भी सख्त कर दी गई है। शुक्रवार को एंटी ड्रोन सिस्टम के साथ मॉकड्रिल की गई। दशहरा घाट से एक ड्रोन उड़ाकर देखा गया। ताज की तरफ बढ़ते ड्रोन को रडार सिस्टम से पहचान करके गिरा दिया गया। इसमें एक मिनट से भी कम समय लगा। ताज में एंटी ड्रोन सिस्टम को इंस्टाल करने के साथ ही पुलिस और सीआईएसएफ के छह-छह कर्मियों को इसका प्रशिक्षण भी दिया गया है। स्पीड बोट पहले से ही आ गई है, जिससे ताज के पार्श्व में निगरानी रखी जा रही है।

ताजमहल के आसपास 500 मीटर का क्षेत्र नो ड्रोन जोन में आता है। लेकिन ताजमहल के आसपास यलो जोन में कई बार ड्रोन उड़ चुके हैं। उल्लंघन पर पुलिस कार्रवाई करती है। देसी और विदेशी पर्यटक जानकारी के अभाव में ड्रोन उड़ा देते हैं। पिछले दिनों एडीजी ताज सुरक्षा रघुवीर लाल ने ताज की सुरक्षा परखी थी। पुलिस, प्रशासन, सीआईएसएफ और एएसआई के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। एंटी ड्रोन सिस्टम लगाने की मांग काफी समय से की जा रही थी। इसको देखते हुए एडीजी ने एंटी ड्रोन सिस्टम और बोट उपलब्ध कराई गई।

एसीपी ताज सुरक्षा सैय्यद अरीब अहमद ने बताया कि दशहरा घाट पर एंटी ड्रोन सिस्टम के साथ मॉकड्रिल की गई। पुलिस ने एक ड्रोन को 150 मीटर तक आसमान में उड़ाया। ड्रोन को रडार की मदद से पहचान करके गिरा दिया गया। ड्रिल के बाद एंटी ड्रोन सिस्टम को ताजमहल परिसर में इंस्टाल कर दिया गया। इस पर एक बार में पुलिस और सीआईएसएफ का 1-1 कर्मी ड्यूटी देंगे। यह सिस्टम अयोध्या में राम मंदिर, काशी में विश्वनाथ धाम, प्रयागराज में महाकुंभ, मथुरा में जन्मभूमि और शाही ईदगाह पर लगाए जा चुके हैं।

यूपी में पौधरोपण का जमीनी सच उजागर

बारह हेक्टेयर भूमि पर लगे पौधे नदारद हो गए

अलीगढ़, 31 मई (एजेंसियां)। यूपी में पौधरोपण की सारी सच्चाई एक साल में ही सामने आ गई। जहां पर एक दिन में 6000 पौधे लगाए थे, आज वहां केवल गड्ढे ही नजर आ रहे हैं, सारे पौधे सूख गए हैं। अलीगढ़ के मथुरा रोड पर स्थित आसना-अजीतपुर में 12 हेक्टेयर भूमि पर 9 जुलाई 2024 को एक ही दिन में 6000 पौधे रोपने का दावा नगर निगम प्रशासन ने किया था। इस दिन महापौर और शहर विधायक के साथ कई अफसर पहुंचे थे। कहा गया था कि यह क्षेत्र हरियाली का एक बड़ा सेंटर बनेगा। लेकिन आज यहां एकदम उजाड़ है। गड्ढे खुदे हैं लेकिन पौधे गायब हैं। कई जगह पौधे सूखी डंडी में तब्दील हो गए हैं। यहां छह हजार तो छोड़िए 200 पौधे भी मुश्किल से ही दिखेंगे।

अलीगढ़ को हरा भरा बनाने के दावे किए जा रहे हैं। 14 जुलाई से जिले भर में अभियान शुरू होगा। इस साल जिले में 40 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य है। सभी विभागों को लक्ष्य का आवंटन कर दिया गया है। नगर निगम फिर से 16000 पौधे रोपने की तैयारी कर रहा है। आसना-अजीतपुर में फिर पौधे लगाए जाएंगे। लेकिन स्थिति पिछले वर्ष जैसे ही न हो यह सवाल फिर से उठने लगा है।

उद्यान प्रभारी (नगर निगम) डॉ. राजेश वर्मा ने कहा, आसना अजीतपुर में नगर निगम द्वारा 6000 पौधे रोपे गए थे। उन पौधों की नियमित देखभाल की भी व्यवस्था की गई थी। कुछ पौधे सूख गए हैं। जो बचे हैं उनकी देखभाल की जा रही है। गर्मी में पानी की भी व्यवस्था की जा रही है। क्षेत्रीय वन अधिकारी गौरव कुमार सिंह कहते हैं, जिले में हरियाली लाने के लिए इस बार भी विभागों को लक्ष्य तय किया गया है। पिछले साल लगाए गए पौधों की भी देखरेख की जा रही है। बकायदा उनकी जियो टेगिंग भी की जा रही है। पौधों का जीवन बचाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को जिम्मा दिया गया है। यदि पौधे मुरझा जाते हैं तो उनके स्थान पर दूसरे पौधे लगाए जाएंगे।

भाजपा नेता की कंपनी अमर ज्योति 100 करोड़ ठगकर भागी

निवेशकों ने किया हंगामा, फूट-फूटकर रोईं महिलाएं

बरेली, 31 मई (एजेंसियां)। बरेली में भाजपा नेता की फाइनेंस कंपनी पर 100 रुपए ठगने का आरोप लगा है। करीब एक साल से 15 हजार निवेशकों का सौ करोड़ रुपए का भुगतान कंपनी पर बकाया है। शुक्रवार को खबर फैल गई कि कंपनी बंद हो गई तो निवेशकों ने हंगामा कर दिया। बरेली में कई महिलाएं फूट-फूटकर रो पड़ीं। कहा कि किसी ने घर बेचकर रकम जमा की तो किसी ने जेवर, लेकिन कंपनी अब पैसा वापस नहीं दे रही है।

मोटे मुनाफे का झांसा देकर बदायूं में 15 हजार लोगों से करीब सौ करोड़ रुपए निवेश कराने के बाद अमर ज्योति यूनिवर्स निधि लिमिटेड नाम की फाइनेंस कंपनी ने दफ्तर समेट लिया। बदायूं स्थित कंपनी के दफ्तर और निदेशक के बरेली स्थित आवास पर शुक्रवार को निवेशकों और अभिकर्ताओं ने हंगामा किया। कंपनी का निदेशक सूर्यकांत मौर्य बरेली में भाजपा का महानगर मंत्री है। बताया गया है कि बरेली का कारोबार वही देखता है।

बदायूं के सदर कोतवाली क्षेत्र में मीरा सराय शेखूपुर रोड पर अमर ज्योति कंपनी का कार्यालय है। कंपनी करीब 30 साल से अभिकर्ताओं के जरिये आरडी और एफडी पर बैंकों के मुकाबले अधिक लाभ का झांसा देकर लोगों से निवेश करा रही है। करीब एक साल से 15 हजार निवेशकों का सौ करोड़ रुपए का भुगतान कंपनी पर बकाया है। पहले जिम्मेदार टालमटोल करते रहे, अब अचानक वे लापता हो गए। रातोंरात कंपनी के मालिक ने ऑफिस खाली कर दिया।

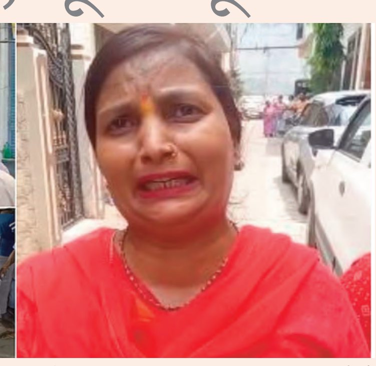

शुक्रवार को दफ्तर का एसी उतारा जा रहा था। इस दौरान मौके पर पहुंचे निवेशकों ने भुगतान की मांग को लेकर नारेबाजी और हंगामा किया। बाद में निवेशक बरेली आए। यहां सिंधुनगर कॉलोनी के सामने स्थित अमर ज्योति कंपनी के निदेशक शशिकांत मौर्य और उसके भाई सूर्यकांत मौर्य के घर का घेराव कर नारेबाजी की। यहां समझाने पहुंची पुलिस से उनकी नोकझोंक भी हुई। पुलिसकर्मियों ने निवेशकों को बदायूं जाकर रिपोर्ट लिखवाने की सलाह दी।

बरेली के एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि बदायूं में फाइनेंस कंपनी बंद करके निवेशकों के साथ धोखाधड़ी के मामले में बरेली में कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया, पर उनकी तरफ से कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली बदायूं के इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने कहा कि कंपनी के तीन अभिकर्ताओं को पूछताछ के लिए कोतवाली लाया गया है। निदेशक के बारे में जानकारी की जा रही है। निवेशकों की समस्या का समाधान न हुआ तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अमर ज्योति यूनिवर्स लिमिटेड का निदेशक बताया जा रहा शशिकांत मौर्य व उसका भाई भाजपा नेता सूर्यकांत मौर्य घेराव के दौरान घर से बाहर नहीं निकले। दरवाजे पर सुरक्षा के लिहाज से तैनात पुलिसकर्मियों ने बताया कि दोनों घर में हैं ही नहीं, केवल परिवार की महिलाएं हैं। इधर, बाहर हंगामा कर रहे लोग लगातार यही कहते रहे कि धोखेबाज घर के अंदर ही छिपे हैं। वह लोग उन्हें पकड़कर अपना हिसाब करेंगे। दिनभर घटनाक्रम चलता रहा। शाम को बारादरी पुलिस निदेशक भाइयों और उनके परिवार को घर से सुरक्षित निकालकर ले गई।

शाम को सोशल मीडिया पर मेसेज डालकर शशिकांत ने सफाई दी। लिखा कि उसकी मंशा गलत नहीं है, लेकिन जब मामला कोर्ट में पहुंच गया है तो अब वह कोर्ट के आदेश पर ही कुछ करेगा। कटरा चांद खां मोहल्ले में स्थित निदेशक शशिकांत के घर का घेराव कर निवेशक शाम तक नारेबाजी करते रहे। पुलिसकर्मियों ने उनको फिजूल में हंगामा करने के बजाय बदायूं जाकर रिपोर्ट लिखवाने की सलाह दी।

दोपहर 12 बजे बदायूं निवासी करीब सौ लोग शशिकांत के घर पहुंचे। इनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी जीवनभर की कमाई इस कंपनी में लगा दी। अब कंपनी के लोग काफी समय से भुगतान अटका रहे हैं। शशि ने बताया कि उनके दामाद के चार लाख से ज्यादा रुपए फंसे हैं। अमित व मंजू आदि ने बताया कि वे कंपनी में बतौर कर्मचारी व अभिकर्ता जुड़े रहे। उनके भरोसे पर लोगों ने निवेश किया था और लोग अब उनसे ही हिसाब मांग रहे हैं। हंगामे के दौरान सूर्यकांत व शशिकांत ने पेंटर को भेजकर अपने घर के बाहर भाजपा के रंग में लिखे अपने नाम और पद को पुतवा दिया। हालांकि, कई निवेशकों और अभिकर्ताओं ने ऐसा कराते हुए पेंटर का फोटो खींच लिया। बदायूं से आए पीड़ित अमित पाठक ने बताया कि शशिकांत ने व्हाट्सएप प्रोफाइल पर प्रधानमंत्री के साथ तस्वीर लगा रखी है। सूर्यकांत मौर्य तो महानगर संगठन में मंत्री है।

सूर्यकांत बरेली में इसी कंपनी का दफ्तर खोलकर लोगों को ठग रहा था। इन लोगों ने काफी समय से अपनी संपत्ति बेचनी शुरू कर दी थी। उन लोगों को 21 मई का समय दिया था, पर अभी तक किसी का हिसाब नहीं किया। आरोपियों के प्रभावशाली होने की वजह से उन लोगों को पुलिस-प्रशासन से न्याय की उम्मीद कम है। हालांकि, वह लोग अधिकारियों से मिलकर इन पर रिपोर्ट लिखवाएंगे। बारादरी के इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने कहा कि धोखाधड़ी मुख्य रूप से बदायूं में हुई है तो नियमानुसार रिपोर्ट भी वहीं दर्ज होगी। बदायूं पुलिस का पूरा सहयोग कर दोषियों की गिरफ्तारी कराएंगे।

नफरती भाषण में अब्बास अंसारी को 2 साल की सजा

कोर्ट ने लगाया 3 हजार का जुर्माना, विधायकी पर संकट

मऊ, 31 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के कोर्ट में हेट स्पीच मामले में शनिवार को अब्बास अंसारी को दो साल की सजा हो गई। मऊ कोर्ट में अब्बास अंसारी मौजूद हुए। सजा से पहले कोर्ट के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही।

बीते विधानसभा चुनाव के दौरान नफरती भाषण और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन के मामले मे फैसला शनिवार को हुआ। सीजेएम डॉ. केपी सिंह ने मामले में पक्षकारों की बहस सुनने के बाद फैसला के लिए 31 मई की तिथि नियत की थी। सुनवाई के बाद अदालत ने आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में अब्बास अंसारी को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही तीन हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। मामले में अभियोजन के अनुसार एसआई गंगाराम बिंद की तहरीर पर शहर कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई थी।

इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी और अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया था।

आरोप है कि बीते तीन मार्च 2022 को विधानसभा चुनाव के दौरान सदर विधानसभा सीट से सुभासपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने नफरती भाषण दिया था। नगर के पहाड़पुर मैदान में जनसभा के दौरान कहा था कि मऊ प्रशासन को चुनाव के बाद हिसाब-किताब करने और इसके बाद सबक सिखाने की धमकी भी मंच से दी गई थी। इस मामले में अब्बास के साथी मंसूर अंसारी को भी सजा सुनाई गई है। धारा 120बी भादवि के तहत उसे छह माह की सजा और एक हजार रुपए अर्थदंड लगाया गया है।

बंगाल प्रो टी20 लीग: सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने सीजन 2 के लिए किया पुरुष टीम का ऐलान

कोलकाता ,31 मई (एजेंसियां) ।

सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने जून में होने वाले बंगाल प्रो टी20 लीग सीजन 2 के लिए हाल ही में आयोजित खिलाड़ियों के ड्राफ्ट के बाद एक मजबूत पुरुष टीम की घोषणा की है। टीम प्रबंधन ने 7 टेस्ट मैच खेलने वाले व आखिरी सीजन में भी टीम के मार्की खिलाड़ी रहे आकाश दीप को बरकरार रखा है।

हाल ही में सर्वोटेक स्पोर्ट्स से मेंटर के रूप में जुड़े अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमने अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं के संयोजन से एक संतुलित टीम तैयार की है। इस अनुभव और युवा जोश का मिश्रण हमें हर परिस्थिति में ढलने और पूरे आत्मविश्वास से मुकाबला करने की क्षमता प्रदान करता है।

टीम संयोजन पर विश्वास जताते हुए सर्वोटेक स्पोर्ट्स के निदेशक ऋषभ भाटिया ने कहा, हमने ऐसी टीम चुनी है जो चुनौतियों का सामना करते हुए दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। मुझे विश्वास है कि यह टीम एक शानदार प्रतिस्पर्धी बनकर उभरेगी और हमें गर्व महसूस कराएगी।

पूरे उत्तर बंगाल की खेल भावना को समेटे सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, अलीपुरद्वार और कालिम्पोंग जिलों का प्रतिनिधित्व करती है। सीजन 1 में मजबूत नींव रखने के बाद, फ्रेंचाइजी का मकसद इस वर्ष अपने प्रदर्शन को और ऊंचाई पर ले जाने का है।

बंगाल प्रो टी20 लीग सीजन 2 की पुरुष प्रतियोगिताएं 11 जून से ईडन गार्डन्स में शुरू होंगी, जिसमें पिछले सीजन की संयुक्त विजेता टीमें सोबिस्को स्मैशर्स मालदा और मुर्शिदाबाद किंग्स रात 8 बजे आमने-सामने होंगी। सेमीफाइनल मुकाबले 26 जून को ईडन गार्डन्स में डबल-हेडर के रूप में खेले जाएंगे, जिनका समय दोपहर 1 बजे और रात 7 बजे होगा, जबकि फाइनल मुकाबला 28 जून को शाम 7 बजे से संपन्न होगा।

वहीं महिला लीग की शुरुआत 12 जून को डबल-हेडर मुकाबलों के साथ होगी। पिछले सीज़न की उपविजेता मुर्शिदाबाद कुइन्स सुबह 9 बजे हार्बर डायमंड्स से भिड़ेगी। इसके बाद दोपहर 1:30 बजे गत विजेता लक्स श्याम कोलकाता टाइगर्स का मुकाबला सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स से होगा। महिला लीग में 25 जून तक रोज़ाना डबल-हेडर मुकाबले होंगे, सेमीफाइनल्स 27 जून को साल्ट लेक के जादवपुर यूनिवर्सिटी कैंपस में खेले जाएंगे और फाइनल 28 जून को दोपहर 1:30 बजे ईडन गार्डन्स में होगा।

सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की पुरुष टीम:

आकाश दीप, सूरज सिंधु जायसवाल, विकास सिंह, तरुण गोदारा, अंकुर पॉल, शुभम चटर्जी, नुरुद्दीन मंडल, इरशाद आलम, अंकुश त्यागी, सौरव पॉल, मिथिलेश दास, राजू हलदर, पवन, लोकेश, आदित्य सिंह, शिवम भारती, सचिन यादव, अनुस्तुप मजूमदार।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब भारत से...

बी777-300ईआर विमानों का संचालन 31 अगस्त 2025 तक ही कर पाएगा। पहले ये लीज 31 मई को ही खत्म होनी थी। तुर्की के इन दो विमानों से इंडिगो यात्रियों को दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल की यात्रा करवाता है। इसके तहत इंडिगो ग्राउंड ऑपरेशन और टिकट की सुविधा और टर्किश एयरलाइंस अपनी तरफ से जहाज, पायलट और रखरखाव की सुविधा देता है। इंडिगो ने डीजीसीए से इस साझेदारी को खत्म करने के लिए 6 महीने का समय मांगा था। लेकिन डीजीसीए ने इस अवधि को स्वीकृति नहीं दी। हालांकि यात्रियों की सुविधा को देखते हुए इसे मई के बाद दो महीने का समय कर दिया गया।

गौरतलब है कि पहलगाम हमले की जवाबी कार्रवाई में भारत से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन किया था। इसके बाद देशभर में तुर्की को बॉयकॉट करने और वहां न जाने पर लोग एकजुट हुए। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) ने भी तुर्की की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज की सिक्योरिटी क्लीयरेंस रद्द कर दी।

पाकिस्तान की ही तरह तुर्की भी भारत के साथ तमाम शैतानियों पर उतरा हुआ है। भारत में पिछले दिनों मुठभेड़ में मारे गए 10 करोड़ के इनामी नक्सली बासवराजू के लिए तुर्की के छद्मी वामपंथी भारत के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया देने से बाज नहीं आए। तुर्की के सरकार प्रायोजित आयोजनों के जरिए भारत के नक्सली कमांडर के मारे जाने पर रुदन सभा से लेकर श्रद्धांजलि सभा तक की गई और भारत के खिलाफ निंदा प्रस्ताव जारी किया गया। इसके अलावा तुर्की के राजनयिक कदम भी भारत के लिए नाराजगी का विषय बने। तुर्की के राजदूत ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाकात कर भारत के खिलाफ एकजुटता जताई। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया और पाकिस्तान के कथित निर्दोष नागरिकों की मौत पर शोक व्यक्त किया। तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान ने भी पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री से बात कर कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के आधार पर हल निकालने की बात कही।

तुर्की की वेबसाइट...

दोनों साइबर फ्रॉड उत्तर प्रदेश के बरेली से रंगे हाथों पकड़े गए हैं।

बरेली के भोजीपुरा इलाके से अंतरराज्यीय गिरोह अपना धंधा कर रहा था। यहां से बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों को फर्जी आधार कार्ड और पासपोर्ट वगैरह बना कर दिए जाते थे। शुक्रवार 30 मई को पचदौरा दोहरिया स्थित अजहरी जनसेवा केंद्र और आधार कार्ड केंद्र पर छापा मारकर मोहम्मद फहीम उर्फ गुड्डू और जियाउल मुस्तफा को गिरफ्तार किया गया। दोनों पिछले एक साल से फर्जी आधार, पैन कार्ड, जाति, निवास, आय प्रमाणपत्र और मार्कशीट बनाते थे। पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह तुर्की की वेबसाइट्स का उपयोग कर फर्जी डोमेन खरीदता था। वे मैनुअलओआरजीडॉटस्पेस नामक वेबसाइट से एक बार में 10 फर्जी आधार कार्ड तैयार करते थे। पुलिस ने मौके से लैपटॉप, स्कैनर, फिंगरप्रिंट मशीन, कैमरे और बड़ी संख्या में जाली दस्तावेज जब्त किए हैं, जिनमें 20 जाली आधार कार्ड, 15 फर्जी निवास प्रमाणपत्र और स्कूल की नकली मार्कशीट शामिल हैं।

कोलंबिया का...

कोलंबिया की उप विदेश मंत्री ने कहा कि इस पूरे मामले पर कोलंबिया भारत के रुख को पूरी संजीदगी से समझता है। यह वास्तव में बहुत महत्व रखता है। उन्होंने यह माना कि आतंक फैलाने वाले और उसके खिलाफ एक्शन लेने वालों में समानता नहीं हो सकती।

कोलंबिया सरकार के ताजा स्टैंड पर संतोष जताते हुए शशि थरूर ने कहा, आज का दिन उप विदेश मंत्री रोजा योलेन्डा विलाविसेन्सियो और एशिया-प्रशांत मामलों से जुड़े उनके वरिष्ठ सहयोगियों के साथ एक उत्कृष्ट बैठक साबित हुआ। कोलंबिया सरकार ने सारे तथ्य और तर्क सुनने के बाद अपना पुराना बयान वापस ले लिया है। स्पष्ट है कि कोलंबिया ने भारत की स्थिति को ठीक से समझा और उसका मजबूती से समर्थन किया है।

शशि थरूर ने कहा, हम ब्रिक्स के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देते हैं, जिसके हम संस्थापक सदस्य हैं। हम ग्लोबल साउथ विकासशील दुनिया के देशों के विकास से भी बहुत जुड़े हुए हैं। कोलंबिया और भारत दोनों ही ग्लोबल साउथ के सदस्य हैं और जहां तक भारत का सवाल है, हम विकास और प्रगति के पथ पर उत्साह के साथ एक साथ आगे बढ़ना पसंद करेंगे।

दूसरी तरफ, पाकिस्तान के पाखंड का जवाब देने के लिए पश्चिमी अफ्रीका के देश सिएरा लियोन पहुंचे भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने वहां के कार्यवाहक विदेश मंत्री फ्रांसेस पी. अल्घाली से विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की प्रत्यक्ष भूमिका के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। इस मौके पर अल्घाली ने भारत के आतंकवाद से लड़ने और शांति बनाए रखने के समन्वित प्रयासों का समर्थन किया। प्रतिनिधिमंडल की सदस्य भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज सिएरा लियोन यात्रा का संक्षिप्त ब्यौरा साझा किया है।

फ्रीटाउन में भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने पाकिस्तान को आगाह करते कहा कि यह नया भारत है। यह नया भारत रुकता नहीं है। झुकता नहीं है। गुनाह के लिए माफ नहीं करता। नया भारत मुंहतोड़ जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई करने में नया भारत सक्षम है। आतंकवाद वैश्विक मुद्दा है। इसलिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों की यात्रा कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल के दूसरे सदस्य बीजू जनता दल सांसद सस्मित पात्रा ने कहा कि पहलगाम हमला दुखदायी है। उन्होंने कहा कि एक आतंकवादी आता है। पति से उसका धर्म पूछता है और उसे गोली मार देता है। पत्नी कहती है कि मुझे भी मार दो, मैं क्यों जीऊं? आतंकवादी पलटकर महिला से कहता है, मैं तुम्हें नहीं मारूंगा, जाओ और अपनी सरकार को यह बताओ। फिर ऑपरेशन सिंदूर आया। हमने पाकिस्तान में घुसकर उन पर हमला किया। यह नया भारत है। यकीन मानिए कि यह नया भारत है और हम नए भारत का चेहरा हैं। कोपेनहेगन (डेनमार्क) शिवसेना (यूटीबी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि वह मुंबई शहर से हैं। मुंबई में आतंकी हमले हुए, कितनी महिलाएं अपने पतियों के बिना रह गईं? एक महिला के तौर पर, इसने मुझ पर असर डाला है। इसने पाकिस्तान के प्रति मेरी अपनी भूमिका बदल दी है।उधर, इस्लामिक देश इंडोनेशिया ने भारत के प्रति समर्थन जताते हुए कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इंडोनेशिया भारत के साथ खड़ा है। इंडोनेशिया के सबसे बड़े इस्लामिक संगठन नाहदतुल उलमा ने भी भारत के प्रति अपना समर्थन जताया है। विश्व में मुसलमानों की सबसे बड़ी आबादी इंडोनेशिया में है। आपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में पल रहे जेहादियों की कमर तोड़ने के बाद विश्व के अनेक देशों में आतंकवाद और पाकिस्तान के बीच गर्भनाल के संबंधों का खुलासा करने गए भारत के विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों में से एक इन दिनों इस्लामी देश इंडोनेशिया में है और वहां भारत के सांसदों ने जब उन्हें आतंकवाद के खतरों और उसमें पाकिस्तान की मिलीभगत बताया तो वहां के समझदारों ने इस पर सहमति जताते हुए आतंकवादी का हर रूप में विरोध करने की बात की। उस इस्लामी देश के सबसे बड़े संगठन नाहदतुल उलमा ने आगे आकर कहा कि हम भारत के साथ हैं और जहां तक आतंकवाद से लड़ने की बात है तो हम साथ साथ इससे लड़ेंगे।

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठ का पर्दाफाश किया और बताया कि कैसे बंटवारे के बाद से ही भारत का पड़ोसी इस्लामी देश भारत में आतंकवादी भेजकर जम्मू कश्मीर सहित पूरे देश को रक्तरंजित करता रहा है। भारत के सांसदों ने तथ्यों के साथ पूरी परिस्थिति स्पष्ट की और बताया कि पहलगाम जिहादी हमले के बाद पाकिस्तान के लापरवाह रवैए को देखते हुए ही, भारत ने सटीक निशाने साधकर पीओजेके में चल रहे आतंकी प्रशिक्षण शिविरों को नेस्तोनाबूद किया है।

भारत की ओर से प्रस्तुत इस पूरे प्रकरण को सुनने वालों में वहां के सबसे बड़े इस्लामी संगठन नाहदतुल उलमा के सदस्य भी थे। उन्होंने पूरा वक्तव्य सुनने के बाद भारत की पीड़ा को समझा और पाकिस्तान की शरारत पर हैरान रह गए। इस संगठन के वरिष्ठ सदस्यों ने एक स्वर से कहा कि साझा लड़ाई करके इस आतंकवाद को समाप्त करना होगा। विश्व में शांति कायम होनी चाहिए। किसी को किसी देश में इस तरह की शैतान हरकतें नहीं करनी चाहिए जैसी पाकिस्तान करता है। इस इस्लामी संगठन के अध्यक्ष उलिल अब्शार अब्दल्ला ने साफ कहा कि मजहब का नाम लेकर हिंसक गतिविधियां करना बहुत खतरनाक बात है। और इसके सबसे बड़े शिकार खुद मुसलमान हैं।

अब्शार अब्दल्ला ने यह बात भारत के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से अलग से इस विषय पर चर्चा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को साझा लड़ाई लड़कर ही समाप्त किया जा सकता है। इस रास्ते से ही शांति आ सकती है। भारत की तरह इंडोनेशिया भी आतंकवाद का शिकार रहा है। इसलिए अब्दल्ला ने कहा कि जिस प्रकार का भारत को अनुभव हो रहा है उसे हम समझ सकते हैं। उनका कहना था कि भारत और इंडोनेशिया दोनों आर्थिक विकास, राजनीतिक स्थिरता और शांति चाहते हैं। अब्दल्ला का संगठन नाहदतुल उलमा उस देश का सबसे बड़ा इस्लामी संगठन होने के नाते अपनी अलग साख रखता है। यह संगठन इस्लामी मूल्यों को मानता है लेकिन हिंसा के विरुद्ध है। संगठन का मानना है कि हिंसा के लिए मजहब की आड़ लेना किसी तरह सही नहीं है। अगर ऐसा होता है कि तो यह एक बहुत खतरनाक सोच है। अब्दल्ला मानते हैं कि कुछ गुट हैं तो इस्लाम का नाम लेकर हिंसा फैलाते हैं, उसे उकसाते हैं। लेकिन यह गलत है। इस्लाम शांति का मजहब है। खुद मुसलमान आतंकवाद के शिकार हो रहे हैं, इसलिए इस खतरे पर कैसे लगाम लगे, इसे मुसलमानों को अपनी पहली जिम्मेदारी मानना होगा।

अब्दल्ला ने भारतीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के बीच इंडोनेशिया के इतिहास का जिक्र किया कि कैसे इसमें भारत की समृद्ध सभ्यता की झलक दिखती है। उनका कहना है कि इस वजह से भी हम दोनों देशों के लोगों को अपने स्तर पर आपसी सहयोग को महत्व देना होगा। भारत के सांसदों के इस प्रतिनिधिमंडल की अगुआई जदयू से सांसद संजय कुमार झा कर रहे थे। उन्होंने भी अब्दल्ला के विचारों को सहानुभूति से भरा कहा। उन्होंने जानकारी दी कि नाहदतुल उलमा के अध्यक्ष ने भरोसा दिया है कि इस्लामिक देशों के संगठन में भी भारत द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं के प्रति समर्थन प्राप्त होगा।

भारत से गए इस प्रतिनिधिमंडल की भेंट इंडोनेशिया की नेशनल मेंडेट पार्टी तथा वहां के वरिष्ठ चिंतकों, विचारकों से भी हुई। प्रतिनिधिमंडल ने अनेक शिक्षा संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों से विशेष रूप से चर्चा की। जकार्ता में कार्यरत भारतीय दूतावास ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल यहां ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत के विरुद्ध जो दुष्प्रचार किया जा रहा है, उसकी कलई खोलने आए हैं। आतंकवाद को लेकर भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को पूरी दुनिया ने सराहा है।

नारी शक्ति को...

करीब दो लाख महिलाओं की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा, सबसे पहले मैं मां भारती को भारत की मातृशक्ति को प्रणाम करता हूं। आज यहां इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें-बेटियां हमें आशीर्वाद देने आई हैं। मैं आप सभी बहनों के दर्शन पाकर धन्य हो गया हूं। आज लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती है। 140 करोड़ भारतीयों के लिए ये अवसर प्रेरणा का है। राष्ट्र निर्माण में हो रहे भगीरथ प्रयासों में योगदान देने का है। देवी अहिल्या कहती थीं, शासन का सही अर्थ जनता की सेवा करना और उनके जीवन में सुधार लाना होता है। आज का कार्यक्रम उनकी सोच को आगे बढ़ाता है। आज इंदौर मेट्रो की शुरुआत हुई है, दतिया और सतना हवाई सेवा से जुड़ गए हैं। ये प्रोजेक्ट विकास को गति देंगे, रोजगार के नए अवसर बनाएंगे। मैं आज विकास के इन सारे कामों के लिए आप सबको, पूरे मध्य प्रदेश को बहुत बहुत बधाई देता हूं।पीएम मोदी ने कहा, देवी अहिल्या का नाम सुनते ही श्रद्धा का भाव उमड़ता है। उनके व्यक्तित्व के बारे में बोलने पर शब्द कम पड़ जाते हैं। लोकमाता अहिल्याबाई ने प्रभुसेवा और जनसेवा, इसे कभी अलग नहीं माना, कहते हैं वे हमेशा शिवलिंग साथ लेकर चलती थीं। चुनौती पूर्ण कालखंड में, कोई कल्पना कर सकता है, कांटों से भरा ताज पहनने जैसा काम। लेकिन माता ने अपने राज्य की समृद्धि को नई दिशा दी, गरीबों को सक्षम बनाने का काम किया। वे देश की विरासत थीं। जब देश की मंदिरों, तीर्थ स्थलों पर हमले हो रहे थे, उन्होंने उन्हें संवारने का बीड़ा उठाया। हमारे तीर्थों का पुनर्निमाण किया और ये मेरा सौभाग्य है, जिस काशी में लोकमाता अहिल्या में विकास के इतने काम किया, उसी काशी ने मुझे भी सेवा का अवसर दिया। आज अगर आप काशी विश्वनाथ महादेव के दर्शन करने जाएंगे, वहां आपको देवी अहिल्या की मूर्ति भी मिलेगी। माता अहिल्या ने गवर्नेंस का ऐसा उत्तम मॉडल अपनाया, जिसमें गरीबों और वंचितों को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी। उन्होंने कृषि और वनउपज आधारित कुटीर, हस्तशिल्प को बढ़ाया। खेती को बढ़ावा देने के लिए छोटी-छोटी नहरों की जाल बिछाया। उस जमाने में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कितने ही तालाब बनवाए। आज तो हम भी कह रहे हैं कि बारिश की एक-एक बूंद को बचाओ।

मोदी ने कहा कि देवी अहिल्या ने 250-300 साल पहले हमें ये काम बताया था। किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्होंने मसालों और कपास की खेती को प्रोत्साहित किया। आज 300 साल बाद भी किसानों को कहना पड़ रहा है, क्रॉप डायवर्सिटी बहुत जरूरी है। हम सिर्फ धान की खेती करके, गन्ने की खेती अटक नहीं सकते। उन्होंने आदिवासी समाज के लिए, घुमंतू टोलियों के लिए खाली पड़ी जमीन पर खेती की योजना बनाई। मेरा सौभाग्य है कि मुझे एक आदिवासी बेटी, जो आज भारत के राष्ट्रपति के पद पर विराजमान है, उनके मार्गदर्शन में मेरे आदिवासियों भाई-बहनों की सेवा का मौका मिला है। देवी अहिल्या ने महेश्वरी साड़ी के लिए नए उद्योग लगाए। देवी अहिल्या हुनर की पारखी थीं, वे जूनागढ़-गुजरात से कुछ परिवारों को यहां लाईं, उनको साथ जोड़कर आज से 250-300 साल पहले महेश्वरी साड़ी का काम आगे बढ़ाया। जो आज भी अनेक परिवारों का गहना बन गया है। जिससे हमारे बुनकरों को फायदा हुआ है। देवी को कई बड़े सामाजिक सुधारों के लिए भी हमेशा याद रखा जाएगा। आज अगर बेटियों की शादी की उम्र की चर्चा करें तो हमारे देश में कुछ लोगों को सेक्युलरिज़्म खतरे में दिखता है। उनको लगता है कि हमारे धर्म के खिलाफ है। देवी अहिल्या को देखिए, मातृशक्ति के गौरव के लिए उस जमाने में बेटियों की शादी की उम्र के बारे में सोचती थीं। भले उनकी शादी कम उम्र में हुई हो, लेकिन उनको सब पता था कि बेटियों के विकास के लिए कौन सा रास्ता होना चाहिए। देवी अहिल्या जी ने महिलाओं का संपत्ति में अधिकार हो, जिन स्त्रियों के पति की असमय मृत्यु हो गई हो, वो फिर विवाह कर सकें, उस कालखंड में ये बातें करना भी मुश्किल होता था। पर देवी अहिल्या ने इन सुधारों में भरपूर समर्थन दिया। उन्होंने मालवा की सेना में महिलाओं की विशेष टुकड़ी भी बनाई थी।

सरकार ने घटाई...

जब हाल ही में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सीआईआई बिजनेस समिट में रक्षा परियोजनाओं में देरी, अवास्तविक समय सीमा निर्धारण और व्यवस्थागत मुद्दों पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने इस देरी से सेना की परिचालन तत्परता पर पड़ने वाले असर पर गंभीर चिंता जाहिर की थी। सिंह ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखने की जरूरत और विकसित भारत के विजन को हासिल करने के लिए आत्मनिर्भरता की भूमिका पर बल दिया। वायुसेना प्रमुख ने निजी उद्योगों से घरेलू रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) और पूंजीगत उपकरणों में भारी निवेश करने का आग्रह भी किया।सीआईआई बिजनेस समिट में बोलते हुए उन्होंने हुए कहा, कई बार करार पर हस्ताक्षर करते वक्त ही हमें पता होता है कि ये सिस्टम समय पर नहीं मिलेंगे। फिर भी हम अनुबंध पर हस्ताक्षर कर देते हैं। मैं ऐसी कोई एक भी परियोजना नहीं बता सकता जो समय पर पूरी हुई हो। इसलिए हमें इस पर गौर करना होगा। हम ऐसा वादा क्यों करें जो पूरा नहीं हो सकता? रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को साल 2047 में 32 खरब डॉलर बनाने के लिए भी रणनीतिक स्वायत्तता के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। उन्होंने कहा कि बीते दशक में रक्षा क्षेत्र में शुरू हुए स्वदेशीकरण के चलते साल 2015 में जहां भारत हथियारों का सबसे बड़ा आयातक था, तो आज हमारा देश शीर्ष 25 निर्यातकों में शामिल हो गया है। 100 से ज्यादा भारतीय कंपनियां 100 से ज्यादा देशों को सैन्य उपकरण निर्यात कर रही हैं। सैन्य उपकरणों में ब्रह्मोस मिसाइल, रॉकेट लॉन्चर पिनाका, सिमुलेटर आर्मर्ड व्हीकल आदि शामिल हैं। सिंह ने कहा कि बीते साल हमने 23,622 करोड़ रुपए के हथियार निर्यात किए। घरेलू खरीद जहां साल 2014 में 43,746 थी, वो 2023-24 में 1,27,000 करोड़ रही।

हमारे कुछ विमान...

दूरी तक निशाना बनाया।

सीडीएस चौहान से जब फिर से पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के उस दावे को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने इसे खारिज करते हुए कहा, बिल्कुल गलत, मैंने पहले ही कहा है कि यह अहम नहीं है कि हमारे लड़ाकू विमान गिरे या नहीं, अहम सवाल यह है कि इसके बाद हमने क्या किया।

इससे पहले, भारतीय वायुसेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल एके भारती ने भी 11 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, लड़ाई में नुकसान होना सामान्य बात है, लेकिन हमारे सभी पायलट सुरक्षित घर लौटे। उन्होंने यह भी साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायुसेना ने पूरी ताकत से काम किया और दुश्मन को करारा जवाब दिया।

सुप्रीम कोर्ट के...

पहल नहीं की है, जिन्हें इस आधार पर विदेशी घोषित किया गया था कि उनके पते ज्ञात नहीं हैं, जो कि मूल देश के साथ औपचारिक सत्यापन प्रक्रिया के लिए आवश्यक है।

सरमा ने कहा कि सभी जिला पुलिस अधीक्षकों की हाल की बैठक में सरकार ने राज्य में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का पता लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का भी फैसला किया है। अगले कुछ दिनों में उनका पता लगा कर उन्हें वापस भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया उन लोगों पर लागू नहीं की जा रही है जिनके पास एफटी मामलों के खिलाफ अपील लंबित हैं, लेकिन कहा कि जिन लोगों ने अभी तक इसे चुनौती नहीं दी है, उन्होंने असम में रहने का अपना अधिकार खो दिया है।

हिंसा की घटनाओं...

जिसमें सीबीआई को उन सभी मामलों की जांच करने का निर्देश दिया गया था जहां आरोप हत्या के अपराध और/या बलात्कार/बलात्कार के प्रयास से संबंधित महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित हैं।

इसमें कहा गया है कि शिकायतकर्ता के घर पर चुनाव नतीजों के दिन सुनियोजित हमला किया गया था, जिसका एकमात्र उद्देश्य बदला लेना था, क्योंकि उन्होंने भगवा पार्टी का समर्थन किया था। यह एक गंभीर परिस्थिति है जो हमें आश्वस्त करती है कि आरोपी व्यक्ति जिसमें प्रतिवादी भी शामिल हैं, विपक्षी राजनीतिक दल के सदस्यों को आतंकित करने की कोशिश कर रहे थे, जिसका आरोपी प्रतिवादी समर्थन कर रहे थे। जिस निंदनीय तरीके से इस घटना को अंजाम दिया गया, वह आरोपी व्यक्तियों के प्रतिशोधी रवैये और विपक्षी पार्टी के समर्थकों को किसी भी तरह से अपने अधीन करने के उनके घोषित उद्देश्य को दर्शाता है। यह नृशंस अपराध लोकतंत्र की जड़ों पर एक गंभीर हमले से कम नहीं है।

फैसले में कहा गया कि प्रथम दृष्टया यह साबित करने के लिए सामग्री मौजूद है कि आरोपी व्यक्तियों ने एक गैरकानूनी सभा बनाई और शिकायतकर्ता के घर पर हमला किया, तोड़फोड़ की और घर का सामान लूट लिया। शिकायतकर्ता की पत्नी को बुरी तरह से बाल पकड़कर खींचा गया और उसके कपड़े उतार दिए गए। आरोपी व्यक्ति उस पर यौन हमला करने ही वाले थे कि महिला ने हिम्मत जुटाकर अपने शरीर पर मिट्टी का तेल डाल लिया और आत्मदाह की धमकी दी, जिस पर आरोपी व्यक्ति और प्रतिवादी शिकायतकर्ता के घर से भाग गए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि यद्यपि मामले में आरोपपत्र 2022 में दाखिल किया गया था, लेकिन मुकदमा आज तक एक इंच भी आगे नहीं बढ़ा है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया है कि यह देरी मुख्य रूप से प्रतिवादियों सहित आरोपी व्यक्तियों द्वारा असहयोग के कारण हुई है, जो तथ्य रिकॉर्ड से स्पष्ट रूप से स्थापित है। इस पृष्ठभूमि में हमें लगता है कि अगर आरोपी प्रतिवादियों को जमानत पर रहने दिया जाता है, तो निष्पक्ष सुनवाई होने की कोई संभावना नहीं है। इस प्रकार, दोनों मामलों में, यानी, (ळ) अपराध की प्रकृति और गंभीरता जो लोकतंत्र की जड़ों पर हमले से कम नहीं है और (ळळ) आरोपी द्वारा निष्पक्ष सुनवाई को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने की आसन्न संभावना, आरोपी प्रतिवादियों को दी गई जमानत रद्द की जानी चाहिए।

इसने ट्रायल कोर्ट से कार्यवाही में तेजी लाने और आदेश की तारीख से छह महीने के भीतर मुकदमा पूरा करने का भी अनुरोध किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि हाई कोर्ट सहित किसी भी उच्च मंच द्वारा ट्रायल कोर्ट के समक्ष कार्यवाही पर कोई स्थगन आदेश पारित किया गया है, तो उसे निरस्त माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि इसने राज्य के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक से यह भी कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकायतकर्ता और अन्य सभी महत्वपूर्ण गवाहों को उचित सुरक्षा प्रदान की जाए, ताकि वे बिना किसी डर या आशंका के स्वतंत्र रूप से पेश हो सकें और मुकदमे में गवाही दे सकें। कोर्ट ने निर्देश दिया कि उसके निर्देश के किसी भी उल्लंघन की सूचना अपीलकर्ता-सीबीआई या शिकायतकर्ता द्वारा उचित कार्रवाई के लिए अदालत को दी जा सकती है।

दिल्ली में 42 साल बाद होगी आईएटीए की बैठक

दुनिया के विमानन कंपनियों के दिग्गज दिखाई देंगे एक मंच पर

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में 40 से ज्यादा वर्षों के बाद इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) की 81वीं सालाना आम बैठक का आयोजन होगा। बताया जा रहा है कि 1 जून से आरंभ हो रहे तीन दिन के इस सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित कर सकते हैं। आईएटीए की इस बैठक में लगभग सभी अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों, विमान निर्माताओं और विमानन क्षेत्र से जुड़ी अन्य कंपनियों के प्रमुख और शीर्ष अधिकारी शामिल होते हैं। इसमें वैश्विक विमानन क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर विचार विमर्श किया जाता है, इसीलिए विमानन उद्योग के लिए साल का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम माना जाता है। दुनिया की 350 से अधिक विमानन कंपनियां आईएटीए की सदस्य हैं और विमानन यातायात में उनकी 80 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है। आईएटीए ने कहा है कि इन कंपनियों के मुख्य कार्य अधिकारियों (सीईओ), सरकारी अधिकारियों और पत्रकारों समेत करीब 1,700 प्रतिभागी दिल्ली में हो रहे सम्मेलन में शिरकत कर सकते हैं। भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो इस बैठक की मेजबान है। इससे पहले भारत में यह बैठक 1983 में हुई थी। आईएटीए के महानिदेशक ने कहा कि पिछले एक दशक में वैश्विक विमानन क्षेत्र में भारत का कद काफी बदला है। देश में रिकॉर्ड संख्या में विमानों के ऑर्डर दिए गए हैं, जोरदार वृद्धि हुई है और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार हुआ है।' भारतीय विमानन उद्योग में 3,69,700 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है और देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका 5.6 अरब डॉलर का योगदान है। अप्रत्यक्ष रोजगार, विमानन के कारण मिलने वाले रोजकार और पर्यटन को जोड़ दें तो इस क्षेत्र से करीब 77 लाख नौकरी मिली हैं और जीडीपी में इसका योगदान 53.6 अरब डॉलर तक पहुंच जाता है, जो देश के कुल जीडीपी का 1.5 फीसदी है। देश के हवाई यात्रा बाजार में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारतीय विमानन कंपनियों ने साल 2023 से विमानों के कई बड़े ऑर्डर दिए हैं। फरवरी 2023 में टाटा के स्वामित्व वाले एयर इंडिया समूह ने 470 विमानों का ऑर्डर दिया था। समूह ने एयरबस को 250 विमानों और अमेरिकी हवाई जहाज कंपनी बोइंग को 220 विमानों को ऑर्डर दिया था। उसके चार महीने बाद जून में इंडिगो ने दुनिया का सबसे बड़ा विमान ठेका दे डाला।

न्यूज़ ब्रीफ

वर्ष 2030 तक भारत की जीडीपी में पर्यटन का 10 फीसदी योगदानः शेखावत

नई दिल्ली। पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सालाना कारोबार सम्मेलन में कहा कि भारत का पर्यटन क्षेत्र भी अन्य देशों की ही तरह 2030 तक देश की अर्थव्यवस्था में 10 फीसदी का योगदान कर सकता है। मंत्री ने कहा कि जीडीपी में पर्यटन के 10 फीसदी योगदान के साथ भारत वैश्विक मानकों के अनुरूप हो जाएगा। शेखावत ने आगे कहा कि हम विभिन्न पहलुओं में सुधार के नजरिये के साथ इस दिशा में काम कर रहे हैं। इसमें आध्यात्मिक और धार्मिक पर्यटन शामिल है। सरकार ने ऐसी नीतियां भी तैयार की हैं जो पर्यटन के समग्र अनुभव को बेहतर बनाएं।' उन्होंने कहा कि उज्जैन के महाकाल कॉरिडॉर जैसे धार्मिक पर्यटन केंद्र ने एक महीने में 10 लाख से अधिक लोगों को आकर्षित किया है। भारत के घरेलू पर्यटक देश की पर्यटन संभावनाओं में अच्छा खासा योगदान कर सकते हैं, जबकि पहले अंतरराष्ट्रीय या विदेशी पर्यटकों पर बहुत अधिक निर्भरता थी।

ओला का सालाना आधार पर घाटा बढ़कर 870 करोड़ हुआ

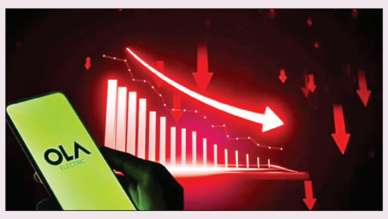

मुंबई। ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के नतीजे पेश किए थे। जनवरी–मार्च अवधि में कंपनी का घाटा सालाना आधार पर 109 प्रतिशत बढ़कर 870 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 416 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 25 की मार्च तिमाही में कंपनी की ऑपरेशंस से आय सालाना आधार पर 61.8 प्रतिशत कम होकर 611 करोड़ रुपए रह गई है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 1,598 करोड़ रुपए थी। 2021 के अंत में अपने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की कमर्शियल डिलीवरी शुरू करने के बाद से यह कंपनी का सबसे खराब तिमाही प्रदर्शन है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी का घाटा 416 करोड़ रुपए था पूरे वित्त वर्ष 2025 के लिए ओला इलेक्ट्रिक की आय भी घटकर 4,645 करोड़ रुपए रह गई है, जो वित्त वर्ष 2024 में 5,126 करोड़ रुपए थी। हालांकि, कंपनी ने कहा कि वह अपनी आंतरिक लागत कटौती पहल 'प्रोजेक्ट लक्ष्य' के माध्यम से लागत दक्षता और मुनाफे की दिशा में काम कर रही है। कंपनी ने बताया कि ऑटो सेगमेंट के ऑपरेटिंग कॉस्ट स्ट्रक्चर को अप्रैल 2025 में पहले ही 121 करोड़ रुपए तक लाया जा चुका है, जिसका लक्ष्य जून 2025 तक 110 करोड़ रुपए है ।

स्कूटर जुपिटर 125 का नया डुअल-टोन वैरिएंट लांच

नई दिल्ली। अपने लोकप्रिय स्कूटर जुपिटर 125 का नया डुअल–टोन वैरिएंट डीटी एसएक्सी टीवीएस मोटर ने लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे 88,942 रुपये की एक्स–शोरूम कीमत पर पेश किया है। इस नए मॉडल को खास तौर पर बेहतर स्टाइलिंग और कनेक्टिविटी के साथ बाजार में उतारा गया है। नए वैरिएंट में दो आकर्षक डुअल–टोन रंग विकल्प – आइवरी ब्राउन और आइवरी ग्रे दिए गए हैं, जो स्कूटर को एक प्रीमियम लुक देते हैं। इसके अलावा, इसमें 3डी एम्बलम, डुअल–टोन इनर पैनल और बॉडी कलर रियर ग्रैब रेल भी शामिल है, जिससे स्कूटर की डिजाइन और अधिक स्टाइलिश हो गई है। कंपनी ने इस मॉडल में आधुनिक टेक्नोलॉजी का भी ध्यान रखा है। टीवीएस स्मार्ट कनेक्ट फीचर से लैस यह स्कूटर कॉल और एसएमएस अलर्ट, टर्न–बाय–टर्न नेविगेशन, वॉयस कमांड और व्हीकल ट्रैकिंग जैसे स्मार्ट फीचर्स के साथ आता है, जो शहरी ग्राहकों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। हालांकि पावरट्रेन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नए जुपिटर 125 में पहले जैसा ही 124.8सीसी का एयर–कूल्ड इंजन मिलता है, जो 8.7 बीएचपी की पावर और 11.1 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन को सीवीटी यूनिट से जोड़ा गया है, जिससे स्मूद राइड का अनुभव मिलता है।

इफको ने इस साल 365.09 लाख बोतल नैनो उर्वरकों की बेची, बनाया कीर्तिमान

इफको जल्द नैनो जिंक, नैनो कॉपर और ग्रेन्युलर नैनो उत्पाद करेगा लॉन्च

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)।

भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में एक और कीर्तिमान बनाते हुए 3,811 करोड़ रुपए का कर पूर्व लाभ अर्जित किया है। यह लगातार तीसरा साल है जब इफको ने 3,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का लाभ दर्ज किया है। इस साल नैनो उर्वरकों की बिक्री में 47 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें इफको नैनो डीएपी की बिक्री में 118 फीसदी अभूतपूर्व वृद्धि हुई।

इफको ने इस साल कुल 365.09 लाख बोतल नैनो उर्वरकों की बेची, जो पिछले साल के 248.95 लाख बोतलों की तुलना में बड़ी वृद्धि है। नैनो यूरिया प्लस और नैनो डीएपी के उपयोग से न केवल किसानों को लाभ हुआ, बल्कि इससे परंपरागत उर्वरकों की खपत में भी उल्लेखनीय कमी आई है। संस्था के अध्यक्ष ने कहा कि सहकार से समृद्धि का सपना इफको के प्रदर्शन के जरिए से साकार हो रहा है। इफको ने 23 सालों से लगातार 20 फीसदी लाभांश देकर अपने सदस्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साबित की है। इफको जल्द ही नैनो जिंक, नैनो कॉपर और ग्रेन्युलर नैनो एनपीके जैसे अत्याधुनिक उत्पादों को लॉन्च करेगा, जिससे कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ–साथ पोषण संतुलन भी सुनिश्चित होगा। यह पहल कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों जैसे ड्रोन, एआई और नैनो प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से कृषि और खाद्य मूल्य श्रृंखला को पूरी तरह से परिवर्तित कर रही है।

इफको ने देशभर में 203 मॉडल नैनो गांव परियोजनाएं शुरू की हैं, जिससे रासायनिक उर्वरकों की खपत में 28.73 फीसदी की कमी और फसल उत्पादकता में 5.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। इफको अब इस परियोजना को कार्बन क्रेडिट प्रमाणन से जोड़ने की दिशा में काम कर रहा है। संस्था के प्रबंध निदेशक को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर रोचडेल पायनियर अवॉर्ड 2024 और भारत के उर्वरक पुरुष जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया है। जो इफको के योगदान को वैश्विक मान्यता प्रदान करता है।

2 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं निसान मैग्नाइट की

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में निसान इंडिया की सब–कॉम्पैक्ट एसयूवी मैग्नाइट ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस कार की अब तक 2 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी है। हाल ही में कंपनी ने इसका सीएनजी वर्जन लॉन्च करते हुए इस मौके को और भी खास बना दिया है। अक्टूबर 2024 में फेसलिफ्ट के बाद आई नई मैग्नाइट में कई आधुनिक फीचर्स जोड़े गए हैं। नई मैग्नाइट की शुरुआती एक्स–शोरूम कीमत 6.14 लाख रुपये है। वहीं, रेट्रोफिटेड सीएनजी विकल्प इसके मानक पेट्रोल मॉडल की तुलना में करीब 75,000 रुपये महंगा है। कार में वायरलेस चार्जर, अराउंड व्यू मॉनिटर, आई–की, वॉक अवे लॉक और 60 मीटर दूर से रिमोट इंजन स्टार्ट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा क्लीन एयर के लिए एडवांस एयर फिल्टर और ऑटो डिम फ्रेमलेस आईआरवीएम इसे प्रीमियम फील देते हैं। मैग्नाइट में 1.0–लीटर नैचुरली ऐस्पिरेटेड पेट्रोल और 1.0–लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के विकल्प मिलते हैं। इनमें से पहला इंजन 71 बीएचपी की पावर और 96 एनएम टॉर्क जेनरेट करता है, जो 5–स्पीड एमटी और एएमटी के साथ आता है। वहीं टर्बो इंजन 6–स्पीड एमटी और सीवीटी ट्रांसमिशन विकल्प के साथ उपलब्ध है। कार में 6 एयरबैग्स, हीट इंसुलेशन कोटेड सीट्स, 360 डिग्री लेदर टच, 4 एम्बिएंट लाइटिंग और 540 लीटर का बूट स्पेस जैसी खूबियां इसे अपने सेगमेंट में एक खास पहचान देती हैं।

इंडिगो को टर्की के समर्थन के दौरान लीज समझौते में समाप्ति का निर्देश

इंडिगो ने टर्की की सेलेबी एविएशन के साथ दो बोइंग 777 विमान पट्टे पर ले रखे थे

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने इंडिगो एयरलाइन को टर्की के समर्थन के दौरान लीज समझौते को तीन महीने के भीतर खत्म करने का निर्देश दिया। इंडिगो ने टर्की की सेलेबी एविएशन के साथ दो बोइंग 777 विमान पट्टे पर ले रखे थे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इसे 31 अगस्त तक का विस्तार किया है ताकि यात्रियों को असुविधा से बचाया जा सके। मंत्रालय ने दिखाया कि यह अनुमति अंतिम है और इंडिगो को इन विमानों का परिचालन नियामक ढांचे की पूरी तरह से अनुपालन करने की आवश्यकता है।

पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की के पाकिस्तान के साथ खड़े होने के बाद केंद्र ने 15 मई को तुर्की की कंपनी सेलेबी एविएशन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा था, तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। मौजूदा हालात को देखते हुए यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए देश में सेलेबी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद तुर्की ने पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त की थी। भारत द्वारा पड़ोसी देश में प्रमुख आतंकी ठिकानों पर हमला करने के बाद पाकिस्तान ने भी जवाबी हमले में तुर्की के ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने पिछले सप्ताह कहा था कि एयरलाइन टर्किश एयरलाइंस से पट्टे पर लिए गए विमानों के साथ अपने परिचालन को नियंत्रित करने वाले सभी नियामक ढांचे का पूरी तरह से अनुपालन कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इन पट्टों के नवीनीकरण का निर्णय केंद्र सरकार करेगी।

एक्सयूवी700 ने किया 2.5 लाख यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार

भारतीय बाजार में महिंद्रा की प्रीमियम एसयूवी एक्सयूवी700 की मांग बढ़ती जा रही है। वित्त वर्ष 2025 की शुरुआत में इस मॉडल ने 2.5 लाख यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। मई 2025 में एक्सयूवी700 के पेट्रोल और डीजल दोनों वैरिएंट्स पर अधिकतम 1 महीने का वेटिंग पीरियड है। मार्च 2025 में कई वेरिएंट्स पर सिर्फ 2 हफ्ते का वेटिंग टाइम था, लेकिन अब यह लगभग सभी मॉडल्स के लिए एक समान रूप से बढ़ा है। हालांकि, कुछ खास वेरिएंट्स जैसे ईएसपी फीचर, 6–सीटर लेआउट या डुअल–टोन एक्सटीरियर वाले मॉडलों के लिए कोई तय वेटिंग टाइम नहीं बताया गया है। महिंद्रा ने हाल ही में एक्सयूवी700 का एबोनी एडिशन लॉन्च किया है, जो इस फ्लैगशिप आईसीई एसयूवी का अंतिम अपडेट माना जा रहा है।

वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर सीसीपीए की कार्रवाई

बिना लाइसेंस के वॉकी-टॉकी की ऑनलाइन बिक्री होगी प्रतिबंधित

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर लगाई रोक। उसने ई–कॉमर्स कंपनियों को वॉकी–टॉकी सहित रेडियो उपकरण बेचने पर नियामकीय अनुपालन के बगैर नोटिस जारी किए। दिशानिर्देशों में व्यवधान उत्पन्न करने वाले उपकरणों की बिक्री पर जुर्माने तथा कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर लगातार नजर रखी जाएगी और अवैध उपकरणों की बिक्री को रोकने के लिए कठोर कार्रवाई की जाएगी। सीसीपीए ने कई प्रमुख ई–कॉमर्स कंपनियों को इस मामले में नोटिस जारी किये हैं जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 का उल्लंघन कर रहे थे। इस कार्रवाई से उपभोक्ताओं की सुरक्षा विशेष ध्यान में रखा गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि ये दिशानिर्देश उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले, अपनी कानूनी स्थिति के बारे में उपभोक्ताओं को बहकाने वाले, कानून प्रवर्तन तथा आपात सेवाओं समेत जरूरी सेवाओं के लिए इस्तेमाल हो रहे नेटवर्क में व्यवधान उत्पन्न करने वाले वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर रोक लगाने के लिए जारी किए गए हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

देश का आतिथ्य सेवा उद्योग चमका, पहली तिमाही में जोरदार कमाई की

बेंगलूरु में राजस्व में सबसे ज्यादा 38.3 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई

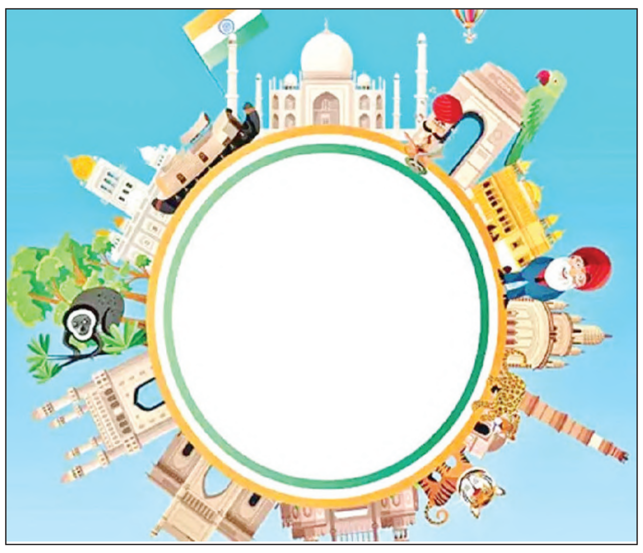

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। देश का आतिथ्य सेवा उद्योग की चमक बढ़ रही है क्योंकि साल की पहली तिमाही में होटलों को कमरों से ज्यादा आय हासिल हुई है। बेंगलूरु में कमरों का किराए में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई है और इस दौरान देश भर में होटलों में लगभग 9,500 कमरे भी जुड़े हैं। एक संपत्ति सलाहकार फर्म के अनुसार होटल उद्योग को जनवरी–मार्च 2024 की तुलना में इस बार जनवरी–मार्च तिमाही में प्रत्येक उपलब्ध कमरे से 16.3 फीसदी अधिक राजस्व प्राप्त हुआ। इसमें 2024 की चौथी तिमाही की तुलना में भी 8 फीसदी इजाफा हुआ। बेंगलूरु में इस राजस्व में सबसे ज्यादा 38.3 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई, जो एरो इंडिया 2025 के आयोजन का नतीजा थी। दिल्ली में किराया 26.2 फीसदी तथा मुंबई में 21.3 फीसदी बढ़ा, जबकि चेन्नई में 18.7 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई। हैदराबाद में कमरों की बुकिंग थोड़ी घटी मगर औसत दैनिक किराय बढ़ने के कारण प्रति कमरा राजस्व 15.1 फीसदी बढ़ गया। आंकड़े बताते हैं कि पहली तिमाही में महाराष्ट्र में 836 कमरों के साथ सबसे अधिक ब्रांडेड होटल खोले गए, जबकि कर्नाटक में 1,352 कमरों के साथ सबसे अधिक ब्रांडेड होटल खोलने के करार हुए। तिमाही के दौरान 9,478 कमरे वाले 79 होटलों के लिए करार हुए। ये 3,253 कमरे वाले उन 31 ब्रांडेड होटलों के अलावा थे, जो खुल चुके हैं।

पॉपुलर हैचबैक टाटा अल्ट्रॉज के फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने अपनी पॉपुलर हैचबैक टाटा अल्ट्रॉज के फेसलिफ्ट वर्जन को लॉन्च कर दिया है। इस फेसलिफ्ट वर्जन में एक्सटीरियर को रिफ्रेश किया गया है। फ्रंट एंड में डे–टाइम रनिंग लाइट्स, फुल–एलईडी स्प्लिट हेडलाइट्स, नया ग्रिल और नया बम्पर डिजाइन दिया गया है। इसके अलावा, फ्लश–फिटिंग इल्यूमिनेटेड डोर हैंडल और नए 16–इंच के 5–स्पोक अलॉय व्हील्स कार को और प्रीमियम बनाते हैं। इंटीरियर की बात करें तो कार में क्लीन डैशबोर्ड के साथ 10.25–इंच का ऑल–डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। साथ ही इलेक्ट्रिक सनरूफ, क्रूज़ कंट्रोल, ऑटोमैटिक एसी कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और 360–डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स भी शामिल हैं। पावरट्रेन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। अल्ट्रॉज फेसलिफ्ट में वही 1.2–लीटर पेट्रोल, 1.5–लीटर डीजल और सीएनजी इंजन विकल्प दिए गए हैं। अल्ट्रॉज अब भी देश की इकलौती हैचबैक है जिसे ग्लोबल एनसीएपी से 5–स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। कंपनी ने फेसलिफ्ट मॉडल में 6 एयरबैग्स को स्टैंडर्ड बना कर इसे और सुरक्षित बना दिया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 01 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 की पूर्व संध्या पर

अग्रसेन बैंक द्वारा ग्राहक बैठक का आयोजन

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रसेन बैंक ने अपने प्रधान कार्यालय, सिद्दिअंबर बाजार के परिसर में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 की पूर्व संध्या पर 31 मई, 2025 को ग्राहक बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल और प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष नारायण दत्त शामिल हुए।

तेलंगाना राज्य सरकार की ओर से डॉ. भुक्या वेंकन्ना, प्रिंसिपल और श्रीमती आर. संगीता, संयुक्त रजिस्ट्रार/संकाय, तेलंगाना सहकारी संघ लि., गनफाउंड्री, हैदराबाद और श्रीमती एल. शारदा, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारिता विभाग, हैदराबाद ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर बैंक की विभिन्न शाखाओं के ग्राहक उपस्थित थे।

सीईओ सीवी राव ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की तत्पश्चात अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने राज्य सरकार के अधिकारियों, बैंक के सभी ग्राहकों का स्वागत करते हुए बैठक का उद्घाटन किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि किस तरह यूसीबीएस को केंद्र सरकार से अधिकतम सहयोग मिल रहा है, खासकर अमित शाह की अध्यक्षता में सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद। श्री वेंकन्ना ने संयुक्त राष्ट्र परिषद द्वारा 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित करने की आवश्यकता और विभिन्न क्षेत्रों में संपूर्ण सहकारिता विभाग 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को कैसे प्राप्त कर सकता है, इस पर विचार-विमर्श किया। श्रीमती आर. संगीता ने अपने भाषण में बताया कि यूसीबीएस अब किसी भी निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से कम नहीं हैं और यूसीबीएस अन्य बैंकों द्वारा दी जा रही सभी सुविधाएं भी प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम का समापन वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम मेंआनंद अग्रवाल डीजीएम और अग्रसेन बैंक के अन्य कर्मचारी भी शामिल हुए।

सिकंदराबाद बंसीलाल पेट अहिल्याबाई होलकर माता की रैली निकाली गई। इस अवसर पर उप-स्थित जिला अध्यक्ष भारत गौड़, श्याम सुंदर गोंड, भाजपा नेता सपना गुप्ता, डिवीजन अध्यक्ष नरेश महेश, दयानंद सत्यनारायण, सुधाकर अश्विनी राम मोहन अनुराधा पिया चिन्नम्मा ब अन्य।

72वें मिस वर्ल्ड ग्रैंड फिनाले का आयोजन 31 मई, 2025 को हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में किया गया। इस कार्यक्रम में दुनिया भर से 108 प्रतियोगियों ने भाग लिया और इसकी सह-मेजबानी मिस वर्ल्ड 2016 स्टेफ़नी डेल वैले और भारतीय प्रस्तुतकर्ता सचिन कुंभार ने की। बॉलीवुड सितारों जैकलीन फर्नांडीज और ईशान खट्टर के शानदार प्रदर्शन ने शाम को चार चांद लगा दिए। जजों के प्रतिष्ठित पैनल में अभिनेता और मानवतावादी सोनू सूद, जिन्हें मिस वर्ल्ड ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड मिला, परोपकारी सुधा रेड्डी और डॉ. कैरिना टायरेल, मिस इंग्लैंड 2014 और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल थीं। मिस वर्ल्ड संगठन की अध्यक्ष जूलिया मॉर्ले ने जूरी का नेतृत्व किया। समारोह में शामिल होते हुए, मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर ने विशेष उपस्थिति दर्ज कराई। उल्लेखनीय है कि कल्पेश शाह को सह-प्रतियोगी मिस स्वप्ना के साथ मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

एस.डी. सिग्नोदिया कॉलेज के एम.बी.ए. विभाग में लैब प्रैक्टिकल की परीक्षा आयोजित

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एस.डी. सिग्नोदिया विभाग में द्वितीय वर्ष के, चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु लैब प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित की गई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में विभाग के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा हेतु दो कक्ष में आज़ाद कॉलेज ऑफ़ मैनेजमेंट के डॉ. नागेश तथा विन्सेंट पी. जी. कॉलेज की श्रीमती भानु यूनिवर्सिटी की ओर से एक्सटर्नल एग्ज़ामिनर थे। अवसर पर कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा विद्यार्थियों को द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में अच्छे नम्बर से उत्तीर्ण होने के साथ साथ डिस्टिंक्शन में उस्मानिया विश्व विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु आग्रह किया तथा उज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रदान की। अवसर पर एम.बी.ए. विभाग की निर्देशिका प्रोफेसर पल्लवी के. रंगनाथ, ए. वेंकटेश, टी. सत्यजीत सिंग, डी. रश्मिता. किरण, डॉ. पद्मजा, सुनयना आदि उपस्थित थे।

प्रेरणा संस्था द्वारा वस्त्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रेस विज्ञप्ति में संस्थापिका एवं संचालिका प्रेरणा संस्था श्रीमती पूजा गुप्ता ने बताया गया कि 31 मई को संस्था द्वारा होम फॉर द डिसेबल्ड में नये वस्त्रौ का वितरण किया गया।

इस अवसर संस्था के कोषाध्यक्ष अक्षत गुप्ता, नेत्रा राज,प्रियांशी, प्रेक्षा आदि उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज चारमीनार शाखा के चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज चारमीनार शाखा के वर्ष 2025-27 के लिए चुनाव चुनाव अधिकारी शशिकांत अग्रवाल द्वारा सम्पन्न करवाये गये। यह चुनाव रिकाबगंज स्थित टीटीसी शॉप, (हरिप्रसाद अस्पताल के पीछे)(तरुण तुलस्यान ऑफिस) में निर्विरोध संपन्न हुए। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सर्वप्रथम बैठक में गुलजार हौज कीअग्निदुर्घटना में मारे गये लोगों के प्रति 2 मिनट का मौन धारण कर श्रंद्धाजलि दी गई। तत्पश्चात चुनाव अधिकारी ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए तरुण तुलसियान, उपाध्यक्ष कमल कुमार गर्ग, मंत्री रिंकू अग्रवाल, सह मंत्री रितेश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुमीत अग्रवाल बने। केंद्रीय समिति सदस्य के रूप में नवीन कुमार अग्रवाल चयनित हुए। अध्यक्ष तरुण तुलसियान ने बताया कि जल्द ही कार्यकारिणी सदस्यों, युवा और महिला समिति का गठन किया जाएगा। शाखा द्वारा कई सामाजिक योजना और कार्यक्रम भी करवाए जाएंगे। मंत्री रिंकू अग्रवाल ने सभी का आभार प्रकट किया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शनिवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य एवं अन्य उपस्थित थे।

मुकदमों का कोई डर नहीं : कविता

मंचेरियाल,31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मुकदमों का कोई डर नहीं है..एमएलसी कलवकुंटला की कविता पीड़ित के : कांग्रेस सरकार में अवैध मामले जागृति अध्यक्ष और एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने कहा कि डरने की कोई बात नहीं है। उन्होंने स्पर का दौरा किया। हाल ही में सीसीसी नासपुर पुलिस ने जागृति के जिला अध्यक्ष कंडुला प्रशांत को गिरफ्तार किया था.श्रीरामपुर: कांग्रेस सरकार में अवैध मामलेजागृति अध्यक्ष और एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने कहा कि डरने की कोई बात नहीं है। उन्होंने स्पर का दौरा किया। सीसीसी नासपुर पुलिस ने हाल ही में जागृति जिला अध्यक्ष कंडुला प्रशांत के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस अवसर पर वह उनके गांव श्रीरामपुर स्थित उनके आवास पर गईं और उनसे तथा उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि लोगों को अवैध मामलों से डरना नहीं चाहिए और पार्टी तथा वह उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह जागृति नेताओं और कार्यकर्ताओं को मुकदमों की धमकी नहीं दे सकते और वह किसी भी समय उपलब्ध रहेंगे। बाद में नासपुर कॉलोनी उन्होंने तेलंगाना थल्ली की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके गांव श्री रामपुर में प्रशंसकों ने कविता का फूलमालाओं से स्वागत किया, जबकि महिलाओं ने भी उनका फूलमालाओं से स्वागत किया। इस कार्यक्रम में जागृति के जिला अध्यक्ष कंडुला प्रशांत, सिंगरेनी जागृति श्री रामपुर के संयोजक कुर्मा विकास और कार्यकर्ता रत्नाकर रेड्डी, थोंगला रमेश और विनय ने भाग लिया।पत्रकार मुनीर के परिवार के प्रति संवेदना : एमडी, जिला मुख्यालय के एक वरिष्ठ पत्रकार। मुनीर का पिछले शनिवार को निधन हो गया था। शुक्रवार को मुनीर की पत्नी रिजवाना, बेटे मयूर, बेटियों मुजीबा, रेशमा, तनवीर गौसिया और छोटे भाइयों संदानी और मोहिउद्दीन को एमएलसी ने उनके आवास पर सुपुर्द-ए-खाक किया।कविता ने दौरा किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुनीर ने तेलंगाना आंदोलन में बहुत योगदान दिया था। आईएनटीयू नेता ब्रह्मानंदम ने भाग लिया।लैक्सेटिपेट में..लक्सेटिपेट: एमएलसी कविता शुक्रवार को मंचेरियल का दौरा करेंगी हैदराबाद जाते समय वे लक्सेट्टीपेट कस्बे में रुके। कस्बे की जागृति नेता निशा और सेवानिवृत्त कर्मचारी विजयसारथी ने उनके घर जाकर बात की। इस कार्यक्रम में जन्नाराम के पूर्व जेडपीटीसी, एर्राम चंद्रशेखर और नेताओं ने भाग लिया।व्यक्तिगतगुलाब की पंक्तियों के बीच की दूरी..टीबीजीकेएस कविता दौरे पर बीआरएस में शामिल बीआरएस और टीबीजीकेएस नेता कविता के दौरे से दूर रह रहे हैं। जब वह, जो टीबीजीकेएस की मानद अध्यक्ष हैं, सिंगरेनी क्षेत्र के दौरे पर गईं, तो कोई भी नेता वहां मौजूद नहीं था। यहां तक कि विनम्र तरीके से भी मुलाकात न हो पाना सिंगरेनी में चर्चा का विषय बन गया है। अतीत में जब वह सिंगरेनी क्षेत्रों का दौरा करती थीं तो उनके साथ श्रमिकों और श्रमिक नेताओं का एक बड़ा काफिला होता था। कहने की जरूरत नहीं कि नेतागण जल्दबाजी में थे। लेकिन आज कोई जयकारे नहीं थे। इस बात पर बहस चल रही है कि क्या वह अपनी टिप्पणियों के मद्देनजर खुद को पार्टी से अलग कर रही हैं।

समझौतों का क्रियान्वयन किया जाना चाहिए : डागिरी सत्तय्या

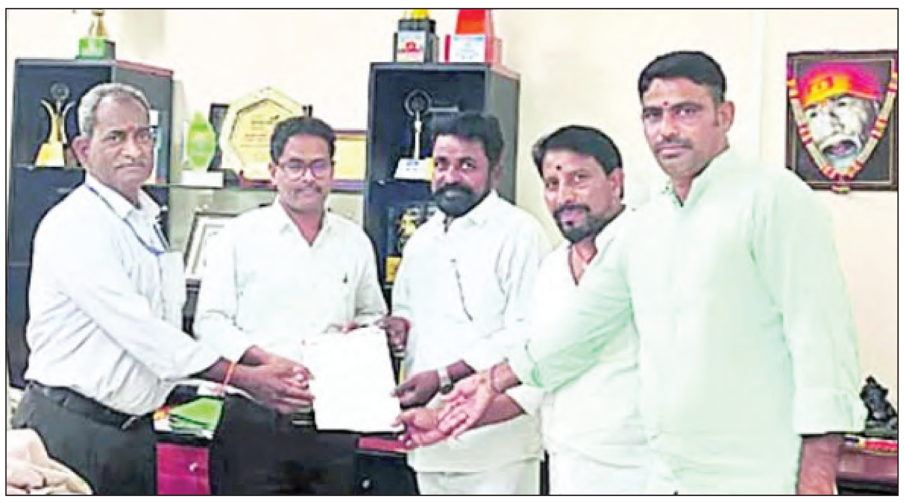

जयपुर,31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के प्रदेश अध्यक्ष या डागिरी सत्ताइया ने सिंगरेनी थर्मल पावर प्लांट में ठेका श्रमिकों की समस्याओं को लेकर हैदराबाद में केंद्रीय उप श्रम आयुक्त के साथ कई बार हुए समझौतों को तुरंत लागू करने की मांग की है। जयपुर सिंगरेनी थर्मल पावर प्लांट के ईडी चिरंजीवी और जीएम श्रीनि वासुलू को बीएमएस के तत्वावधान में कार्मिक मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा गया। बाद में उन्होंने बीएमएस से संबद्ध एसटीपीपी के महासचिव दुस्सा भास्कर से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि यदि समझौते के अनुसार कैंटीन सुविधाएं प्रदान की जात तो भी उन्हें रियायती दरों पर जारी रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यद्यपि अपनी भूमि खो चुके विस्थापित लोगों को नौकरियां प्रदान की गई हैं, लेकिन उन्हें शैक्षिक योग्यता के अनुरूप नौकरियां दी जानी चाहिए तथा संयंत्र में काम करने वाले श्रमिकों को बस सुविधा प्रदान की जानी चाहिए।

उन्होंने अनुरोध किया कि 5000 रुपये का अतिरिक्त भत्ता दिया जाए। प्रत्येक कर्मचारी को 5,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा, तथा आकस्मिक अवकाश, बीमारी अवकाश, सवेतन अवकाश और खेल दिवस का भुगतान पीएचडी के समान किया जाएगा।

राजीव युवा विकासम ऋण केवल योग्य लोगों के लिए : विवेक वेंकटस्वामी

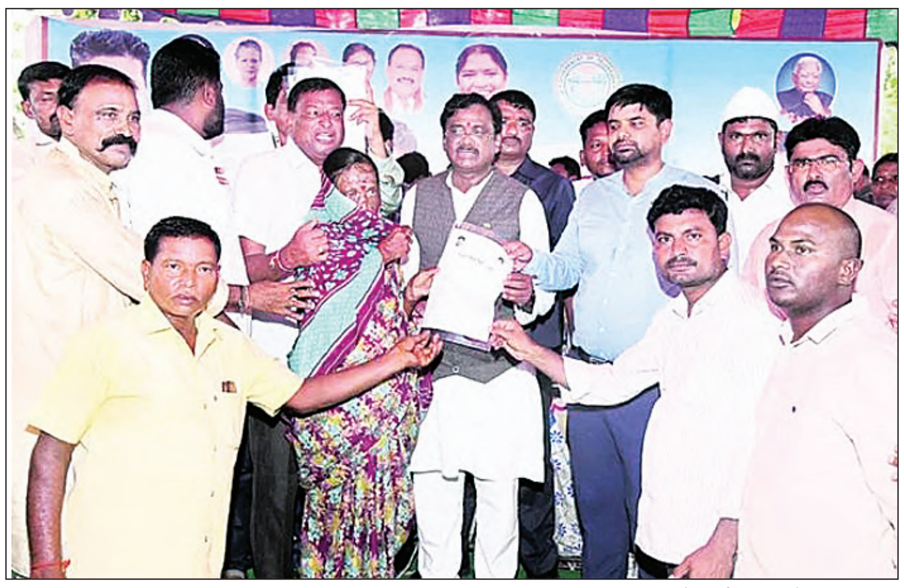

भीमाराम/जयपुर ,31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

चेन्नूर विधायक गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि सरकार केवल उन लोगों को राजीव युवा विकासम ऋण प्रदान करेगी जो पात्र हैं. उन्होंने भीमाराम मंडल केंद्र के रायथु वेदिका में राजीव युवा विकासम और इंदिरम्मा हाउस द्वारा आयोजित एक बैठक में भाग लिया। जयपुर मंडल के शेतपल्ली में कलेक्टर कुमार दीपक के साथ मंडल के 588 इंदिराम्मा आवास लाभार्थियों को स्वीकृति दस्तावेज सौंपे गए। इस अवसर पर बोलते हुए विधायक ने कहा कि वह राजीव युवा विकासम योजना बिल्कुल भी शामिल नहीं होंगे और आवेदन करने वालों के सीआईबीआईएल स्कोर सहित कई कारकों को ध्यान में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लोगों को इंदिराम्मा आवास स्वीकृत किए जाएंगे तथा सुझाव दिया कि यदि ऐसे गरीब लोग हैं, जिन्हें प्रथम चरण में आवास स्वीकृत नहीं किए गए हैं, तो इस बात को उनके ध्यान में लाया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम में जयपुर के तहसीलदार वनजा रेड्डी, एमपीडीओ सत्यनारायण, एमपीओ श्रीपतिबापू राव, डीसीसी जिला महासचिव रिक्कुला श्रीनिवास रेड्डी, नेता चल्ला सत्यनारायण रेड्डी, अन्नम वेंकटन्ना, किरणगौड़, विश्वंभर रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

अहिल्यादेवी होलकर की त्रिशताब्दी वर्ष पर सरकार द्वारा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन

किनवट,31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

विधायक भिमराव केराम ने कहा की अपने जीवन में तमाम परेशानिया झेलने के बाद जिस तरह पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर ने आदम्य नारी शक्ती का इस्तेमाल किया था वो काफी प्रशंसनीय है अहिल्यादेवी कई महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत है राजमाता केवल एक शासिका नहीं बल्की वे जनहित में सतत सजग थी उन्होंने देश में कई घाटो, मंदिरो का जीर्णोद्धार, धर्मशालाए, अन्न सत्र और प्याऊ का निर्माण भी कराया था अहिल्यादेवी के आदर्श, मानवीय दृष्टीकोन को देखते हुए किनवट मं उनकी प्रतिमा भी लगवाई जाएगी ऐसा उन्होंने व्यक्त किए किनवट स्थित अहिल्यादेवी होलकर चौक पर अहिल्यादेवी जयंती उत्सव समिती द्वारा आयोजित समारोह में वे संबोधित कर रहे थे विधायक केराम आगे कहा अहिल्यादेवी होलकर की त्रिशताब्दी वर्ष मनाते समय सरकार ने अनेक उपक्रम और कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है सरकार महापुरुषो की सम्मान और समाज के प्रति अपना की भाव रखती है आज 300 वी जयंती पर समाज की मांग को देखते हुए विधायक केराम ने कहा की अगले वर्ष तक अहिल्यादेवी की प्रतिमा किनवट मे स्थापना होगी।

ऐसा आश्वासन भी दि इस अवसरपर रांका शरद पवार गुट की नेता श्रीमती बेबीताई प्रदीप नाईक, शिवसेना ठाकरे गुट जिला प्रमुख ज्योतिबा खराटे, भाजपा जिलाध्यक्ष एड किशोर देशमुख, भाजपा नेता सुधाकर भोयर,जिप पुर्व उपाध्यक्ष समाधान जाधव, रांका शरद गुट तहसील अध्यक्ष प्रकाश राठोड, माहुर नगराध्यक्ष फेरोज दोसानी, पुर्व नगराध्यक्ष के मूर्ती अण्णा, कांग्रेस युवा नेता डॉ निरंजन केशवे, भाजपा नेता राघुमामा,जिप पुर्व सदस्य बंडुसिग नाईक , डॉ वसंत बामणे आदि मान्यवर मंचपर उपस्थित थे प्रारंभ मे पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर की त्रिशताब्दी निमित्त उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर मान्यवरोने अभिवादन किया गया तदपश्चात कुमारी सायली,वेदीका ने अहिल्यादेवी जीवन पर प्रकाश डाले और बालाजी बामणे ने अहिल्यादेवी की प्रतिमा मांग रखी थी इस अवसरपर वैजनाथ करपुडे, सुनील पाटील, जहिरखान, गजानन मुंडे, अनिल पाटील, राहुल नाईक, नविन राठोड, आनंद मच्छेवार, गिरीश नेमानीवार,सुरज सातुरवार,प्रा किशन मिराशे,,अभय महाजन, मारोती दिवसे,मुसाखान, मारोती सुंकलवाड,अजय कदम, आशिष कराले,एड राहुल नाईक, भावना दिक्षित,सागर ताई शिंदे, दगडू भरकड, गंगुबाई परेकार, शंकर भंडारे,प्रमोद पोहरकर, प्रदीप वाकोडीकर,एड मिलिंद सरपे, गोकुल भवरे,राजू सुरोशे, निलकंठ मस्के,राजु सौदलकर, व्यंकट मुंडकर, प्रकाश ठोंबरे, मनोहर दबडे,भिंगे, नरोटे सर विलास गावडे, प्रवीण म्याकलवार, संतोष मरस्कोले, संतोष पवार,समेत पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन रमेश मुंडकर, दुर्गादास राठोड ने आभार आरोग्य दूत अमन कुडगीर ने माना जयंती सफलता के लिए कृउबा संचालक बालाजी बामणे,अमन कुडगीर, आशुतोष ठोंबरे,माधव नरोटे, मनोहर श्रीरामे, शिवम देवकाते, संग्राम शेवाले, सुमित नरोटे, विनोद देवगुडे,दया कवडे,सुरज चामणार,मंगेश गडदे,बली शिंदे,आकाश कुडगीर,समेत समाज के युवा ओने परिश्रम लिए थे इस समय पहलगाम के शहिदो को श्रध्दांजली अर्पण किया गया।

लोकमाता अहिल्या बाई होलकर प्रतिमा का अनावरण किया गया

मदनूर,31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मदनूर मंडल थडी हिपरगा गांव में लोकमाता अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर और घुड़सवारी प्रतिमा को स्थानिक सदगुरू 108 मल्लिकार्जुन महाराज खतगांवकर व परम पूज्य श्री बास्वलिंग स्वामीजी, ज़हराबाद विस क्षेत्र के पूर्व संवसद बि बि पाटील, जुक्कल विस क्षेत्र के पूर्व विधायक हणमंत शिंदे,सौदागर गंगाराम, जनता व प्रतिष्ठित नागरिकों के समक्ष लोकमाता के चित्र पठ को पूज्यारच्यना करने के बाद ध्वजा रोहन किया गया इस के बाद अहिल्या बाई होलकर के प्रतिमा का अनावरण किया गया इस समय हर एक व्यक्तियों ने अपने विचार रखते हुए बताए को हम सब लोगों को अहिल्या बाई होलकर के विचारों पर चलना चाहिए इस समय साल्बतपुर हनुमान मंदिर अध्यक्ष राम पाटील, मदनूर कृषि बाजार समिति उप अध्यक्ष परमेश पाटील, मदनूर व डोंगली सोसायटी अध्यक्ष श्रीनिवास पाटील, राम पाटील पूर्व सोसायटी अध्यक्ष पंडित राव पाटील, दत्तात्रेय जुबेर, अनिल, रघुनाथ भुरले सर, अशोक जुबेर, विनायक, दत्तात्रेय पाटील सूर्यवंशी के साथ अन्य लोग उपस्थित थे

प्रशिक्षण के विषयों को छात्रों को समझाया जाना चाहिए : डीईओ

मंचेरियाल,31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

डीईओ यदय्या ने शिक्षकों को सरकार द्वारा बड़ी महत्वाकांक्षा के साथ आयोजित प्रशिक्षण में सीखे गए विषयों को छात्रों को समझाने की सलाह दी।

शिक्षण कौशल पर तीन चरणीय प्रशिक्षण शुक्रवार को संपन्न हुआ। इस अवसर पर सैकुंटा राजकीय उच्च विद्यालय में शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षण एवं अधिगम विधियों के अतिरिक्त शिक्षकों को जीवन कौशल, मानव तस्करी, साइबर तस्करी, आत्मविश्वास, भविष्य, हार्टफुलनेस के माध्यम से ध्यान जैसे अनेक विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया है।व्यक्तिगतडीईओ ने प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले चार प्रशिक्षुओं और प्रशिक्षण का सफलता पूर्वक संचालन करने वाले डीआरपी को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्रभारी वेंकटस्वामी ने भाग लिया।

भू-भारती ग्राम सम्मेलनों का लाभ उठाएं : एम.डी.मुजीब

मदनूर,31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मंडल तहसीलदार एमडी मुजीब ने शनिवार के दिन एक प्रेस विज्ञापन में बताए की तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा लाए गए नए भू भारती अधिनियम के कार्यान्वयन के अवसर पर 3 जून से मदनूर मंडल के 23 गांवों में भू भारती किसान सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। ये सम्मेलन 3 से 20 जून तक प्रत्येक गांव में आयोजित किये जायेंगे। यदि भूमि अधिकारों में कोई त्रुटि है (पासबुक में नाम गलत दर्ज है, भूमि क्षेत्र गलत दर्ज है, भूमि किसी अन्य व्यक्ति के खाते में गलत दर्ज है, आदि) तो अभिलेखों की जांच की जाएगी तथा उन्हें सही करने के लिए अन-रोध प्राप्त किए जाएंगे तथा समस्या के समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे।जिन लोगों के पास भूमि अधिकार हैं, लेकिन वे पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें अधिनियम के लागू होने की तारीख से 12 महीने के भीतर अभिलेखों में पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। लंबित सादे शीर्षक आवेदनों का समाधान।विरासत या वसीयत से यदि भूमि पर अधिकार हस्तांतरित किए गए हैं, तो उनकी जांच की जाएगी और उनका समाधान किया जाएगा। उन लोगों के लिए भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे जिन्होंने पहले से ही निषिद्ध सूची (पीओटी अधिनियम) के तहत सौंपी गई भूमि पर भूमि अधिकार प्राप्त कर लिया है और यदि उनकी भूमि गलत तरीके से पंजीकृत है, रिकॉर्ड में पंजीकृत नहीं है, या कोई समस्या है। सिविल या राजस्व न्यायालय का निर्णय, लोक अदालत का अवार्ड, निर्दिष्ट टाइटल डीड, 38ई प्रमाण पत्र, 13बी प्रमाण पत्र, ओ.आर. यदि अधिकारों का हस्तांतरण डीड, बिक्री प्रमाण पत्र आदि के माध्यम से किया जाता है, तो उनकी जांच की जाएगी और रिकॉर्ड के अनुसार उनका समाधान किया जाएगा। यदि भूमि स्वामित्व धारक को लगता है कि भूमि का क्षेत्रफल अभिलेखों में दर्ज क्षेत्रफल से कम है, तो उसे सही करने के लिए आवेदन किया जाता है। तहसीलदार ने अनुरोध किया कि उपरोक्त मुद्दों पर गांवों में आयोजित भू भारती किसान सम्मेलनों में सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार आवेदन प्राप्त किए जाएंगे और उनका निराकरण किया जाएगा तथा मंडल के किसान इन सम्मेलनों का लाभ उठाएं।

दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी

मदनूर,31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मदनूर मंडल सलबतपुर गांव के हनुमान मंदिर में शनिवार के दिन सुबह स्थानिक पुरोहित द्वारा हनुमानजी को महा अभिषेक हनुमान च्यालिसा का पाठ पढ़ने के बाद महा आरती उतरी गई।

इस समय मंदिर में भक्तो भीड़ नजर आई दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर तेलंगाना महाराष्ट्र कर्नाटका राज्य के सीमा पर रहने से हर शनिवार को तीन राज्य के भक्तो ने दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में आकर अपना मन्नत पूरी करते है आज देखा।

ज्याय तो मंदिर परिसर में भक्तो द्वारा सत्यनारायण पूजा के साथ जगह जगह पर महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

CHANGE OF DOB

I, MEENA DEVI Spouse of Service No. JC 289722H Sub RamjeevanSah, R/o. Vill: SisawaMangal, PO:DalpatBishunpur, Teh:Dhaka, Dist:East Champaran, Bihar-845427 have changed my Date of Birth from 11-06-1977 to 11-06-1980 vide affidavit dt:27-5-2025 before M.B Santosh Kumar, Advocate and Notary, Secunderabad.

अगली पीढ़ी के मानव रहित विमान, ड्रोन राडार, बमों का परीक्षण कर रही है सेना

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारतीय सेना अगली पीढ़ी की कई रक्षा प्रौद्योगिकी का कई परीक्षण क्षेत्रों में करीब-करीब युद्ध जैसी परिस्थितियों में परीक्षण कर रही है।

राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज, मध्य प्रदेश के बबीना फील्ड फायरिंग रेंज और उत्तरा खंड में जोशीमठ सहित देश में विभिन्न परीक्षण स्थानों पर मानवरहित हवाई प्रणालियों, ड्रोन, आड़े-तिरछे उड़ान पथ से प्रहार करने वाले बम, कम ऊँचाई वाले वायु क्षेत्र पर निगाह रखने वाले आधुनिक राडार आदि के परीक्षण किये जा रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सेना व्यापक प्रतिरक्षा क्षमताओं के विकास और परीक्षण कर रही है। इनमें बड़ी संख्या में रक्षा निर्माण इकाइयां भी भाग ले रही हैं।

आगरा और गोपालपुर में विशेष वायु रक्षा उपकणों का प्रदर्शन किया जायेगा। इन अभियानों में करीब-करीब वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के प्रदर्शन का बारीकी से आकलन किया जा रहा है। इन परीक्षणों में अलग अलग इलेक्ट्रानिक सिमूलेशन को समन्वित कर नयी विकसित प्रौद्योगिकियों की क्षमता का आकलन किया जा रहा है।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मंगलवार को बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में चल रहे परीक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा सभी हितधारकों के साथ बातचीत की। मंत्रालय ने कहा है कि ये परीक्षण भारतीय सेना के परिवर्तन के दशक

की वृहद योजना में एक महत्वपूर्ण कदम है और इनका उद्देश्य उभरती युद्धक परिस्थितियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का तेजी से समावेशन सुनिश्चित करना है।

विज्ञप्ति के अनुसार इन परीक्षणों में अगली पीढ़ी की मानवरहित हवाई प्रणालियां (यूएएस), यूएवी लॉन्च्ड प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन (यूएलपीजीएम), रनवे इंडिपेंडेंट (आरडब्ल्यूआई), रिमोटली पायलटेड एरियल सिस्टम (आरपीएएस), यूएएस मारक समाधान, यूएवी बम, सीधे ऊंचाई प्राप्त करने वाले स्पेशलाइज्ड वर्टिकल लॉन्च (एसवीएल) ड्रोन, सटीक बहुयुद्धक सामग्री वितरण प्रणालियां, एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीआईएस), निम्न ऊंचाई पर वायु क्षेत्र की निगरानी के लिये हल्के वजन वाले रडार, वीएसए-चओआरएडीएस (अगली पीढ़ी के) आईआर सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

सीडीएस के खुलासे के बाद सैन्य कार्रवाई पर देश को जवाब दे सरकार : खरगे

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि है कि सिंगापुर में प्रमुख सेना अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को लेकर जो कुछ कहा है उससे साफ हो गया है कि देश को गुमराह किया जा रहा है इसलिए सरकार को पहलगाम आतंकी हमले के बाद की पूरी स्थिति पर संसद का विशेष सत्र बुलाकर देश की जनता को जवाब देना चाहिए।

श्री खरगे ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई से जुड़े मुद्दे का कोहरा अब छंट रहा है। सिंगापुर में सीडीएस के साक्षात्कार के बाद कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े हुए हैं और इन सवालों को पूछना आवश्यक हो गया है इसलिए सरकार को तुरंत संसद का विशेष सत्र बुलाकर इन सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सैन्य कार्रवाई को लेकर अब जो परतें खुलकर सामने आ रही हैं उनसे साफ है

कि मोदी सरकार ने देश को गुमराह किया है। सीडीएस ने सिंगापुर में एक साक्षात्कार में कहा है कि हमारे वायुसेना के पायलट दुश्मन से लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। हमें कुछ नुकसान जरूर हुआ लेकिन हमारे पायलट सुरक्षित हैं। हमारे सभी जेट विमानों ने निशाना बनाते हुए लंबी दूरी की उड़ान भरी। कांग्रेस अध्यक्ष ने सेना के दृढ़ साहस और बहादुरी को सलाम करते हुए कहा कि सैन्य कार्रवाई के बाद पूरी स्थिति पर एक व्यापक रणनीतिक समीक्षा समय की मांग है। उनका कहना था कि कारगिल युद्ध के समय एक समीक्षा समिति गठित की गई थी और उसकी तर्ज पर आज भी एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति बनाई जानी चाहिए जो हमारी रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा करे।

सैन्य कार्रवाई के बीच में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के युद्ध विराम कराने के दावे पर सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि श्री ट्रम्प अपने दावे को बार बार दोहरा रहे हैं। यह शिमला समझौते का सीधा उल्लंघन है। आश्चर्य इस बात का है कि श्री ट्रम्प के बार-बार के दावों और अमेरिकी वाणिज्य सचिव द्वारा अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में दायर हलफनामे को स्पष्ट करने के बजाय श्री मोदी चुनाव में व्यस्त हैं, हमारे सशस्त्र बलों की वीरता का व्यक्तिगत श्रेय ले रहे हैं और उनकी बहादुरी के पीछे छिपकर सहमत सैन्य कार्रवाई रोकने की रूपरेखा को चकमा दे रहे हैं। सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा हमारे विदेश सचिव ने श्री ट्रम्प के ट्वीट के बाद की थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि देश के 140 करोड़ नागरिकों को यह जानने का हक है कि सरकार बताए कि क्या भारत और पाकिस्तान फिर से एक हो गए हैं और सैन्य कार्रवाई रोकने के समझौते की शर्तें क्या हैं।

आत्मनिर्भरता पर जोर देने के कारण ही ऑपरेशन सिंदूर चलाया जा सका: सीतारमण

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि वर्ष 2014 से प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता पर जोर देने के कारण ही 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया जा सका क्योंकि यह उस सरकार के बिल्कुल विपरीत था जिसने कहा था कि उसके पास रक्षा खरीद के लिए पैसे नहीं हैं।

श्रीमती सीतारमण ने यहां 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद व्याख्यान के 60 वर्ष'पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि चाहे वह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी हों या फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का नेतृत्व, इन दोनों प्रख्यात नेताओं के नेतृत्व में हर सरकारी नीति एकात्म मानववाद को प्रतिबिंबित

करती रही है।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अनुसार राष्ट्रीय रक्षा प्रदान करना राष्ट्र के लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक था। वित्त मंत्री ने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय चाहते थे कि योजना बनाते समय हमें व्यवस्था के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को ध्यान में रखना चाहिए ताकि उसकी गरिमा को बरकरार रखते हुए उसका उत्थान किया जा सके।

उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' वही है जो आप अंत्योदय में विश्वास करते हैं। यदि सभी को गरीबी से बाहर निकाला जाता है तो उन्हें रोजगार देना है, उन्हें एक निश्चित जीवन स्तर देना है और उन्हें मूलभूत बुनियादी आवश्यकताओं तक पहुंच प्रदान करना है जिसके परिणामस्वरूप वे पहले की तुलना में ऊपर उठ जाते हैं और देश की उत्पादक क्षमताओं तक उनकी पहुंच अधिक हो जाती है। अंतत: देश का उत्पादन स्तर भी बढ़ता है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'भारतीय प्रौद्योगिकी' के निर्माण के उद्देश्य से रोजगार सृजन के लिए नीति निर्माण में 7 एम को शामिल करने पर जोर दिया जिनमें मैन,मनी, मटेरियल, मैनेजमेंट, मोटिव, मार्केट और मशीन शामिल है।

देश में कोराना के 3395 मामले, पिछले 24 घंटे में चार मरीजों की मौत

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। देशभर में कोराना से संक्रमित मामलों में तेजी देखी जा रही है, शनिवार सुबह तक कोराना संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 3395 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से चार मरीजों की मौत हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर जारी आंकड़ों के अनुसार कुल 3395 सक्रिय मामले है। अभी तक 1435 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 26 लोगों की मौत हुयी है। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 685 सक्रिय मामले सामने आये हैं और 265 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिली है लेकिन इस अवधि के दौरान चार लोगों की जान चली गयी। राष्ट्रीय राजधानी के अलावा कर्नाटक, केरल और उत्तर प्रदेश में एक-एक मरीज की कोरोना से मौत हुई है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज दोहराया कि देश में कोविड संक्रमण की स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है और लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं हैं। कुल सक्रिय मामलों के सबसे अधिक 1336 केरल में और उसके बाद 467 महाराष्ट्र में हैं। दिल्ली में 375 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, गुजरात में 265, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185, उत्तर प्रदेश में 117, राजस्थान में 61, पुड्डुचेरी में 41, हरियाणा में 26, आंध्र प्रदेश में 17, मध्य प्रदेश में 16, गोवा से आठ, ओडिशा में सात, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ से छह-छह, पंजाब में पांच, उत्तराखंड, मिजोरम और असम में दो-दो और चंडीगढ़ में कोरोना का एक सक्रिय मामला है।

बाघ और तेंदुए लगातार ले रहे हैं इंसानी जान

समाधान के नाम पर सिर्फ मुआवजा

लखनऊ, 31 मई (एजेंसियां)। यूपी में बाघ और तेंदुए लगातार इंसानी जान ले रहे हैं। सिर्फ 2024-25 में इनके हमलों से 61 घायल हुए हैं और 92 लोगों की मौत हुई है। साल दर साल बाघों और तेंदुओं के हमले में इंसान मारे जा रहे हैं। पिछले तीन साल में मृतकों की संख्या एक दशक के अपने सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गई है। 2024-25 में ही मानव-वन्यजीव संघर्ष के कारण 61 घायलों और 92 मृतकों के परिजनों को 2.39 करोड़ रुपए का मुआवजा देना पड़ा। बहराइच से लेकर बिजनौर तक ये घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या सिर्फ मुआवजे को समाधान मान लेना चाहिए या इस मुसीबत का कोई मुकम्मल हल ढूंढा जाएगा।

पिछले एक पखवाड़े के भीतर पीलीभीत, खुटार (शाहजहांपुर) और बहराइच में बाघों और तेंदुए के हमले में चार लोगों की जान चली गई। इनमें कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के अयोध्या पुरवा निवासी जाहिरा भी शामिल हैं, जो अपने घर की छत पर सो रही थीं। आधी रात के बाद तेंदुआ उन्हें उठा ले गया। इसी तरह से पीलीभीत में जंगल के किनारे खेत में गन्ने के फसल की निराई कर रही खिरकिया की लौंगश्री को बाघ ने मार डाला। खुटार में भी बाघ ने दो लोगों की जान ले ली। मतलब, घर से लेकर खेत तक लोग दहशत और खतरे की जद में हैं। अगर इन घटनाओं की और अधिक भयावहता पर नजर डालें तो पाते हैं कि तेंदुओं ने वर्ष 2023 में बिजनौर में फरवरी से अगस्त के बीच ही 13 लोगों को मार डाला था। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2024-25 में मानव-वन्यजीव संघर्ष के चलते 60 लोगों ने जान गंवाई, जबकि 220 घायल हुए। ये 60 लोग कतर्नियाघाट, साउथ खीरी, बहराइच, नॉर्थ खीरी और बिजनौर के इलाकों में मारे गए। वहीं, घायल होने की घटनाएं कतर्नियाघाट, नॉर्थ खीरी, पीलीभीत, बहराइच और बिजनौर में हुईं।

स्थिति यह है कि यूपी के जंगलों में जैसे-जैसे तेंदुओं और बाघों की संख्या बढ़ रही है, वैसे-वैसे मानव वन्यजीव संघर्ष भी बढ़ रहा है। वर्ष 2012-13 में जहां मानव-वन्यजीव संघर्ष में 22 लोग मारे गए थे और 42 घायल हुए थे, वहीं अब मृतकों के मामले में यह आंकड़ा 3 गुना से ज्यादा और घायलों के मामले में 5 गुना हो गया है।

यूपी में वर्ष 2018 में 173 बाघ थे, जिनकी संख्या 2022 की गणना में बढ़कर 205 हो गई। 2022 की वन विभाग की गणना के अनुसार, यूपी में 848 तेंदुए थे, लेकिन विभाग के ही कुछ अधिकारी इस गणना पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि इसमें गन्ने के खेत में रहने वाले तेंदुओं की गिनती शामिल नहीं है। करीब एक हजार तेंदुए तो बिजनौर में ही जंगल से बाहर इन खेतों में बताए जाते हैं।

हरदोई में कार खाई में पलटी पांच मरे, छह गंभीर

हरदोई, 31 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के मझिला क्षेत्र में शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में पिता पुत्र समेत पांच लोगों की मौत हो गई जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह हादसा मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम भुप्पा पुरवा मोड़ के पास तड़के करीब तीन बजे हुआ जब आलमनगर मार्ग पर भुप्पा पुरवा मोड़ पर तेज़ रफ़्तार आर्टिका कार अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई।

उन्होने बताया कि पाली थाना क्षेत्र के पटियानीम गांव निवासी नीरज की बारात कुसुमा गांव गई थी।

विवाह समारोह के पश्चात बाराती घर वापस लौट रहे थे कि यह हादसा हो गया। हादसे में कार में जितेंद्र, आकाश, सिद्धार्थ,रामू, जौहरी और छह अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार के अंदर फंसे सभी घायलों को निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहाबाद में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने जितेंद्र, उसके पुत्र सिद्धार्थ, रामू, आकाश और जौहरी को मृत घोषित कर दिया जबकि छह अन्य की हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

शुभ लाभ

।। श्री महेश्वराय नमः ।।

तेलंगाना - आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

(अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा से संबंधित)

तेलंगाना - आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन
तेलंगाना - आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन

हैदराबाद - सिकंदराबाद (जिला) माहेश्वरी सभा

(तेलंगाना-आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा से संबंधित)

हैदराबाद - सिकंदराबाद (जिला) माहेश्वरी महिला संगठन
हैदराबाद - सिकंदराबाद (जिला) माहेश्वरी युवा संगठन

के संयुक्त तत्वावधान में

महेश 2025 महोत्सव

एक सम्पूर्ण पारिवारिक सामाजिक सांस्कृतिक उत्सव

आज रविवार दि. 1 जून 2025
रात्रि 7.01 बजे से
आमंत्रित स्थल :
एक्जीबिशन ग्राऊण्ड
नामपल्ली, हैदराबाद

भव्य शोभा यात्रा : आज रविवार दि. 1 जून 2025 अपरान्ह 3.31 बजे माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार से कार्यक्रम स्थल एक्जीबिशन (नुमाईश) ग्राउण्ड पहुँचेगी।

मुख्य कार्यक्रम : सायं 7.01 बजे से मंचीय कार्यक्रम, अलौकिक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भगवान महेश की महा-प्रसादी

मुख्य अतिथि ---------- विशिष्ट अतिथि ----------

श्री संदीपजी काबरा
सभापति :
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

श्री प्रसूनजी काबरा
IRS, Commissioner of Income Tax, Hyderabad

श्री साईप्रसादजी धूत
IRS, Deputy Commissioner of Income Tax, Hyderabad

श्री शेखरजी मूंदड़ा
अध्यक्ष-महाराष्ट्र गो सेवा आयोग, पुणे, महाराष्ट्र
(राज्य मंत्री का दर्जा-महाराष्ट्र सरकार)

श्रीमती भगवतीजी बल्दवा
सी.एम.डी :
कार्तिकेय ग्रुप ऑफ इन्डस्ट्रीज

श्री अरुणकुमारजी भांगडिया
उप सभापति (दक्षिणांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

प्रधान संयोजक : संजय लाहोटी

सपरिवार पधारो सा.. आपणे त्यूंहार नै मनावाणनै सगला माहेश्वरी परिवार ने आदरपूर्वक सिगरी नूंत्तो..

महासभा कार्यसमिति सदस्य
महेश बल्दवा, रमेश परतानी, CA नारायणदास बंग

दक्षिणांचल चुनाव प्रभारी
ओमप्रकाश मोदानी

दक्षिणांचल संयुक्त मंत्राणी
रेणु सारडा

विशेष विनती : हमारे व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण पत्रिका पहुँचाने के भरपूर प्रयास के बावजूद, यदि किसी समाज बन्धु तक पत्रिका नहीं पहुँची हो, तो कृपया इस ऐड को हमारा सस्नेह निमंत्रण मानकर सभी माहेश्वरी बंधु सपरिवार अपनें इस कार्यक्रम में अवश्य पधारें !

महासभा कार्यकारी मण्डल सदस्य : कैलाश डालिया, रामकिशोर बजाज, CA कन्हैयालाल राठी, बिजय मानधना, गोपाल सोमानी, राजेशकुमार मालपानी, श्यामसुन्दर बियाणी, भगवान पंसारी, सम्पत तोष्णीवाल (RKT), गोपाललाल बंग, प्रभुदयाल जाखोटिया, नारायणदास मालाणी, राजेंद्रप्रसाद राठी, श्रीनिवास लोया, संपत कांकाणी, महेशकुमार चाण्डक, मुकुंदलाल बाहेती, राधेश्याम राठी, मनोजकुमार सोमानी, कमलनारायण राठी, भरत जाजू, संजय लाहोटी, जगदीश झँवर, बुद्धिप्रकाश तोष्णीवाल, तरुणकुमार झँवर, रमेश कलंत्री, वुेणगोपाल तोतला, रुपेश सोनी, अनिरुद्ध कांकाणी, पुरुषोत्तम सोमाणी, ओमनारायण अट्टल, कुंजबिहारीलाल मूंदडा, कमलकिशोर इन्नाणी (निजामाबाद), रमेश बांगड, अशोककुमार मानधना (विशाखापटनम्), बालाप्रसाद सोनी (बेल्लमपल्ली), रमेशचंद बंग (वरंगल)

संयोजकगण : रामदेव राठी, लक्ष्मीकांत भक्कड़, रमेश लोया, विनय बल्दवा, वरुण मालपानी, राजगोपाल राठी, पवन परतानी, विजय मालपानी, संजय बजाज, अरुण लाहोटी, घनश्याम लोया, घनश्याम चांडक, घनश्याम बजाज, अवतार लाहोटी, पवन भराड़िया, रामदेव टावरी, महेश जाजू, प्रेमचंद कांकाणी, मोहन मुंदड़ा, दिनेश करवा, देवेंद्र राठी, चेतन मुंदड़ा, विकास नावंदर, उमेश असावा, प्रशांत बांगड, रमाकांत कांकाणी, ओमप्रकाश असावा, अंकित मालानी, संजय पल्लोड, महेश कलंत्री, लक्ष्मीकांत तोष्णीवाल, प्रभुदयाल जाखोटिया, सत्यनारायण मुंदड़ा, शिवप्रकाश लाहोटी, श्रीकांत मानधनी, राहुल कासट, पवन डागा, राजकिशोर भट्टड, रमेश तोष्णीवाल,आशा लोया, संगीता कलंत्री, कोमल द्वारकानी, स्नेहा बिन्नानी, माधुरी बजाज, मोनिका सोमानी

तेलंगाना-आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, पदाधिकारी

अध्यक्ष : कैलाश डालिया **मंत्री :** CA कन्हैयालाल राठी **निवर्तमान अध्यक्ष :** हरिनारायण राठी **उपाध्यक्ष :** नारायणदास बंग, गोपाललाल बंग, गोपीकिशन लाहोटी (वरंगल), अशोक मानधना (विशाखापटनम्) **कोषाध्यक्ष :** नारायण मालाणी, **संगठन मंत्री :** मनोज सोमाणी **प्रचार मंत्री :** श्यामसुन्दर बियाणी **संयुक्त मंत्री :** संपत तोष्णीवाल (RKT), भरत जाजू, गोवर्धन साबू (निजामाबाद), कमलकिशोर झँवर (राजमुंद्री) **जन संपर्क मंत्री :** श्यामसुंदर लड्डा (भैंसा) **कार्यालय मंत्री :** रविकुमार राठी, पवन पल्लोड

हैदराबाद-सिकंदराबाद (जिला) माहेश्वरी सभा, पदाधिकारी

अध्यक्ष : भगवान पंसारी **मंत्री :** राजेश मालपानी **निवर्तमान अध्यक्ष :** गोपाललाल बंग **उपाध्यक्ष :** पवन मंत्री, वेणुगोपाल लोया, राजेशकुमार करवा **कोषाध्यक्ष :** पंकज मणियार, **संगठन मंत्री :** पंकज नावंदर , **संयुक्त मंत्री :** राजेश बजाज, आनन्द लखोटिया, आनन्द राठी **प्रचार मंत्री :** महेश बंग (लड्डु), **कार्यालय मंत्री :** रामदेव सारडा, शिवरतन बंग

तेलंगाना-आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन, पदाधिकारी

अध्यक्षा : रजनी राठी **मंत्राणी :** मंजू लाहोटी **निवर्तमान अध्यक्षा एवं कार्यसमिति सदस्या अ.भा.महिला संगठन :** उर्मिला साबू , **वरिष्ठ उपाध्यक्षा :** चंदा सोनी (वरंगल) **उपाध्यक्षा :** सीमा ईन्नाणी , विष्णुकांता लोया (कागजनगर), राजकुमारी लोया (महबूबाबाद) **कोषाध्यक्षा :** संतोष मालपानी, **संगठन मंत्राणी :** पायल राठी (विशाखापटनम), **सांस्कृतिक मंत्राणी :** श्रुति राठी **सहमंत्राणी :** उर्मिला डालिया, भारती करवा, आरती झँवर (मंचरियाल) निशा छापरवाल (निजामाबाद), **प्रचार मंत्राणी :** इन्दिरा बजाज, अनसुया पंसारी, मोनिका सोमानी, संतोष लाहोटी

हैदराबाद-सिकंदराबाद (जिला) माहेश्वरी महिला संगठन, पदाधिकारी

अध्यक्षा : लता तोष्णीवाल **मंत्राणी :** आरती असावा **उपाध्यक्षा :** आरती लड्डा, सरिता राठी **कोषाध्यक्षा :**सुनीता नावंदर **संगठन मंत्राणी :** सीता मालपानी **सह मंत्राणी :** स्नेहा बिनानी, बबिता बंग **प्रचार मंत्राणी :** मँजू पंसारी **सांस्कृतिक मंत्राणी :** ललिता मालाणी

तेलंगाना-आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन, पदाधिकारी

अध्यक्ष : राहुल फोफलिया **मंत्री :** सुनील भट्टड **उपाध्यक्ष :** रमाकांत जाजू, रोहितकुमार इन्नाणी, राघव सारडा (विशाखापटनम), श्रीराम डालिया (वरंगल) **कोषाध्यक्ष :** अजय मूंदडा, **संगठन मंत्री :** श्रीकांत झँवर (निजामाबाद) **संयुक्त मंत्री :** अनिल मंत्री, वेणुगोपाल बंग, निखिल डोडिया (करीमनगर), शुभम लोया (सिरपुर कागजनगर) **प्रचार मंत्री :** गोपाल राठी **सांस्कृतिक मंत्री :** विष्णुकांत बजाज **खेल मंत्री :** मुकेशकुमार गिल्डा **आई.टी. मंत्री :** अमित मूंदडा **कार्यालय मंत्री :** हरदीप खटोड

हैदराबाद-सिकंदराबाद (जिला) माहेश्वरी युवा संगठन, पदाधिकारी

अध्यक्ष : अभिषेक ईन्नानी **मंत्री :** रौनक गट्टाणी **उपाध्यक्ष :** अभिषेक सारडा, प्रशांत तोष्णीवाल, **कोषाध्यक्ष :**शुभम काबरा **संगठन मंत्री :** श्रीकांत लोया **संयुक्त मंत्री :** भरत मर्दा, पियुष सोनी **प्रचार मंत्री :** राहुल दरक **आई.टी. मंत्री :** मारुतीनंदन बल्दवा , **खेल मंत्री :** महेश मूंदडा **सांस्कृतिक मंत्री :** कृष्णा तोष्णीवाल **कार्यालय मंत्री :** आशीष लोया

MaheshFoundation
EDUCATION • HEALTH • SOCIAL SERVICE

महेश फाउण्डेशन द्वारा संचालित स्कीम

1. महेश प्रिविलेज कार्ड
2. फैमिली सिक्युरिटी स्कीम
3. विद्या मित्र स्कॉलरशीप
4. समाज बंधुओं के उपयोग हेतु नि:शुल्क आवश्यक चिकित्सा उपकरण वापसी योग्य आधार पर प्रदान किये जाते हैं।

70,000 वर्ग फीट वॉटर प्रुफ पंडाल की व्यवस्था

तेलंगाना-आंध्र प्रादेशिक कार्यकारिणी सदस्यगण

मनोज बंग, गोविंद सारडा, संजय मोदानी, श्यामसुंदर तोष्णीवाल, लोकनाथ मारु, राजेश तापडिया, नरसिंगदास तोष्णीवाल, मधुसुदन डालिया, दामोदर बल्दवा, गोविंदनारायण बाहेती, भगवानदास चाण्डक, ओमप्रकाश कांकाणी, राजेश मंत्री (रामूजी), राधेगोपाल बंग, आनन्द सोनी, संजय बजाज, विनोद तोष्णीवाल, प्रकाशचंद्र लड्डा, घनश्याम बजाज, बद्रीविशाल मालाणी, श्यामसुंदर बाहेती, राजेंद्रकुमार मालाणी, नारायणदास मूंदडा, रामनिवास सारडा, प्रेमचंद कांकाणी, जुगलकिशोर गिल्डा, ब्रिजगोपाल जाजू, नवलकिशोर नावंदर, कमलकिशोर राठी, ओमप्रकाश असावा, कैलाश झंवर, लक्ष्मीकांत तोष्णीवाल, कमलकिशोर बियाणी, सत्यनारायण मूंदडा, लालचंद डागा, रमेश खडलोया, विष्णुदास मूंदडा, ओमप्रकाश तोष्णीवाल, गोपाल सोमानी (शमशेरगंज), गोवर्धनदास तापडिया, घनश्याम तोष्णीवाल, हरिकिशन लाहोटी, हरिकिशन बंग, भगवानदास सारडा, भगवानदास कासट, नंदकिशोर लाहोटी, विठ्ठल काबरा, नवलकिशोर बजाज, श्रीगोपाल काबरा, गोपालदास धूत, सुरेश बल्दवा, संजय पल्लोड, कमनकिशोर सोनी, वेणुगोपाल तोतला, गोविंदप्रसाद मानधना, कैलाश काबरा, श्यामसुंदर मानधना (भैंसा) पुरुषोत्तमदास जाजू, ओमप्रकाश मूंदडा (मंचरियाल), वेणु लाहोटी, शंकरलाल फोफलिया, द्वारकाप्रसाद झँवर (सिरपुर कागजनगर), रमेश चितलांगी (बेल्लमपल्ली), बालकिशन छापरवाल, ओमप्रकाश लड्डा, दीपक भूतडा (आदिलाबाद), गोपाल दरक, श्यामसुंदर जाखोटिया, CA हरीश लोया, नवलकिशोर मणियार (वरंगल), घनश्यामदास सारडा, श्यामसुंदर अट्टल (पेद्दापल्ली), विनोद लाहोटी, विजयकुमार झँवर (खम्मम) अशोक राठी, पुरुषोत्तम सारडा, द्वारकादास जाखोटिया,गोवर्धन मंत्री (कोत्तागुडम) नवलकिशोर सारडा (जहीराबाद) श्रीनिवास लाहोटी (नारायणपेट), रमेशचंद सारडा, ओमप्रकाश सोमानी, मनमोहन सारडा (ताण्डूर), राधेश्याम लोया, रामअवतार झँवर (जडचर्ला) शंकरलाल राठी, संतोष लाहोटी, अजयकुमार मोहता (विशाखापटनम), अरविंदकुमार बंग, संदीप माहेश्वरी, कमलकिशोर झँवर (राजमुंद्री)

हैदराबाद सिकन्दराबाद (जिला) माहेश्वरी सभा कार्यकारिणी सदस्यगण

गिरीराज बल्दवा, राजेश सोनी, प्रवीण काबरा, नितीन काबरा, राज काबरा, रोमित रांदड, रामदेव बंग, राजेश चाण्डक, रोहित इन्नाणी, सुरेश सोनी, विनय बल्दवा, श्रीनिवास बल्दवा, नारायणदास कांकाणी, ब्रिजमोहन सोनी, सुनील मालु, लक्ष्मीनिवास असावा, आनंद डागा, राजेश लाहोटी, अमित नावंदर, महेंद्र हरकूट, सत्यनारायण काबरा, विजय मालपानी, शरद राठी, पुरुषोत्तम अट्टल, नारायण लोया, आनंद लोया, विनोद मंत्री, शरददास मूंधडा, संदीप राठी, राजगोपाल राठी, महेश असावा, घनश्याम चाण्डक, घनश्याम लोया, मुरली सारडा, सुनील दरक, अरुण लाहोटी, राजू राठी, आनंद तोष्णीवाल, मनोज राठी, आशीष सारडा, संदीप जाजू, अवतार लाहोटी, शिव लखोटिया, क्रांती सारडा, मोहन इन्नाणी, CA अभिजित बांगड, महेश जाजू, सुनील माहेश्वरी, प्रेमनारायण लाहोटी, गिरीराज सोनी, संयोग लड्डा, मनीष राठी, डॉ. कमल राठी, संजय तोतला, गोविंद असावा, पवन भराडिया, अतुल करवा, इन्दर मालाणी, मधुसुदन सारडा, मोहन मूंदडा, शंकर राठी, डॉ. पुरुषोत्तम बिदादा, कमलनारायण बजाज, वल्लभ बजाज, जुगलकिशोर बल्दवा, श्रीकांत लोया, नारायण राठी (नारु), विजय जाजू, देवेन्द्र राठी, सुरेश गिल्डा, संजय असावा, दीपक भट्टड, दीपक बल्दवा, रघुनंदन भट्टड, श्रीराम नावंदर, शिवकुमार भूतडा, अशोक तापडिया, हनुमानदास मोहता, आदित्य लोया, आनंद बंग, राकेश बंग, गोपाल मालाणी, लक्ष्मीनिवास मूंदडा, शिवकुमार मोदानी, पवन डागा, राजकिशोर हेडा, कमल लड्डा, संजय सारडा, श्रीकांत मानधना, पवन लाहोटी, श्रीगोपाल लड्डा, शिवप्रकाश लखोटिया, मुरलीमनोहर हेडा, नवल डांगरा, श्रीकांत कलंत्री, सुनीलनिवास अट्टल, रमेश तोष्णीवाल, राजकमल भट्टड, राजेश काबरा, सम्पत तोष्णीवाल (सालासर) मुकेश राठी, लक्ष्मीकांत भक्कड, संजय भराडिया, पवन जाजू, राजेश बजाज, आकाश कांकाणी, दिनेश हेडा, रितेश भट्टड, गणेश सोनी, लक्ष्मीकांत सोनी, वरुण सारडा, केशव डागा, श्याम हरकूट, राजेश लोया, अनिल बजाज, पुरुषोत्तम चाण्डक, अतुल बाहेती, पवन बियाणी, रामप्रकाश इन्नाणी, अनिल मंत्री, शरद अट्टल, प्रकाश चितलांगी, मेघराज राठी, पुरुषोत्तम बाहेती, कृष्णा तापडिया, अनिल मूंदडा, रमेश राठी, राजेश बजाज, सुनील लाहोटी, राजेश बजाज, विष्णुगोपाल लोया, वेणुगोपाल बंग, बसंत पच्चीसीया, नरसिंग तोतला

तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन कार्यकारिणी सदस्यगण

मधुसुदन मालु, पवन मूंदडा, श्रीकांत डालिया (निजामाबाद), अनिल सोनी, आदित्य जाखोटिया, अखिल मानधनी (वरंगल), निलेश राठी (गोदावरीखन्नी) विराट सोनी, अर्पित चितलांग्या, श्रीनिवास माहेश्वरी (विशाखापटनम), कृष्णकांत सोनी (बेल्लमपल्ली), विनीत कांकाणी (मंचरियाल), भरत झँवर (जडचर्ला) रुपक मूंदडा (करीमनगर) योगेश मानधनी (भैंसा) CA विजय राठी (कोत्तागुडम) अनिल सारडा (जहीराबाद) अभिषेंक असावा (सिरपुर कागजनगर) महेश बूब (गुन्टूर) नितीन भूतडा, नीरज सारडा, मयूर राठी, शेखर केला, अक्षय चाण्डक, कमलेश भांगडिया, रमेश राठी, सर्वेशकुमार मालाणी, राहुल करवा, चेतन मूंदडा, कृष्णकांत नावंदर, हेमंतकुमार नावंदर, श्रीराम जाजू, श्रीकांत अट्टल, श्रीनिवास दरक, कृष्णकांत कासट, नितेश मूंदडा, श्रीकांत डालिया, शरद अट्टल, श्रीकांत बजाज, भगवती अट्टल, श्रीगोपाल भट्टड, कृष्णकांत इन्नाणी, डॉ. आनंदकुमार धूत, पियुष दरक, आकाश तोष्णीवाल, कृष्ण राठी, कृष्णकांत झँवर, सुनील बियाणी, CA आशीष जाजू, वरुण मालपानी, श्रीधर तोष्णीवाल, केशव बंग, प्रितेश सोनी, अनमोल बल्दवा, कृष्णा राठी, घनश्याम सोनी, शुभम भट्टड, अभिनव करवा, आलोक चोकडा, हर्ष सारडा, महेश चितलांगी, राम चाण्डक, अनुप बाहेती, श्रीकांत बजाज, निखिल बंग, कार्तिक भट्टड, CS प्रेम भट्टड, अभिषेक धूत, आनंद झँवर, अंकितकुमार मालाणी, राहुल बजाज, रुपेश बियाणी, अभिषेक बाहेती, अंकित तोष्णीवाल, संतोष लड्डा, रोहित सोमानी, पंकज बाहेती, राजगोपाल झँवर, सुमित बजाज, कन्हैया बियाणी, दीपककुमार असावा, निखिल कलंत्री, कृष्णकांत हेडा, सुबोध धूत, नवीन चाण्डक, ईशान सोनी

हैदराबाद सिकन्दराबाद (जिला) माहेश्वरी युवा संगठन कार्यकारिणी सदस्यगण

गोपाल तोष्णीवाल, निखिल इन्नाणी, पंकज काबरा, श्लोक सारडा, सीए प्रियांश लोया, गुणेश सोमानी, आकाश माहेश्वरी, पवन नवाल, आनंद लाहोटी, सागर भट्टड, कृष्णा मालपानी, कृष्णा राठी, अनिमेष जाजू, धीरज राठी, नवनीत मूंदडा, नितीन नावंदर, नारायण करवा, विकास नावंदर, नवलकिशोर सारडा, गौरव जाजू, मधुसुदन राठी, अरुण जाजू, रोहित कासट, सूरज लड्डा, केशव बांगड, उमेश डालिया, सौरभ मूंदडा, निकुँज सोमानी, शशिकांत बजाज, श्रीनाथ मूंदडा, अभिषेक भंडारी, रसेश लाहोटी, तरुण करवा, प्रतीक तोष्णीवाल, निखिल तोष्णीवाल, सीए गिरिधर असावा, सागर दरक, अक्षित तोतला, अ.नुप बिरला, आशुतोष राठी, समर्थ मर्दा, मधुर बंग, नीरज पंसारी, आशीश पोरवाल, महेश काबरा, अक्षय मंत्री, नितीन सारडा, सागर अट्टल, सर्वेश गिल्डा, आशीष तोष्णीवाल, गिरीराज कांकाणी, मनोज बजाज, दिनेश मणियार, सूर्यप्रकाश झँवर, पुनीत तोष्णीवाल, संकेत बियाणी, सुकेश झँवर, गोविंद तापडिया, विनीत पंसारी, श्रेणिक सोनी, जयेश हरकूट, महेश साबू, रमाकांत सोनी, संदीपकुमार सोनी, मोहन कासट, जयप्रकाश राठी, चिराग अट्टल, केशव सारडा, अभिषेक परतानी, अंकित बियाणी, अभिनव जाखोटिया, विरेन्द्र सारडा, आदित्य मूंदडा, रमाकांत झँवर, सहयोग मूंदडा, लक्ष्मीकांत सारडा, सुमित सारडा, श्रीनाथ राठी, कृष्णा बंग, नीरज सारडा, हर्षवर्धन मणियार

------------------------------ : शुभकामनाओं सहित : ------------------------------

महेश भगवती बल्दवा एज्युकेशनल फाउण्डेशन	गोपीकिशन अनिल कुमार भांगडिया	पूनमचंद बुद्धिप्रकाश तोष्णीवाल	मोतीलाल श्यामसुन्दर बाहेती	मूलचंद नथमल डालिया	रावतमल रतनलाल राठी	भंवरीलाल गोविन्दलाल पंसारी	धनराज रमेशचंद्र कलंत्री

बालाराम राजेश कुमार मून्दडा	कन्हैयालाल महावीर लोहिया (GOLD DROP)	मूलचंद आसाराम मालानी	गंगाराम चांदमल तोतला	रामनिवास ब्रिजगोपाल भूतडा (फाइन कैब)	लक्ष्मीनारायण विजय कुमार बांगड़	हरिकिशन नंदकिशोर मालानी	लक्ष्मीनिवास हरिकिशन लाहोटी	भगवानदास अजयकुमार तोष्णीवाल
राधाकिशन हुकमीचंद भांगडिया	शोभाचंद शिवजीराम लोया	मनीराम रामरतन राठी	मदनलाल राधेश्याम राठी (RATHI CONSTRUCTIONS)	शिवराज रामकिशोर झँवर	ANAND SONI SONI WIRE PVT. LTD. SRI SS WELDMESH (P) LTD. PRAGATI UDYOG	BUNG PAPER & BOARDS PVT. LTD.	मेघराज मनोज कुमार बाहेती (BAHETI EXTRACTIONS)	नारायणलाल पुरुषोत्तमलाल बाहेती

बालमुकुंद CA कन्हैयालाल राठी	बालकिशन गोपाललाल बंग	राजकुमार कमलकिशोर काबरा	कार्तिकेय टेक्सटाईल, सिकन्दराबाद	गंगाराम राधाकिशन राठी (श्रीवारी)	श्रीनिवास दिनेश कुमार मंत्री	श्रीनिवास नवलकिशोर लोया	जगदीश प्रसाद संतोष कुमार लोया	अशोक मान्धनी (विशाखापट्नम)	बद्रीनारायण हरिनारायण राठी
बंकटलाल राजगोपाल मालू (THE PLATINUM)	कुंदनमल कन्हैयालाल मालपानी (RAJESH SILKS HOUSE)	लालचंद शिवनाथ दरक	पूरणमल रामकिशोर बजाज	दामोदरलाल राधाकिशन तोष्णीवाल (RKT)	बालकिशन श्यामसुन्दर बियाणी (NAV SAJAWAT FURNITURE)	रघुनाथ बद्रीनाथ जाजू	ओमप्रकाश नवनीत मोदानी	रामेश्वरलाल शिवरतन पल्लोड	रतनलाल श्रीवल्लभ तोष्णीवाल
देवकरण रामवल्लभ फोफलिया (FOFALIA GROUP)	चतुर्भुज गोविंद प्रसाद चांडक	श्रीकिशन धनराज सोनी	ओमप्रकाश पुरुषोत्तम बाहेती	हरिकिशन CA ब्रिजमोहन सोनी	बंसीलाल श्रीकिशन बजाज	तुलसीराम हनुमानबगस गिलडा	श्रीनिवास अनिल कुमार लखोटिया	शिरिष सुनील भट्टड	4R INVESTMENTS
KARNI ESTATES INDIA PVT. LTD.	मदनलाल बंकटलाल गिलडा	रामजीवन ओमप्रकाश लाहोटी	घासीराम रामप्रसाद नावंदर	ओमप्रकाश अरुण कुमार जाखोटिया	रामस्वरुप CA गोविंदलाल डालिया	असावा परिवार	बद्रीनारायण कमलनारायण राठी	CA रमेशचंद अंकित अटासनिया	हुलासमल गोपाल सोमानी दिलसुखनगर

VED JEWELLERS	श्रीनिवास लक्ष्मीनिवास असावा	जगन्नाथ राजेंद्र कुमार मालानी	रामचंद्र भगवानदास कासट	नरसिंगदास भगवानदास सारड़ा	नारायणदास पवन कुमार भराडिया	नरसिंगदास अभिषेक तोष्णीवाल	रामकिशन विजयकुमार मणियार	लक्ष्मीनिवास सत्यनारायण मुंदड़ा	भगवानदास पवन कुमार नावंदर
पांडुरंग नरेश कुमार भूतडा	ओमप्रकाश अरुण कुमार राठी	शंकरलाल रामदेव सारड़ा	मोतीलाल मुन्नालाल करवा	ओमप्रकाश मनोज कुमार सोमानी	गोविंदलाल रविकुमार राठी	दुर्गाप्रसाद आनंद कुमार राठी	लालचंद डागा	बंकटलाल सत्यनारायण हेडा	ओमप्रकाश पवन कुमार मुंदड़ा
नथमल रामकिशन जाजू	किशनगोपाल संपतकुमार असावा	रामकिशोर संजयकुमार पल्लोड	सत्यनारायण वेणुगोपाल नावंदर	जगदीश प्रसाद वसंत पचीसिया	गोपीकिशन दिनेश बजाज	श्री भवानी ज्वेलर्स	पूनमचंद लक्ष्मीनारायण मुंदड़ा	श्रीकिशन श्यामसुंदर अट्टल, जगदंबा ग्रुप	मुरलीनारायण राधेगोपाल बंग
रंगनाथ श्रीनिवास बल्दवा	घनश्यामदास महेश लोया	रामेश्वरलाल भरत कुमार जाजू	विष्णुदास राजगोपाल बाहेती	गोपालदास मनोज कुमार बंग	गोविंदलाल असावा (दवासाज)	रामकिशन शिवप्रकाश मंत्री	भंवरीलाल विनोदकुमार दरक	लक्ष्मीनिवास घनश्यामदास तापडिया	सुरतराम गोविंदराम मुंदड़ा
मुरलीधर घनश्यामदास कांकाणी	प्रभुदयाल यश जाखोटिया	बंकटलाल नारायणदास लोया	भगवानदास कमलकिशोर कांकाणी	ओमप्रकाश श्यामसुंदर मोदानी	लक्ष्मीनारायण कैलाशचंद मणियार	घनश्यामदास श्रीकांत सारड़ा	पुरुषोत्तमदास मनोजकुमार गांधी	राजेश नारायण सर्वेश नारायण सोमानी	लक्ष्मीनारायण पूजन सामग्री
रमेशचंद राजेशकुमार लाहोटी	ब्रजलाल डॉ.राधेश्याम तापडिया	लक्ष्मीकांत पुनीत तोष्णीवाल	पन्नालाल हीरालाल भांगडिया	गिरधारीलाल विष्णुकांत राठी	बद्रीविशाल अंकितकुमार सारड़ा	बालकिशन पवनकुमार मंत्री	मुन्नालाल तेजप्रकाश सोमानी	किशनलाल सत्यनारायण बियानी	मोहनलाल सूरजकरण सारड़ा
केदारनाथ सुर्यप्रकाश लोया	सुनील निवास अट्टल	बलदेव गोवर्धन बाहेती	आसाराम मुकुंदलाल डालिया	श्रीनिवास संजयकुमार तोतला	सीताराम हरिकिशन लोया	श्रीवल्लभ नथमल बंग	अर्जुनदेव मुकेश झँवर	भगवानदास श्यामसुंदर हरकुट	लक्ष्मीनवास श्रीगोपाल मोदानी
सुरजकरण राधाकिशन कांकानी	रामकिशन जयकिशन झँवर	गुलाबचंद बाबूलाल सोमानी	चुन्नीलाल श्रीकिशन लड्डा	लोकनाथ मारु	राधिका प्लास्टीक, बालनगर	ओमप्रकाश जगदीश झँवर	मुकेश परवाल	मंगलम ग्रेनाईट	राजेश मालपानी (मारुती एन्टरप्राईजेज)
राधेश्याम मुंदड़ा (माहेश्वरी मार्केटिंग)	घनश्यामदास नंदकिशोर लड्डा	विजय कविता राठी, बेगमपेट	गंगाबिशन मेघराज राठी	राजेश मालपानी (फाईनान्स एडवाईजर)	बद्रीनारायण रामानुज सारड़ा, उस्मानशाही	केसरीमल नरगिंदास सारड़ा	रतनलाल विमलकिशोर सोनी	Baker's Super Mart	श्री रिद्धी सिद्धी विनायक मंदिर, नगारखाना

बालकिशन संपत तोष्णीवाल (सालासर)	गोवर्धनदास आनंद तापडिया	देवरतन CA दीपक लड्डा	मोहिनी जेम्स एण्ड ज्वेलर्स	पुरुषोत्तम लक्ष्मीकांत सोनी	सीताराम राजेश कुमार काबरा	श्यामसुन्दर विनोद कुमार झँवर	कमलकिशोर वेणुगोपाल झँवर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.